सुप्रभात
रांची, शुक्रवार
14.06.2024
* * नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित   सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net जेष्ठ, शुक्ल पक्ष, अष्टमी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 330

12 सनी देओल ने किया बार्डर-2 फिल्म का ऐलान

न्यूज डायरी

झारखंड में लू का रेड अलर्ट जारी 12 राज्यों में भारी बारिश संभव

नयी दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में अगले 3 दिनों असम, बंगाल, सिक्किम समेत 12 राज्यों में मूसलाधार बारिश की संभावना जतायी है। वहीं झारखंड, बिहार और यूपी में लू का रेड अलर्ट जारी किया है। आइएमडी ने बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बताया है।

हेमंत की जमानत अर्जी पर फैसला रखा सुरक्षित

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में बहस पूरी हो गयी। गुरुवार को दोनों पक्षों की ओर से दलील पेश की गयी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय की अदालत फैसला सुरक्षित रख लिया है।

पानी भरे गड्ढे में डूब कर बच्ची की मौत

हजारीबाग। बड़की जलौंध निवासी जितेन्द्र भुईया की सात वर्षीय बेटी सीतल कुमारी की गुरुवार को गांव में पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गयी। ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार को सीतल कुमारी शौचालय के लिए दोस्तो साथ खेत गयी थी। पानी के लिए एक गड्ढे की ओर गई थी तभी उसका पैर फिसल गया और गहरे गड्ढे में गिर गयी।

चिरूडीह नरसंहार में एक को उम्रकैद की सजा मिली

जामताड़ा। चिरूडीह नरसंहार कांड एक बार फिर सुर्खियों में है। इस मामले में एक अभियुक्त रमाकांत दत्ता (75) को जामताड़ा कोर्ट की अदालत ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनायी।

12 से अधिक पत्थर माफिया पर विभाग ने केस कराया

खूंटी। खनन विभाग ने अवैध पत्थर उत्खनन एवं परिवहन करने वालों को चिन्हित कर खूंटी थाने में 12 से अधिक लोगों पर एफआईआर दर्ज की गयी है।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	67200 रु./10 ग्राम
चांदी	:	94000 रु./प्रति किलो

झारखंड में नौकरियों की बहार : बैठक में सीएम ने कहा रिक्त पद शीघ्र भरें

अगले तीन माह में 35 हजार नियुक्तियां होंगी

युवाओं को रोजगार देना हमारी प्रतिबद्धता और प्राथमिकता

सभी नियुक्तियों में नियमावली और रोस्टर का पालन हो

चयन प्रक्रिया में अनियमितता बर्दाश्त नहीं होगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की प्रतिबद्ध और प्राथमिकता भी है। उन्होंने जेएसएससी को सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया सितंबर महीने तक पूरी कर लेने का दिया निर्देश। आयोग द्वारा आठ प्रतियोगी परीक्षाओं के जरिए लगभग 35 हजार पदों पर नियुक्ति की चयन प्रक्रिया शुरू करने को कहा। उन्होंने कहा कि समय सीमा में पूरी हो बहाली प्रक्रिया हो और नियुक्ति नियमावली तथा रोस्टर का हर हाल में हो पालन हो।

श्री सोरेन गुरूवार को वरीय अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर रहे थे। बैठक में सीएम ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की जानकारी ली।

खाली पड़े पद शीघ्र भरे जायें : मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी विभागों में जो भी रिक्तियां हैं, उसकी चयन प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू कर युवाओं को रोजदार दें। सभी नियुक्तियों में सरकार की नियमावली और रोस्टर का पालन करें, इसमें अनियमितता बर्दाश्त नहीं होगी। जेएसएससी द्वारा जो भी प्रतियोगिता परीक्षा ली जा रही है, उसमें पारदर्शिता आवश्यक है। अगर पेपर लीक जैसी घटनाएं होती हैं तो जो भी दोषी पाये जायेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने पुलिस महानिदेशक और जेएसएससी के अध्यक्ष से कहा कि झारखंड उत्पाद आरक्षी प्रतियोगिता परीक्षा के जरिये 580 पद और झारखंड आरक्षी प्रतियोगिता परीक्षा के 4919 पदों पर प्रक्रिया अविलंब शुरू की जाये। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि परीक्षा के अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षण इसी माह शुरू हो जायेगा। प्रक्रिया पूरी होने पर सफल अभ्यर्थियों की सूची जेएसएससी को उपलब्ध करा दी जायेगी।

सभी परीक्षओं की प्रक्रिया शुरू

बैठक में जेएसएससी अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने मुख्यमंत्री को आयोग द्वारा ली जाने वाली सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं की चल रही प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आयोग की ओर से लगभग 35 हजार पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। इसमें स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक प्रतियोगिता परीक्षा के 1868 पद, झारखंड डिप्लोमा स्तर संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के 153 पद, झारखंड नगर पालिका सेवा संवर्ग संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के 921 पद शामिल है।

(शेष पेज 11 पर)

पेसा नियमावली को लागू करने की कवायद तेज

रांची। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की अध्यक्षता में पेसा नियमावली लागू किये जाने की कवायद तेज हो चुकी है। सीएम के समक्ष झारखंड मंत्रालय में गुरूवार को पंचायती राज विभाग के अधिकारियों द्वारा पेसा-एक परिचय एवं रोड मैप विषय पर पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दी।

सीएम ने पेसा-एक परिचय एवं रोड मैप की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिये। राज्य में शीघ्र पेसा कानून लागू किया जा सके, इस निमित्त कई अहम बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में एक बेहतर पेसा नियमावली बने, यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। मौके पर मंत्री दीपक बिरुवा, सीएस एल खियांग्ते, सीएम के प्रधान सचिव अविनाश कुमार, पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा, निदेशक पंचायती राज निशा उरांव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड में हीटवेव से अभी राहत नहीं

कमजोर पड़ा मानसून, 20 तक राहत संभव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य के 18 जिलों में हीट वेव की स्थिति है। पलामू, चतरा, गढ़वा में पारा 45 के पार है। लोगों को मानसून का अभी और इंतजार करना होगा। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार पहले अनुमान था कि मानसून 13 तक राज्य में प्रवेश कर जायेगा। वहीं अब इसके 20 जून तक प्रवेश करने की जानकारी दी जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो पिछले दिनों बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बना था, जो कमजोर पड़ गया। लो प्रेशर के कमजोर होने से मानसून की गति पर असर पड़ा और गति धीमी हो गयी है। अब मानसून का झारखंड में प्रवेश 20 जून तक होने की संभावना जतायी जा रही है।

पलामू, गढ़वा, चतरा का पारा 45 पार : मानसून कमजोर पड़ने के कारण राज्य के लोगों को अभी गर्मी और उमस का कहर झेलना होगा। 16 जून तक पूरे राज्य में गर्मी की विषम स्थिति बनी रहेगी। अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज, चतरा, गढ़वा का दर्ज किया गया। राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में कहीं कहीं मेघगर्जन और आंधी के साथ हल्की वर्षा हुई। सबसे अधिक वर्षा 10.2 मिमी दुमका में रिकार्ड की गयी। राज्य के उत्तर पश्चिमी हिस्से में कुछ जगहों पर हीटवेव का सर्वाधिक असर देखने को मिला।

लू से एक और रेलकर्मी की मौत

पलामू प्रमंडल में सूरज आग उगल रहा है। तपती धूप में रेलवे ट्रैक पर काम करना काफी कठिन होता जा रहा है। जपला हैदर नगर रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर काम कर रहे रेलकर्मी अशोक राम की बुधवार को लू लगने से मौत हो गयी। वह गया का रहने वाला था। इससे पहले लू लगने से रेलकर्मी मुकेश मीना की मौत हो गयी थी। दो दिन पूर्व अंकोरहा रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर कार्य करने के दौरान एक रेल कर्मी की मौत हो गयी थी।

नीट पर सुप्रीम फैसला : 23 को पुन: परीक्षा का विकल्प

ग्रेस मार्क्स विवादित, 1563 का स्कोर कार्ड रद्द

नयी दिल्ली(एजेंसी)। मेडिकल स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए पांच मई को आयोजित की गयी विवादित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के दौरान देर से प्रश्नपत्र मिलने के बदले अतिरिक्त अंक (ग्रेस मार्क्स) पाने वाले 1563 विद्यार्थियों को 23 जून को दोबारा परीक्षा देने का विकल्प दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने शिक्षक अलख पांडे और अन्य की याचिकाओं पर पुनः परीक्षा कराने के फैसले से संबंधी केंद्र सरकार के हलफनामे पर विचार के बाद गुरुवार यह अनुमति थी। नीट-यूजी 202 विवाद मामले में एनटीए ने सुनवाई शुरू होते ही पीठ के समक्ष कहा कि जिन 1563 विद्यार्थियों को देर से प्रश्न पत्र मिलने के बदले अतिरिक्त अंक (ग्रेस मार्क्स) दिये गये थे। उनके प्राप्तांक (स्कोर-कार्ड) रद्द करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही उन्हें दोबारा परीक्षा देने का विकल्प देने का फैसला किया गया है। अदालत के समक्ष एनटीए ने यह भी कहा कि क्षतिपूर्ति अंक पाने वाले 1563

विद्यार्थियों में जो दोबारा परीक्षा में शामिल होने का विकल्प अपनायेंगे। उन्हें इस परीक्षा में प्राप्त अंक वाले अंक पत्र जारी किये जायेंगे। इसके साथ ही यह भी कहा कि क्षतिपूर्ति अंक पाने वाले जो विद्यार्थी निर्धारित तारीख पर दोबारा होने वाली परीक्षा में शामिल नहीं होंगे, उन्हें पहले दिये गये 'क्षतिपूर्ति अंक' काटकर अंक पत्र जारी किये जायेंगे। इस प्रकार से नयी रैंकिंग के साथ परीक्षा परिणाम जारी किये जायेंगे। पीठ ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की दलीलों पर विचार के बाद दोबारा परीक्षा आयोजित कर परिणाम घोषित करने अनुमति दी, लेकिन स्पष्ट किया कि नामांकन से संबंधित काउंसलिंग प्रक्रिया जारी रहेगी।

जम्मू-कश्मीर पर हाइलेवल बैठक में पीएम का निर्देश

आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें

एजेंसी

नयी दिल्ली। हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकी घटनाओं पर गरुवार को पीएम मोदी हाईलेवल बैठक की। पीएम मोदी ने बैठक में आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये। 9 जून को रियासी में आतंकियों ने श्रद्धालुओं की बस को निशाना बनाया था, जिसमें 10 की मौत हो गयी थी। इस मामले में अबतक 50 से अधिक संदिग्ध आंतकी दवोचे जा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति को लेकर हुई बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल शामिल थे। पीएम मोदी को राज्य में सुरक्षा की स्थिति और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही पीएम मोदी ने आतंकी हमलों को लेकर गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से बात की और घाटी में सुरक्षा बलों की तैनाती और एक्शन प्लान को लेकर जानकारी ली। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पीएम मोदी को जम्मू-कश्मीर की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी है और स्थानीय प्रशासन के प्रयासों के बारे में भी बताया।

(शेष पेज 11 पर)

डोभाल एनएसए और मिश्रा पीएम के प्रधान सचिव बने रहेंगे

नयी दिल्ली। अजीत डोभाल को लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय सलाहकार नियुक्त(एनएसए) किया गया है। वहीं डा पीके मिश्रा को दोबारा प्रधानमंत्री का प्रधान सचिव बनाया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने इन दोनों अधिकारियों की नियुक्ति को गुरुवार को मंजूरी दे दी। समिति ने अमित खरे और तरूण कपूर को भी पीएमओ में प्रधानमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया गया है। केन्द्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने बताया कि श्री डोभाल और डॉ मिश्रा की नियुक्ति 10 जून से प्रभावी होगी। पीएम मोदी के कार्यकाल या अगले आदेश जो भी पहले हो तब तक रहेगी। दोनों अधिकारियों को केबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। वहीं श्री खरे और श्री कपूर की नियुक्ति दो वर्ष के लिए होगी। उन्हें केन्द्र सरकार के सचिव के समकक्ष रखा गया है।

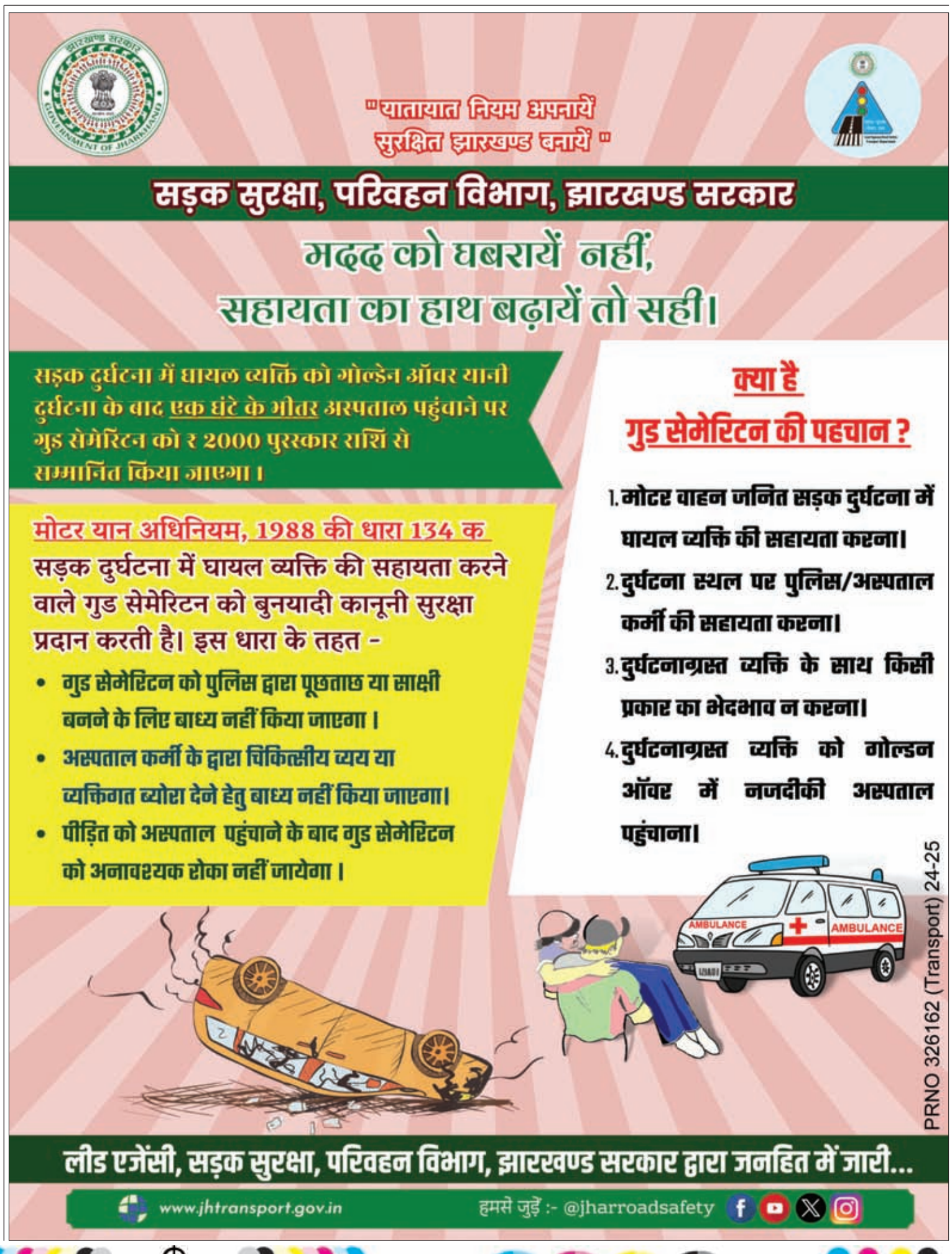

हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

वकील ने कोर्ट में कहा- ना ही वो जमीन हेमंत की है, ना ही उसपर उनका कब्जा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बरियातू के बड़गाई में 8.86 एकड़ जमीन घोटाला मामले में आरोपी पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की ओर से झारखंड हाई कोर्ट में दायर जमानत अर्जी पर हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। मामले में दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी हो गई। इसके बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं।

ईडी के वकील एसवी राजू ने हेमंत सोरेन ने अनधिकृत रूप से बड़गाईं अंचल के 8.86 एकड़ जमीन पर कब्जा कर रखा है, जो पीएमएलए 2002 में निहित प्रावधानों के तहत मनी लाउंड्रिंग है। ईडी ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन काफी प्रभावशाली शख्स हैं और स्टेट मिशनरी का यूज करते हुए उन्होंने खुद को बचाने के तमाम प्रयास किए थे। जमानत मिलने पर सोरेन की ओर से राज्य मशीनरी का दुरुपयोग करके जांच को बाधित करने का प्रयास कर सकते हैं।

बड़गाईं स्थित जमीन पर बैंक्वेट हॉल बनाने की योजना थी। आर्किटेक विनोद सिंह ने नक्शा बना कर हेमंत सोरेन के मोबाइल पर भेजा था। साथ ही विनोद ने सर्वे के दौरान बड़गाईं स्थित जमीन की पहचान की थी। राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद पर भी हेमंत सोरेन की मदद की थी। भानु प्रताप प्रसाद ने अपने बयान में भी यह स्वीकार किया है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से मिले निर्देश पर उसने बड़गाईं स्थित जमीन का विस्तृत ब्योरा तैयार कर उपलब्ध कराया था। हिलेरियस कच्छप ने भी हेमंत सोरेन को इस जमीन पर अवैध कब्जा करने में मदद की थी। संबंधित जमीन पर हिलेरियस ने ही अपने नाम पर बिजली का कनेक्शन लिया था। साथ ही 8.86 एकड़ की इस जमीन की पत्थर से घेराबंदी भी करायी थी।

वहीं हेमंत सोरेन की ओर सुप्रीम कोर्ट की वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा की ओर से कहा गया कि इसमें मनी लॉन्ड्रिंग का मामला नहीं बनता है। राजनीतिक प्रतिशोध का मामला है और यह जांच एजेंसी यानी प्रवर्तन निदेशालय का दुरुपयोग केंद्र सरकार के द्वारा किया गया दुर्भावनापूर्ण अभियोजन है। विनोद सिंह के व्हाट्सएप चैट में जिस 8.86 जमीन पर बैंक्वेट हॉल की बात कही जा रही है, वह उस जमीन का नहीं है। यह केवल ईडी का अनुमान भर है। हेमंत की वकील ने कोर्ट में कहा कि बड़गाई की जमीन ना तो मेरी है, ना तो मेरा उसपर पजेशन है।

बता दें कि हेमंत सोरेन बड़गाई अंचल जमीन घोटाले के आरोप में 31 जनवरी से जेल में बंद है। मामले में ईडी ने जांच पूरी करते हुए 30 मार्च को हेमंत सोरेन समेत 5 के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। इसके अलावा जीमेल नेता अंतू तिर्की सहित 10 आरोपियों पर पूरक आरोप पत्र भी बीते दिनों अदालत में दायर हो चुका है। मामले में हेमंत सोरेन सहित 11 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

देवघर रोपवे हादसा मामले में कार्रवाई कर कोर्ट को सूचित करने का आदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

फाइल फोटो

रांची। देवघर रोपवे हादसे में सरकार की ओर से अब तक कार्रवाई नहीं किए जाने पर गुरुवार को हाईकोर्ट ने नाराजगी जतायी और पर्यटन सचिव को अदालत में यथाशीघ्र हाजिर होने का निर्देश दिया। कोर्ट के आदेश के बाद पर्यटन सचिव मनोज कुमार अदालत में हाजिर हुए। इसके बाद जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की अदालत ने सचिव से पूछा कि इस मामले में सरकार ढुलमुल रवैया क्यों अपना रही है। जांच रिपोर्ट के बाद कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

सचिव ने बताया कि इस मामले पर 26 जून को बैठक प्रस्तावित है। इस पर अदालत ने सचिव को 26 जून के पहले बैठक कर निर्णय लेकर कोर्ट को सूचित करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 26 जून को होगी। अप्रैल 2022 में देवघर के त्रिकुट पर्वत पर रोपवे हादसा हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। हाईकोर्ट ने इस पर स्वतः संज्ञान लिया था और मामले की सुनवाई कर रहा है।

पिछली सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से जांच रिपोर्ट पर निर्णय लेने के लिए समय की मांग की गई थी। महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया था कि लोकसभा चुनाव के बाद जांच रिपोर्ट के आधार पर कंपनी पर निर्णय लिया जाएगा। राज्य सरकार ने बताया था कि त्रिकूट पर्वत पर रोपवे का संचालन करने वाली दामोदर रोपवे इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को पूर्व में शो कॉज नोटिस जारी किया गया है। कंपनी से पूछा गया था कि क्यों नहीं, उसको काली सूची में डाल दिया जाए। उसकी ओर से जवाब आ गया है। कोर्ट को आश्वस्त किया गया था कि जल्द ही कंपनी को काली सूची में डालने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

पीजीटी : सात विषयों में नियुक्ति की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में प्रचंड गर्मी के बावजूद विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों की संख्या में अभ्यर्थी राजभवन के समक्ष पीजीटी के शेष सात विषयों (हिंदी, गणित, अंग्रेजी, संस्कृत, वाणिज्य ,अर्थशास्त्र और इतिहास) में नियुक्ति को लेकर अनिश्चितकालीन धरना मैं बैठे हैं। बीते वर्ष फरवरी 2023 में कुल 11 विषयों के लिए पीजीटी नियुक्ति परीक्षा के लिए विज्ञापन जारी हुआ था। ऑनलाइन परीक्षा का संचालन अगस्त-सितंबर में पूरा कर लिया गया। इसके बाद 11 में से चार विषयों की नियुक्ति 7 मार्च 2024 को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के हाथों से प्रदान कर दी गई। यह एक विडंबना ही है कि एक विज्ञापन होने के बावजूद 11 में से चार विषयों के अभ्यर्थी आज विद्यालय में पदस्थापित हैं और शेष सात विषयों के अभ्यर्थी धरना देने को विवश हैं।

प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने बताया कि वे कई माह से नियुक्ति के लिए आला अधिकारियों एवं नेता गणों से संपर्क साध रहे हैं। सभी ने आचार संहिता समाप्त होने के बाद तत्काल नियुक्ति की बात कही थी जो पूरी नहीं हुई। उनकी यह मांग है, कि तत्काल मेरिट लिस्ट जारी करते हुए 20 जून तक सभी सात विषयों के सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाए।

तीन आईएस अधिकारी का स्थानांतरण, भू-राजस्व विभाग से हटाये गये मनीष रंजन

चंद्रशेखर बने भू-राजस्व सचिव, अरवा राजकमल को नगर विकास सचिव का प्रभार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के तीन पदाधिकारियों का स्थानांतरण पदस्थापन किया है। सचिव राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग झारखंड रांची के पद पर पदस्थापित मनीष रंजन को हटा दिया गया है। वह राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव साथ-साथ भवन निर्माण विभाग तथा प्रबंध निदेशक झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड, रांची के अतिरिक्त प्रभार में भी थे। उन्हें अगले आदेश तक सचिव भवन निर्माण विभाग के पद पर नियुक्त एवं पदस्थापित किया गया है। श्री रंजन अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ प्रबंध निदेशक झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड रांची के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे।

वहीं, नगर विकास सचिव, अतिरिक्त प्रभार प्रबंध निदेशक जुडको तथा प्रबंध निदेशक ग्रेटर रांची विकास एजेंसी, चंद्रशेखर को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक सचिव राजस्व निबंधन भूमि सुधार विभाग, रांची के पद पर नियुक्ति एवं पद स्थापित किया गया है। इनके अलावा मुख्यमंत्री के सचिव झारखंड स्थानिक आयुक्त झारखंड भवन नई दिल्ली अरवा राजकमल को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ सचिव नगर विकास एवं आवास विभाग झारखंड, रांची तथा प्रबंध निदेशक जुडको तथा प्रबंध निदेशक ग्रेटर रांची विकास एजेंसी को भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. इस संबंध में कार्मिक प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

झारखंड में खदानों के 3403 लीजधारकों की लीज अवधि खत्म

445 लीजधारकों में सिर्फ 765 ही हैं कार्यरत

रांची। झारखंड में खदानों के 3403 लीजधारकों की लीज की अवधि समाप्त हो गयी है। खान विभाग में मेजर व माइनर मिनरल और कोयला खदानों के लिए 4445 लीजधारकों को लीज दिया था। वर्तमान में राज्य में सिर्फ 765 लीजधारक ही कार्यरत हैं, जबकि नॉनवर्किंग लीजधारकों की संख्या 276 है। वहीं, कोयला खदान में 53 लीजधारकों की लीज खत्म हो गयी है।

साहिबगंज में माइनर मिनरल की 327 लीज खत्म : साहिबगंज में सबसे अधिक माइनर मिनरल खदानों (पत्थर सहित अन्य छोटे खनिज) के लीजधारकों की लीज खत्म हो गयी है। इस जिले में 327 लीजधारकों की लीज खत्म हुई है। इसके बाद पाकुड़ में 293 लीज खत्म हुई हैं। वहीं कुल 10 जिलों में 100 से अधिक लीजधारकों की लीज खत्म हो गयी है।

राज्य के 28945 शिक्षकों को एक बार फिर से मिलेगा टैब

जेईपीसी ने निकाला टेंडर, जुलाई में टैब देने की तैयारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के सरकारी शिक्षकों को एक बार फिर से टैब देने की तैयारी शुरू कर दी गयी है। इसके लिये झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् की ओर से पिछले दिनों टेंडर निकाला गया था, जिसकी प्रक्रिया अब शुरू कर दी गयी है। टेंडर के अनुसार शिक्षकों को अगले महीने के अंत तक टैब देना है। इसके तहत प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत 28,945 शिक्षकों को टैब दिया जायेगा। बता दें कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण इसे फाइनल नहीं किया जा रहा था। अब आदर्श आचार संहिता खत्म होने के बाद इसे शीघ्र फाइनल किए जाने की उम्मीद है। शिक्षकों को टैब देने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 में ही 10 हजार रुपये की दर से 28.94 करोड़ रुपये राज्य सरकार को दिए थे।

टैब से नहीं हटा था पूर्व सीएम की वीडियो

केंद्र का आदेश है कि राज्य सरकार चाहे तो इसमें अतिरिक्त राशि वहन कर सकती है। इसके बाद राज्य सरकार ने प्रति टैब के लिए अतिरिक्त पांच हजार रुपये देने का निर्णय लिया। बताते चलें कि पिछली रघुवर सरकार में भी शिक्षकों को टैब दिए गए थे। इनमें ज्यादातर खराब हो चुके हैं। सरकार बदलने के बाद भी पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के वीडियो आने पर इसपर काफी विवाद हुआ था। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने टैब से इस वीडियो को हटाने के लिए भी कंपनियों से संपर्क किया था। इसमें यह बात सामने आई थी कि वीडियो हटाने पर अधिक राशि खर्च होगी। इस कारण टैब से वीडियो हटाया नहीं जा सका।

कार्यालय :– जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा।

मत्स्य बीज उत्पादकों/मत्स्य कृषकों के लिए आवश्यक सूचना

जिले के सभी मत्स्य बीज उत्पादकों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए तालाबों/नर्सरियों में मत्स्य स्पॉन संचयन का समय प्रारंभ हो चुका है। अतएव सभी मत्स्य मित्रों को निदेश दिया जाता है कि अपने–अपने कार्यक्षेत्र में उपस्थित बीज उत्पादकों को इस हेतु जागरूक कर स्पॉन संचयन कराना सुनिश्चित करें। ज्ञातव्य हो कि स्पॉन में 90 प्रतिशत सरकारी अनुदान एवं 10 प्रतिशत लाभुक अंशदान है। स्पॉन के साथ 2000/–रू0 का फीड एवं 2000/–रू0 का Fry Catching Net भी उपलब्ध कराया जाना है। अतएव निम्नलिखित प्रपत्र में माँग कार्यालय में समर्पित करें :–

क्रम	मत्स्य बीज उत्पादक का नाम एवं पता	तालाब का नाम एवं पता	जलक्षेत्र	स्पॉन की माँग (लाख में)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6

जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा।

PR 326270 (Fish) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,लघु सिंचाई प्रमंडल,गुमला

ई० निविदा आमंत्रण सूचना

ई० निविदा संख्या–WRD/MID/GUMLA/ F_2-01/2024-25 दिनांक – 12.06.2024

1. ई– निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का नाम एवं पता– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला।
2. ई निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का मोबाईल नं0 :– 0651–2214784 मो0 8986890345
3. वेबसाईट में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय :– 15.06.2024 (अपराह्न 02:00 बजे से)
4. वेबसाईट में ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 01.07.2024 (अपराह्न 05:00 बजे तक)
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 03.07.2024 (अपराह्न 02:00 बजे)

क0	योजना का नाम	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधी
1	2	3	4	5	6	7
1	साखु नाला पर चेकडैम निर्माण।	डुमरी	65,34,200.00	1,30,700.00	10,000.00	11 माह
2	पारस नाला पर चेकडैम निर्माण ।	डुमरी	59,31,100.00	1,18,700.00	10,000.00	11 माह
3	बहमनि झरिया नाला पर चेकडैम निर्माण ।	चैनपुर	66,95,100.00	1,34,000.00	10,000.00	11 माह
4	किरतोटोली ढोढा नाला पर चेकडैम निर्माण ।	चैनपुर	64,76,000.00	1,29,600.00	10,000.00	11 माह
5	डुमरटोली नाला पर चेकडैम निर्माण ।	P.A.E.जारी	62,88,900.00	1,25,800.00	10,000.00	11 माह
6	बर नाला पर चेकडैम निर्माण ।	P.A.E.जारी	54,58,400.00	1,09,200.00	10,000.00	11 माह
7	रामपुर नाला में चेकडैम निर्माण ।	कामडारा	58,41,000.00	1,16,900.00	10,000.00	11 माह
8	बाटालोया नाला में चेकडैम निर्माण ।	बसिया	53,55,000.00	1,07,100.00	10,000.00	11 माह
9	बानागुडु नाला में चेकडैम निर्माण ।	बसिया	50,26,000.00	1,00,600.00	10,000.00	11 माह
10	सलगी नदी पर एकल चेकडैम निर्माण ।	घाघरा	89,39,700.00	1,78,800.00	10,000.00	11 माह
11	पारला बगीचा नाला पर चेकडैम निर्माण ।	घाघरा	55,25,400.00	1,10,600.00	10,000.00	11 माह
12	सुधा नदी पर चेकडैम निर्माण ।	विशुनपुर	79,85,000.00	1,59,700.00	10,000.00	11 माह
13	जिरहुल नाला 2 पर एकल चेकडैम निर्माण ।	भरनो	64,41,600.00	1,28,900.00	10,000.00	11 माह
14	समशेरा नाला पर एकल चेकडैम निर्माण ।	भरनो	63,37,800.00	1,26,800.00	10,000.00	11 माह
15	सालम नवाटोली नाला पर चेकडैम निर्माण ।	विशुनपुर	58,05,500.00	1,16,200.00	10,000.00	11 माह
16	रांगे नदी पर चेकडैम निर्माण ।	विशुनपुर	87,39,500.00	1,74,800.00	10,000.00	11 माह
17	कोंसा सरनाटोली नाला में श्रृंखलाबद्व चेकडैम निर्माण	कामडारा	1,44,55,000.00	2,89,100.00	10,000.00	11 माह
18	रामतोल्या जक्या टोली नाला में श्रृंखलाबद्व चेकडैम निर्माण	कामडारा	1,33,27,000.00	2,66,600.00	10,000.00	11 माह

(1) केवल ई० निविदा ही स्वीकार की जायेगी।
(2) निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा ही स्वीकार्य होगी।
(3) निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संबंधित निविदादाता की होगी ।
(4) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विपत्र की राशि के अनुसार होगी ।
(5) राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अद्यतन आदेश/परिपत्र लागु होगें ।
(6) विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट– http://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल,गुमला

PR 326226 Minor Irrigation(24-25).D

प्रदेश राजद का प्रतिनिधिमंडल नवनिर्वाचित विधायक कल्पना सोरेन से मिला, बधाई दी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रदेश राजद का एक प्रतिनिधिमंडल पार्टी के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव के नेतृत्व में गुरुवार को नवनिर्वाचित विधायक कल्पना सोरेन से उनके आवास पर मुलकात कर कोटिश बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुलाकात के दौरान सामान्य रूप से राजनीतिक चर्चा भी हुआ। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि कल्पना सोरेन की राजनीति में कदम रखने से काफी कम दिनों में अप्रत्याशित लोकप्रियता बढ़ी है। इनके मेहनत और सकारात्मक लगन के कारण राज्य में इंडिया गठबंधन ने 5 लोकसभा सीट दर्ज किया है और स्वयं अपने भी गांडेय विधानसभा से जीत दर्ज कर मजबूत परिचय दिया है। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधायक सह प्रधान महासचिव संजय प्र यादव, प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव, मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, महासचिव आबिद अली, महासचिव डॉ. अरुण कुमार, सचिव रामकुमार यादव, प्रणय कु बबलू, पलामू जिला अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा, हंसराज यादव शामिल थे।

सीएम से मिले विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी

सिमडेगा में हर घर जल नल योजना में गड़बड़ी की जांच का किया आग्रह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से गुरूवार को झारखंड मंत्रालय में कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री को उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से सिमडेगा जिले में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल नल योजना के क्रियान्वयन में गड़बड़ी की जांच किये जाने तथा वंचित परिवारों को जल जीवन मिशन योजना से जोड़ने का आग्रह किया है। मौके पर मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को मद्देनजर रखते हुये इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा यथोचित कार्रवाई किये जाने का आश्वासन उन्हें दिया है।

मुख्यमंत्री ने जनहित से जुड़ी योजनाओं को लेकर वरीय अधिकारियों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

जरूरतमंदों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : सीएम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएम चम्पई सोरेन ने कहा है कि राज्य के गरीब और जरूरतमंदों को जनहित से जुड़ी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। ऐसे में नई योजनाओं की कार्ययोजना तैयार की जा रही है । इन योजनाओं के मार्फत लाभुकों को कई और सुविधाएं और रियायत दी जायेगी। मुख्यमंत्री गुरूवार को स्वास्थ्य विभाग, ऊर्जा विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की नई योजनाओं को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने विभागों से कहा कि जो भी नई योजनायें शुरू की जानी है, इसका प्रस्ताव जल्द से जल्द तैयार करें। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड योजना से वंचित लोगों को भी इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये स्वास्थ्य विभाग करे पहल। 125 यूनिट यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना का बढ़ेगा दायरा, ऊर्जा विभाग को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश। रसोई गैस सिलेंडर पर भी लाभुकों को राज्य सरकार की ओर से रियायत देने की योजना का प्रस्ताव खाद्य एवं आपूर्ति विभाग तैयार करे। राज्य की अधिकतम महिलाओं को पेंशन देने की दिशा में सरकार बना रही योजना। समाज कल्याण विभाग को प्रपोजल बनाने का निर्देश।

बैठक में मुख्य सचिव एल खियांगते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह,वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, खाद्य आपूर्ति विभाग के सचिव अमिताभ कौशल, योजना एवं वित्त विभाग के सचिव एमआर मीणा, समाज कल्याण विभाग के सचिव मनोज कुमार और झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कॉरपोरेशन के एमडी अबू इमरान उपस्थित थे।

16 को जमशेदपुर में फ्लाईओवर का करेंगे शिलान्यास

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 16 जून को जमशेदपुर में फ्लाईओवर निर्माण का शिलान्यास करेंगे। इसे लेकर मानगो स्थित गांधी मैदान में शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को डीसी अनन्य मित्तल सहित अन्य अफसरों ने तैयारी का जायजा लिया। बताते चलें कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसका शिलान्यास किया था, लेकिन निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ था। अब चंपाई सोरेन के शिलान्यास के बाद निर्माण आरंभ हो जायेगा।

बिजली बिल अब नहीं करेगा परेशान

जेबीवीएनएल ने जारी किया ऑफिशियल व्हाट्एप नंबर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने ऑफिशियल व्हाट्एप नंबर जारी किया है। इस नंबर के जरिए कंज्यूमर न केवल फर्जीवाड़ा से बचेंगे, बल्कि उन्हें बिलिंग और शिकायत करने संबंधी सुविधाएं प्राप्त होंगी। जेबीवीएनएल के निदेशक वितरण एवं परियोजना केके वर्मा के अनुसार, वर्तमान में बाजार में जेबीवीएनएल के नाम पर बहुत सारा फजीर्वाड़ा हो रहा है। इससे कई कंज्यूमर को चूना लगाया जा रहा है। जिसकी शिकायतें लगातार जेबीवीएनएल और संबंधित थाने में आ रही हैं। इसे देखते हुए जेबीवीएनएल ने अपना आधिकारिक व्हाट्एप नंबर जारी किया है।

इस तरह कर सकते हैं अपने मोबाइल में एक्टिव : आम कंज्यूमर व्हाट्एप नंबर 94311-35503 को अपने मोबाइल में सेव करके उसमें हाय लिखते ही वह एक्टिव हो जाएगा। कंज्यूमर क्यूआर कोड पर स्कैन भी कर सकते हैं। इसके बाद सारी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। कंज्यूमर के मोबाइल में यह एक्टिव होते ही भाषा चयन का ऑप्शन आएगा। भाषा चयन करते ही इसपर करेंट बिजली बिल का स्टेट्स, कंप्लेन रजिस्टर, अप्लीकेशन रिलेटेड अन्य सर्विस का ऑप्शन आएगा। इस तरह कंज्यूमर इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। फिलहाल इसे एक लाख कंज्यूमर के लिए जारी किया गया है। बहुत जल्द इसे पूरे झारखंड के कंज्यूमर के लिए जारी कर दिया जाएगा।

शेखर कुशवाहा को भेजा गया जेल, रिमांड पर फैसला आज

रांची। जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा को गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पीएमएलए की विशेष कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के दौरान एजेंसी के अधिवक्ता ने कोर्ट से शेखर कुशवाहा को रिमांड पर लेकर पूछताछ की अनुमति मांगी। इसका बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने विरोध किया। कोर्ट ने शेखर कुशवाहा को जेल भेजा दिया। वहीं कोर्ट रिमांड पर शुक्रवार को फैसला सुनायेगा। मालूम हो कि बुधवार की देर शाम ईडी ने रांची के जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा को गिरफ्तार किया था।

अधिकारियों के साथ ट्रैफिक व्यवस्था से संबंधित कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा

सिरमटोली-मेकॉन फ्लाइओवर का निर्माण हर हाल में सितंबर तक पूरा करें: मुख्यमंत्री

यातायात नियंत्रण राज्य सरकार की प्राथमिकता

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने गुरूवार को झारखंड मंत्रालय में फ्लाई ओवर ब्रिज, रांची तथा अन्य शहरों के ट्रैफिक व्यवस्था से सम्बंधित पथ निर्माण विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने सिरमटोली से मेकॉन तक बनने वाले फ्लाईओवर निर्माण कार्य सितंबर के अंत तक पूरा कर लेने का निर्देश पदाधिकारियों दिया। उन्होंने कहा कि सिरमटोली फ्लाई ओवर रांची शहर की ट्रैफिक समस्या को नियंत्रित करने का एक बेहतर विकल्प है। इस फ्लाई ओवर पर निर्माण कार्य में किसी प्रकार से विलंब नही होना चाहिये। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार चाहती है कि रांची शहर वासियों को जल्द से जल्द ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलायी जाये।

उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में यातायात नियंत्रण हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

केबुल स्टे पुल निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा

मुख्यमंत्री के समक्ष पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सिरमटोली से मेकॉन तक बनने वाले फ्लाईओवर के कार्य प्रगति की अद्यतन जानकारी रखी। उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि सिरमटोली से मेकॉन तक बन रहे फ्लाईओवर निर्माण कार्य में दो स्थान पर केबुल स्टे पुल बनना है, इस निमित्त रेलवे से सहयोग मांगा गया है। केबुल स्टे पुल बनने वाले दो स्थानों को छोड़कर लगभग सभी कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। केबुल स्टे पुल निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ हो सके, इसके लिए रांची रेल मंडल के डीआरएम ने पूर्ण रूप से सहयोग देने की बात कही है। रेलवे विभाग से निर्देश प्राप्त होते ही अतिरिक्त मानवबल लगाकर केबुल स्टे पुल निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

मौके पर रांची रेल मंडल के डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि राज्य सरकार एवं रांची रेल मंडल द्वारा आपसी समन्वय स्थापित कर जिन दो जगहों पर केबुल स्टे पुल बनाया जाना है, वहां निर्माण कार्य सितंबर माह तक पूर्ण हो सके, इस निमित्त नियमसंगत प्रावधानों के अनुसार सभी प्रक्रियाएं की जा रही है। जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ हो सकेगा।

जानकारी दी कि मुख्य डाकघर डोरंडा के अधीन लगभग 4 डिसमिल जमीन की उपयोगिता

12 फ्लाईओवर बनाने की तैयारी

विभागीय अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पूरे राज्य में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 12 फ्लाईओवर का निर्माण किये जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। सरायकेला में 2 और दुमका में एक फ्लाईओवर बनाया जायेगा। वहीं बाकी सभी फ्लाईओवर रांची में बनाये जाने का प्रस्ताव है। विभाग द्वारा इस योजना का पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन भी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बैठक में मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, डीआरएम रांची रेल मंडल जसमीत सिंह बिंद्रा, सहायक डाक महा अध्यक्ष रूपक कुमार सिन्हा, केके लाल, मुख्य अभियंता यातायात मनोहर कुमार सहित पथ निर्माण विभाग के अन्य पदाधिकारीगण तथा एलएंडटी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

फ्लाईओवर निर्माण में होगी। इसके लिये पोस्ट मास्टर जनरल के साथ वार्ता हुई है। उन्होंने विभाग को हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिया है। डाक विभाग द्वारा चार डिसमिल जमीन देने के बदले राज्य सरकार उन्हें दूसरी जगह पर जमीन उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने पोस्ट मास्टर जनरल एवं राज्य सरकार के अधिकारियों से कहा कि डाक विभाग और पथ निर्माण विभाग आपसी समन्वय बनाकर इस समस्या का जल्द समाधान कर लें। इंटरनल रिंग रोड के तीन खंड पहले से निर्मित हैं। बाकी निर्माण कार्य के लिए डीपीआर बनाने की प्रक्रिया प्रगति पर है।

चार दिनी रांची दौरे पर आज आयेंगे संजय सेठ स्थानीय और सेना के कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारत सरकार में रक्षा राज्य मंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद संजय सेठ चार दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को रांची आ रहे हैं। रक्षा राज्य मंत्री श्री सेठ आज शुक्रवार को दोपहर में रांची पहुंच जायेंगे। यहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इस दौरान विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। परमवीर अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। उसके बाद दीपाटोली स्थित सैनिक छावनी परिषद के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। शनिवार को रक्षा राज्यमंत्री ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। वहां विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। रविवार को श्री सेठ रांची शहर में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में भाग लेंगे। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के द्वारा आयोजित अभिनंदन और संवाद कार्यक्रम में भी केंद्रीय मंत्री भाग लेंगे। सोमवार को सिल्ली के विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे और फिर दोपहर को नई दिल्ली के लिए रवाना हो जायेंगे। यह जानकारी संजय पोद्दार ने दी है।

अंतू तिर्की समेत 10 के खिलाफ चार्जशीट पर कोर्ट का संज्ञान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से जुड़े भूमि घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने जिन दस आरोपियों के खिलाफ पिछले दिनों चार्जशीट दाखिल की है। उसपर ईडी की विशेष कोर्ट ने गुरुवार को संज्ञान ले लिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिये 27 जून की तारीख मुकर्रर की है। ईडी ने जिन आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। उनमें नेता अंतु तिर्की, राजस्व विभाग के कर्मचारी मनोज कुमार यादव, कोलकाता के रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के दो कर्मचारी तापस घोष, संजीत कुमार, हजारीबाग कोर्ट में डीड राइटर मो इरशाद के अलावा प्रिय रंजन सहाय, विपिन सिंह, इरशाद अख्तर, अफसर अली उर्फ अफसू खान और सद्दाम हुसैन शामिल हैं ईडी ने अपनी चार्जशीट में इस बात का उल्लेख किया है कि बड़गाईं में हेमंत सोरेन के कब्जे वाली 8.86 एकड़ जमीन के दो प्लॉट के फर्जी दस्तावेज बनाये गये थे। फॉरेंसिक रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि हुई है।

सभी 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी लोकहित अधिकार पार्टी : रोशन लाल गुप्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। लोकहित अधिकार पार्टी की एक प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक मोरहाबादी में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू एवं संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष सह राँची लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी हरिनाथ साहू ने किया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशन लाल गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महासचिव सतीश गाँधी मौजूद थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी पहली बार लोकसभा चुनाव लड़कर 62,136 वोट प्राप्त की। अब झारखण्ड के सभी 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू के कुशल नेतृत्व में पार्टी का संगठन विस्तार बहुत तेजी से हो रहा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के वोट प्रतिशत में सिर्फ अप्रत्याशित वृद्धि ही नहीं होगी बल्कि झारखण्ड में पार्टी कई सीटों पर जीत भी दर्ज करेगी। इस मौके पर अजहर आलम प्रदेश उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सेल और सीसीएल को एनएलयू में मौलिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जवाब मांगा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने सेल और सीसीएल को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू) को विश्वविद्यालय में सहयोग करने को कहा है और अपने निर्णय से अदालत को अवगत कराने का निर्देश दिया है। ज़ेडा और बिजली विभाग को भी विश्वविद्यालय की बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश जस्टिस आर मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने गुरुवार को बार एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

मामले की अगली सुनवाई 25 जून को होगी। यूनिवर्सिटी ने कॉलेज की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह अदालत से किया है। पिछली सुनवाई में सेल की ओर से अदालत को बताया गया था कि विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कोई आवेदन नहीं दिया गया है। विश्वविद्यालय की ओर से जब कोई आवेदन आएगा तो सीएसआर के तहत अधिकारी से इंस्ट्रक्शन लेकर अदालत को जानकारी दी जाएगी। वही सीसीएल की ओर से भी बताया गया कि उन्हें किसी भी प्रकार की कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि सोलर पैनल जो विश्वविद्यालय में लगाया गया है, वह खराब हो गया है।

सांसद महुआ माजी ने किया बड़ा तलाब का निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा की राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने लोगों की समस्याओं को देखते हुए गुरुवार को बड़ा तालाब का निरीक्षण किया और उससे उठ रहे दुर्गंध और उसकी गंदगी को देखते हुए मौके पर रांची के उपायुक्त से टेलिफोनिक वार्ता करके जल्द से जल्द इस समस्या के निराकरण हेतु कहा। उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि नगर निगम की मदद से इसे जल्द ठीक करा दिया जाएगा। इस निरीक्षण में सांसद के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा के उपाध्यक्ष वीरू तिर्की, पूर्व संयुक्त सचिव अरुण वर्मा, नंद किशोर सिंह चंदेल, छात्र मोर्चा उपाध्यक्ष अमन ठाकुर सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

सांसद दीपक प्रकाश ने भी दूषित बड़ा तालाब का लिया जायजा

रांची में दिनदहाड़े लूट, जेवर दुकान को बनाया निशाना और लाखों की ज्वेलरी लेकर फरार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में डकैती और लूट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहा है। हथियारों से लैश अपराधियों ने गुरुवार को दोपहर में पंडरा थाना क्षेत्र के बाजरा स्थित पंचवटी ज्वेलर्स में लूट की घटना को अंजाम दिया।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर तीन की संख्या में हथियारबंद अपराधी अचानक पंचवटी ज्वेलर्स पहुंचे और दुकानदार को अपने कब्जे में लेकर लाखों के गहने लूट कर फरार हो गए। तीनों अपराधी हथियार से लैस थे। अपराधियों ने दुकान के मालिक को अपने कब्जे में लिया और दुकान में जो भी गहने नजर आए उसे लूट कर फरार हो गए। जेवर दुकानदार के अनुसार लाखों के गहनों की लूट हुई है, स्टॉक मिलाने के बाद ही कितना जेवर अपराधी ले गए यह पता चल पाएगा।

जांच में जुटी पुलिस : पंडरा थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय ने बताया कि वह गवाही देने के लिए राजधानी से बाहर आए हुए हैं, लूट की सूचना मिली है जिसके बाद पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि मुझे जो सूचना मिली है उसके तहत पंचवटी जेवलर्स दुकान में तीन की संख्या में आए अपराधियों के द्वारा लूट की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस घटना के बाद अपराधियों को पकड़ने की कार्रवाई कर रही है।

शहर की नाकेबंदी कर चेकिंग शुरू : जेवर दुकान में लूट की सूचना मिलते ही पुलिस ने पूरे शहर में लुटेरों को पकड़ने के लिए सघन चेकिंग अभियान शुरू कर अपराधियों को पकड़ने में जुट गयी है। इधर घटना के बाद जेवर दुकानदार ने पुलिस को बताया है कि तीनों अपराधी एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर आये थे और लूट की घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गये। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। देर शाम तक किसी भी अपराधी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

लूट की घटना प्रशासन की विफलता, अपराधी गिरफ्तार नहीं हुए तो सोना चांदी व्यवसाय समिति करेगा आंदोलन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सोना चांदी व्यवसाय समिति ने गुरुवार को आईटीआई बस स्टैंड के बाजरा स्थित पंचवटी ज्वेलर्स हुई लूट की घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए निंदा की है। समिति के सदस्य संतोष सोनी ने कहा है कि दिन दहाड़े अपराधियों द्वारा लूट की घटना का अंजाम दिया जा रहा हे और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। घटना के कई घंटे बित जाने के बाद भी पुलिस अपराधियों को गिरफ्तार करने में विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा है कि इस लूट की घटना में अपराधियों ने लगभग 80 से 90 लाख रुपये की जेवरात लूट ली है।

समिति ने प्रशासन से इस घटना में शामिल अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। समिति ने कहा है कि यदि 72 घंटा के अंदर अपराधी गिरफ्तार नहीं होते हैं तो सोना चांदी व्यवसाय समिति उग्र आंदोलन करेगी। समिति का कहना है कि अपराधी राजधानी में इतने बेखौफ हो गये है कि ट्रिपल लोड होकर बिना नंबर के पल्सर गाड़ी से पिस्तौल लेकर आते है और घटना को अंजाम देकर फरार हो जाते है। समिति ने कहा है कि राजधानी होने के कारण शहर के सभी चौक-चौराहों पर जांच के लिए ट्रैफिक पुलिस के जवान तैनात रहते है उसके बावजूद अपराधी घटना को अंजाम देकर फरार हो जा रहे है। अपराधियों को अभी तक पकड़ा नहीं जाना संदेह को बल दे रहा है। समिति ने यह भी कहा है कि आज से दो-तीन महीना पहले यहां से दो-तीन किलोमीटर के अंतराल पर दिन दहाडे गोल्ड प्लाजा नामक दुकान में भी डकैती हुई थी। इसके बावजूद आज तक अपराधियों को पकड़ने में पुलिस विफल रही है। प्रशासन अगर अपराधियों को जल्द नहीं पकड़ती है समिति बाध्य होकर आंदोलन करने में करने में कोताही नहीं बरतेगी।

सरसों तेल से लदे पिकअप वैन को लूटकर भागने वाले लूटेरे गिरफ्तार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जिले के चान्हो थाना क्षेत्र के कटैया मोड़ के पास बीते 30 मई को अपराधी सरसों तेल से लदी पिकअप वैन लूटकर फरार हो गये थे। इस मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चतरा से मो. शहंशाह नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं इस घटना में शामिल मजहर और अमन अंसारी नाम का अपराधी फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार आरोपी के पास पुलिस ने लूटा हुए पिकअप वैन को बरामद किया है। इसकी जानकारी गुरुवार की शाम सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने मीडिया को दी है।

ज्ञात हो कि पिकअप वैन (जेएच 01सीवाई- 0673) का चालक असगर अंसारी 220 पेटी सलोनी तेल लेकर रांची के पंडरा बाजार से चंदवा जा रहा था। सरसों का तेल उसे चंदवा के दुकानदार हरीलाल को देना था। पंडरा से चंदवा जाने के दौरान चालक कटैया के पास गन्ना जूस पीने रुका था, तभी एक बाइक से तीन हथियारबंद अपराधी मौके पर पहुंचे और चालक को कब्जे में ले लिया। इस दौरान दो अपराधी पिकअप वैन के अंदर बैठ गए, जबकि एक बाइक को ड्राइव करते हुए उनके साथ चल रहा था। चामा जंगल पहुंचने के बाद अपराधियों ने पिकअप वैन से चालक को उतार दिया और गाड़ी लेकर फरार हो गए थे।

रांची विवि में इसी सत्र से शरू होगी दो वर्षीय पार्ट टाइम एग्जीक्यूटिव एमबीए की पढ़ाई

13-27 जून 2024 तक मिलेंगे नामांकन फार्म, जुलाई के दूसरे सप्ताह में जारी होगा मेरिट लिस्ट

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची विवि में अब, इसी सत्र से दो वर्षीय पार्ट टाइम एग्जीक्यूटिव एमबीए की पढ़ाई होगी। विवि के के वीसी डॉ अजीत कुमार सिन्हा के अथक प्रयास ,संकल्प, मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में विवि में दो वर्षीय एग्जीक्यूटिव एमबीए (पार्ट टाइम) कोर्स के सत्र 2024-26 के लिये नामांकन फार्म उपलब्ध हो गया है। दाखिले का फार्म 13-27 जून तक मिलेगा। वहीं नामांकन के लिये चयनित उम्मीदवारों की सूची जुलाई के दूसरे सप्ताह में जारी की जायेगी। विवि की ओर से इस कोर्स के बारे में विस्तार से सारी जानकारियां दी गयी है।

इस कोर्स में क्या है खास : इस कोर्स में 60 सीटें हैं, यह कोर्स दो वर्ष में चार सेमेस्टर में यह कोर्स पूरा होगा। यह कोर्स सीबीसीएस (च्वाइस बेस्ट क्रेडिट सिस्टम) के आधार पर संचालित होगा। इसमें प्रवेश के लिये किसी भी आवेदक को नामांकन के समय तक अपने क्षेत्र में तीन साल तक फुलटाइम कार्य का अनुभव होना आवश्यक है। आवेदक का किसी भी संकाय से ऑनर्स या सभी विषयों से 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक होना आवश्यक होगा। वहीं झारखंड के आवेदकों में

एसटी/एससी के लिये जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण प्रस्तुत करने पर अंकों में पांच प्रतिशत की छूट होगी।

इस कोर्स में फी प्रति समेस्टर 50,000 रुपये रखी गयी है। आवेदक को नामांकन के समय अपने विभाग से नो ऑब्जेक्ट सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना होगा, तभी इस कोर्स में नामांकन ले सकेंगे। आवेदक के सभी अकादमिक प्रमाण पत्र राज्य या केंद्र सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त बोर्ड, कॉलेज, संस्थान तथा विश्वविद्यालय से होने चाहिये। अगर कोई आवेदक अपने प्रमाणपत्रों को राज्य या केंद्र के मान्यताप्राप्त शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के समकक्ष बताता है, तो यह आवेदक की जिम्मेवारी होगी कि वह प्रमाण के लिये स्वयं सभी आवश्यक कागजातों को उपलब्ध कराये। साथ ही ओपन युनिवर्सिटी या दुरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राप्त प्रमाणपत्र डिस्टेंस एजुकेशन काउंसिल से मान्यता प्राप्त होने चाहिये, अन्यथा उन्हें स्वीकार नहीं किया जायेगा।

इस कोर्स में ऐसे मिलेगा दाखिला : इस 2-वर्षीय एग्जीक्यूटिव एमबीए कोर्स में प्रवेश कैट मैट, जैट, सीमैट, और एटीएमए, पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड, संबंधित कार्य अनुभव और व्यक्तिगत साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर होगा। संस्थान समय-समय पर अकादमिक परिषद की अनुमति से सिलेबस और परीक्षाओं के शिड्यूल को संशोधित कर सकता है। इस दो वर्षीय एग्जीक्यूटिव एमबीए कोर्स का उद्देश्य पेशेवरों और अनुभवी नौकरी पेशा लोगों को अपने प्रबंधकीय कौशल को और सुधारना, रचनात्मक बनाने का अवसर उपलब्ध कराना है। अधिक जानकारी के लिए रांची विश्वविद्यालय की वेबसाइट रांची यूनिवर्सिटी डॉट एसी डॉ इन को विजिट कर सकते हैं।

ओबीसी का आरक्षण बढ़ाये जाने पर मोर्चा ने खड़े किये सवाल

ओबीसी का आरक्षण 27 फीसदी करने का स्वागत, 50 फीसदी की मांग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार द्वारा राज्य में एक बार फिर ओबीसी का आरक्षण 14 से बढ़कर 27% करने की कवायद शुरू किये जाने पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य राजेंद्र प्रसाद सवाल खड़ा किया है।

उन्होंने कहा है कि यह मामला फिर से न्यायालय में फंसेगा। राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि तमिलनाडु के मामले में न्यायालय का यह मानना है कि आबादी के अनुसार आरक्षण मिल सकता है। लेकिन आबादी से ज्यादा आरक्षण देना असंवैधानिक होगा। झारखण्ड सरकार का ओबीसी को 27% एसटी को 28%और एससी को 12% आरक्षण देने का प्रस्ताव है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य ने कहा कि आबादी से ज्यादा आरक्षण हो नहीं सकता है। झारखण्ड में अनुसूचित जनजाति की आबादी जनगणना के अनुसार 26.3 प्रतिशत है। चुकी नौवी अनुसूची में शामिल कराने को लेकर ओबीसी, एससी-एसटी तीनों का एक साथ प्रस्ताव सरकार भेज रही है। ऐसे में मामला न्यायालय में जाएगा और न्यायालय इसकी समीक्षा करेगा तब ओबीसी आरक्षण लटकाना तय है।

रांची। झारखंड सरकार की ओर से राज्य में ओबीसी का आरक्षण 14% से 27% बढ़ाने की कवायद हो रही है।

राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा सरकार के इस प्रस्ताव का स्वागत किया है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि ओबीसी का आरक्षण राज्य में लागू होने में काफी देर हो गया है। बावजूद इसके राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा स्वागत के साथ-साथ पूर्व (वर्ष

2020) में किए गए राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अनुसंशा 36 से 50% आरक्षण लागू करने की मांग करता है या फिर 50% की, जो सीमा रेखा हटाकर जिस तरह से एससी एसटी और ईडब्ल्यूएस को जनसंख्या अनुपात में आरक्षण राज्य में प्राप्त हो गया है। ओबीसी को भी उसके जनसंख्या अनुपात में राज्य में 50% आरक्षण मिलनी चाहिए।

राजेन्द्र प्रसाद ने सरकार को सलाह दी है कि यदि सचमुच में पिछड़ों को आरक्षण को बढ़ाना चाहती है, तो पिछड़ों की आबादी के अनुसार जो राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का अनुशंसा 7.9 .2020 को भेजी गई है।

उसी के आधार पर ओबीसी को कम से कम 36% और यदि सरकार चाहे तो 50% तक आरक्षण देने के लिए नौवीं अनुसूची में शामिल कराने का प्रस्ताव अलग से भेजे या अपने स्तर से सर्वेक्षण रिपोर्ट मंगा कर सरकार से खुद से आरक्षण दे।

खबर | एक नजर में

सीआइपी के 28 विद्यार्थियों को मिला जॉब ऑफर लेटर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ पोलिटेक्निक के 28 विद्यार्थियों के बीच गुरुवार को सामूहिक रूप से जॉब ऑफर लेटर का वितरण किया गया। इन विद्यार्थियों का कैंपस सेलेक्शन अलग अलग तीन कंपनियों ने किया है। कैंब्रिज ग्रुप के चीफ एडमिन्स्ट्रेटिव (फाइनेंस) प्रो रशिका नवनीत सिंह,डिप्टी रजिस्ट्रार मनीष नाथ, प्रभारी प्राचार्य प्रो भोला नाथ घोष ने संयुक्त रूप से विद्यार्थियों को ऑफर लेटर सौंपा। प्रो इंचार्ज ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डॉ के पी दत्ता ने बताया कि मैकेनिकल ब्रांच के 14 व इलेक्ट्रिकल ब्रांच के 14 विद्यार्थियों का कैंपस चयन तीन अलग अलग कंपनियों बैंको प्रोडक्ट्स इंडिया प्रा लि, मगमा आटोमेटिव, व सुब्रोस लिमिटेड ने किया है। विद्यार्थियों का जॉब लोकेशन गुजरात, पुणे व नोएडा में होगा।

दत्ता ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को शुरूआती दौर में 2.5 से 3 लाख का सालाना पैकेज मिलेगा। बताते चलें कि संस्थान के कंप्यूटर इंजीनियरिंग ब्रांच के सभी विद्यार्थियों का कैंपस चयन हो चूका है। मौके पर प्रो दीपक कुमार वर्मा, टीएनपी कोर्डिनेटर प्रो चन्दन कुमार व अन्य शिक्षक मुख्य रूप से उपस्थित थे। सीआईटी के सचिव नवनीत सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी है।

स्कूलों में चल रहा भाषा सर्वेक्षण कार्य

कुरमाली भाषा के साथ हो रहा सौतेला व्यवहार : डॉ राजाराम महतो

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य के पूर्वी क्षेत्र में रांची जिला के सभी स्कूलों में, सराईकेला-खरसावां जिला के सभी स्कूलों में, पूर्वी सिंहभुम और पश्चिम सिंहभूम के सभी प्राथमिक स्कूलों में, गोड्डा के स्कूलों में, जामताड़ा के स्कूलों में, धनबाद के स्कूलों में, बोकारो के स्कूल में, हजारीबागों के स्कूल में, रामगढ़ के स्कूलों में कुरमाली भाषा का शिक्षकों का नियुक्त किया जाना है। कुरमाली भाषा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सदस्य सलाहकार समिति राष्ट्रीय पुस्तकालय संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के डॉक्टर राजाराम महतो ने उपायुक्त को पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए कहा कि झारखंड राज्य के सभी सरकारी विद्यालय में भाषा सर्वेक्षण का कार्य जारी है। सोनाहातु, सिल्ली, राहे, बुंडू, तमाड़ एवं ईचागढ़ सभी जाति वर्ग के लोगों का कुरमाली भाषा का बहुल क्षेत्र माना जाता है।

इन क्षेत्रों के सभी सरकारी विद्यालयों में कुरमाली भाषा के बच्चे की संख्या अधिक उपस्थिति दर्ज रहती है। इन क्षेत्रों में सभी जाति वर्ग के लोग कुरमाली की भाषा बोलते है जबकि क्षेत्रीय भाषाओं के लिए राज्य मैं शिक्षकों की बहाली होनी है, लेकिन साजिश के तहत कुरमाली भाषा का उपस्थिति शून्य बताए जा रहा है जो कि सरासर गलत है।

सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से अपील है कि पुनः सही सर्वेक्षण कार्य कर सरकार को रिपोर्ट भेजें। यदि पुनः सर्वेक्षण कार्य नहीं करने पर कुरमाली भाषियों द्वारा जोरदार आंदोलन किया जायेगा। जिसका जिम्मेदार प्रखंड शिक्षा विभाग की होगी।

बड़ा तालाब के अस्तित्व पर संकट, राजधानी की जनता बिजली-पानी के लिए त्रस्त : जनसेवा मंच

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी में लोग पानी की कि ल्लत और बिजली कि आँख मिचौली से परेशान है। कई क्षेत्रों में पानी की बेहद कि ल्लत है। बड़ा तालाब से दुर्गंध आ रही है। नदी तालाब सूख रहें है। इस सभी सम्मस्याओं को लेकर गुरूवार को जनसेवा मंच के सदस्यों ने ललित ओझा के नेतृत्व मे बड़ा तालाब के पास प्रदर्शन किया। इस मौके पर में मुख्य रूप से मुनचुन राय,अशोक पुरोहित , निशांत यादव, सुजीत सिंह, डॉक्टर पूजा, ललित ओझा, पूनम सिंह, किरणदेवी, रोहित पांडेय, अंकित सिंह,अमर कुमार, अमन जयसवाल, नीरज यादव, प्रेम सिंह, सुनील बर्नवाल, कृष्णा विश्वकर्मा, अरविंद गुप्ता, अमरजीत नीलमणि, सुमित पांडे, राजीव चौबे, राहुल शर्मा सहित स्थानीय लोग शामिल थे।

बड़ा तालाब को लेकर आशुतोष एवं अवधेश ने सौंपा ज्ञापन

रांची। सामाजिक कार्यकर्ता आशुतोष द्विवेदी एवं अवधेश ठाकुर ने गुरूवार को रांची नगर निगम के नगर आयुक्त अमित कुमार से उनके कक्ष में मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर आशुतोष द्विवेदी एवं अवधेश ठाकुर ने नगर आयुक्त को कहा कि पिछले कई दिनों से रांची के ऐतिहासिक बड़ा तालाब का पानी सड़ जाने के कारण पूरे इलाके के लोगों का बदबू से जीना बेहाल है।रांची का केंद्र के रूप में विकसित होने के बावजूद भी बड़ा तालाब की स्थिति में कोई बदलाव देखने को नहीं मिल पाया है। इस अवसर पर नगर निगम के नगर आयुक्त ने मांग को जायज बताते हुए जल्द जल्द दूषित पानी को हार्वेस्टिंग कर पूरे तालाब में पड़े कूड़े कचड़े को साफ करने का आश्वासन दिया।

रक्तवीर सम्मान से सम्मानित किये गये पत्रकार आदिल रशीद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सक्रिय स्वैच्छिक रक्तदान संगठन लहू बोलेगा संस्था के द्वार गुरुवार को विश्व रक्तदाता दिवस के पूर्व संध्या पर रक्तवीर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सदर अस्पताल के सामने सत्य भारती हॉल में किया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉक्टर सैयद इकबाल ने किया। और संचालन लहू बोलेगा संस्था के संयोजक नदीम खान ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन हिदायतुल्लाह खान एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची एसडीओ उत्कर्ष कुमार, रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, एदारा ए शरिया झारखंड के नाजिम आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी, जमीयत उलेमा झारखंड के महासचिव मौलाना डॉक्टर असगर मिस्बाही थे। इस कार्यक्रम में रक्तदान करने वाले पत्रकार आदिल रशीद को रक्तवीर सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉक्टर मुजफ्फर हुसैन, मो कामरान, इमरान अंसारी, साजिद उमर, काजी मसूद मौजूद थे।

सरकारी आदेश की अवहेलना, खुला था डॉन बास्को स्कूल, डीसी के निर्देश पर 17 तक बंद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में गर्मी को लेकर शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को 15 जून तक बंद करने का आदेश जारी किया है। लेकिन रांची के कोकर स्थित डॉन बॉस्को स्कूल ने इस आदेश को ताक पर रखकर स्कूल खोल दिया। इसकी शिकायत जब डीसी रांची से की गयी तो उन्होंने स्कूल प्रबंधन से अविलंब स्कूल बंद करने को कहा। इसके बाद स्कूल प्रबंधन ने 17 जून तक स्कूल को बंद कर दिया। बताते चलें कि गुरुवार को भीषण गर्मी में भी डॉन बॉस्को स्कूल के पढ़ाई कर रहे थे। मामले की जानकारी ली गयी तो पता चला की यूकेजी से कक्षा आठवीं तक के छात्रों का प्रीयोडिक टेस्ट चल रहा है। स्कूल द्वारा जारी टेस्ट शिड्यूल के अनुसार, टेस्ट के बाद सुबह 8.45 तक छात्र घर जा सकते हैं। शिड्यूल में 13 से 15 जून तक टेस्ट होना तय था। दोपहर में डीसी के निर्देश के स्कूल को बंद कर दिया गया।

फॅमिली नाइट में लायंस क्लब के सदस्यों ने की मस्ती

खबर मन्त्र संवाददाता

फोटो लायंस के नाम से संजीव मे

रांची। लायंस क्लब ऑफ की ओर से गुरूवार को फॅमिली नाईट का आयोजन किया गया।

इस मौके पर सिमलजीत कौर के नेतृत्व में रंगा रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। पंजाब का भंगड़ा नृत्य रेहत कौर, मेहर कौर और आश्रित कौर ने सुन्दर अंदाज में पेश करके दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। पूर्व अध्यक्ष डा ० देवेंद्र सिंह ने 1960 के दशक के रोमांटिक गाना पुकारता चला हूँ मैं गली गली बहार की .. को अनोखे अंदाज में गाकर मोहित कर दिया।

इसे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन अध्यक्ष परविंदरजीत सिंह, पूर्व अध्यक्ष मण्डली डा० हरमिंदर बीर सिंह , डा ० टी पी वर्णवाल और अजय अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर के किया। मौके पर लावण्या ने गणेश वंदना की। धन्यवाद् ज्ञापन डा० हरमिंदर बीर सिंह ने किया।

कोचिंग संस्थानों को तत्काल बंद करने का आदेश दे सरकार : आलोक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने सूबे के मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री और शिक्षा सचिव से भीषण गर्मी को देखते हुए बच्चों के हित में तत्काल संज्ञान लेने का आग्रह किया है। उन्होंने झारखंड के सभी कोचिंग संस्थानों में तत्काल प्रभाव से बच्चों की कक्षाएं तबतक स्थगित करने का अनुरोध किया है, जबतक मॉनसून नहीं आ जाता है। आलोक दुबे ने कहा है कि पूरा राज्य भीषण गर्मी की चपेट में है। पारा 42 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। घर में भी बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की स्थिति खराब है। सरकार के आदेश पर राज्यभर के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में केजी से 12वीं तक की कक्षाएं स्थगित हैं। सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालय भी बंद हैं। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि लगभग सभी कोचिंग संस्थान निहित स्वार्थ में बच्चों की जान जोखिम में डालकर उनकी कक्षाएं जारी रखे हुए हैं। उन्होंने झारखंड सरकार से तत्काल संज्ञान लेते हुए सभी कोचिंग संस्थानों में भी शैक्षणिक गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने का आदेश पारित करने का आग्रह किया है।

संत जेवियर्स कॉलेज में एनसीसी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम में कुल 40 कैडेटों ने भाग लिया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सेंट जेवियर्स कॉलेज मे गुरूवार को एनसीसी सर्कुलर इकोनॉमी के 7 आरएस पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस मौके पर एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. प्रिया श्रीवास्तव ने अपशिष्ट को कम करने में 7 आरएस की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम में कुल 40 कैडेटों ने भाग लिया। सत्र में रिड्यूस, रियूज, रिपेयर, रिबिल्ट, रिफर्बिश्ड, रिसाइकल्ड और रिसोल्ड के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला गया, जिससे कैडेटों को अपने दैनिक जीवन में इन प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम ने कैडेटों को पर्यावरण संरक्षण अपनाने और सर्कुलर इकोनॉमी के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया।

स्पीड न्यूज

हरातू पंचायत के सामूहिक विकास का लिया संकल्प

सिकिदिरी। पंचायत सचिवालय हेसातू में गुरूवार को ग्राम पंचायत समन्वय समिति ;जेपीसीसीद्ध की बैठक मुखिया अनिता बारला की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पंचायत के विकास कार्यो पर चर्चा की गई। मुखिया ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की विकास व कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पंचायत के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करना है। इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। इस मौके पर सभी लोगों ने पंचायत का विकास समेकित रूप से ईमानदारी पूर्वक करने का सामूहिक संकल्प लिया। निर्णय हुआ कि प्रत्येक माह की 4 तारीख को जेपीसीसी की बैठक आयोजित कर अद्यतन स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व मुखिया राजेश पाहनए नरेश बेदियाए किशोर बेदियाए अनिकेत बेदियाए टीआरआई के अमरदीप प्रमाणिकए संगीता देवीए पार्वती कुमारी आदि उपस्थित थे।

बीसीकेयू सीटू ने बंद की दी चेतावनी

खलारी। बीसीकेयू के नेता और जेबीकेएसएस के केन्द्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो के बीच सीसीएल से वार्ता के पांच छः महीने बीत जाने के बाद भी सीसीएल प्रबंधन के तरफ से कोई पहल नही। जिसके चलते बिहार कोलियरी कामगार यूनियन ;सीटूद्ध के सीसीएल जोनल उपाध्यक्ष रतिया गंझु ने केडीएच परियोजना पदाधिकारी को पत्र देकर 20 जून से केडीएच खदान के काम को अनिश्चितकालीन बंद कराने का निर्णय लिया। बताना चाहते है कि बिहार कोलियरी कामगार यूनियन सीटू के द्वारा लगातार 120 दिनों तक विश्रामपुर के खतीयानी रैयतों का सीसीएल की केडीएच परियोजना खदान से सटे जामुनदोहर में खतीयानी रैयतों का नौकरी और मुआवजा को लेकर धरना दिया गया था। रैयतों का कहना है कि हमलोग के घर के पास से हमेशा जहरीला गैस निकलता रहता है और हमेशा भूधासान होता रहता है। कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है लेकिन सीसीएल प्रबंधन को इसकी कोई परवाह नहीं सिर्फ कोयला निकालने से मतलब है। इन सभी मुद्दों को दरकिनार करते हुए प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा।

झूलन के साथ बुढ़मू में मंडा पर्व संपन्न

बुढ़मू। झूलन सह मेला के साथ गुरुवार को बुढ़मू में मंडा पर्व संपन्न हो गया। गांव के पाहन ने मंडा खूंटा का पूजा करने के बाद पट्टभक्ता हरिचरण लोहरा ने मंडा खूंटा में झूलकर झूलन की शुरूआत कीण 500 से अधिक भक्ता ने झुलते हुए श्रद्धालूओं पर श्रद्धा के फूल बरसाए। इसके पूर्व भाजपा नेता कमलेश राम व कमेटी के पदाधिकारियों ने स्टेज का उद्घाटन कियाए मेला को संबोधित करते हुए कमलेश राम ने कहा कि मंडा पर्व झारखंड की शान हैए स्थानीय पर्वए मेला और संस्कृति से झारखंड की एक अलग पहचान पूरे देश में हैए मेला में उमड़ी भीड़ ने कलाकारों के नृत्य संगीत का भरपूर आनंद उठायाए मेला में मिठाई की भरपूर बिक्री हुई। बच्चों के कई तरह के झूला लगाए गए थे।

अबुआ आवास निर्माण के लिए घर के जर्जर छत तुड़वाने के कण में हादसा

छत के मलबे में दब कर एक छात्र की मौत, दूसरा घायल

दर्दनाक हादसा

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के तुको दिघिया पहान टोली में गुरुवार की अपराह्न करीब 4.00 बजे घर के छत के मलबे में दबने से एक 12 वर्षीय छात्र तनवीर हुसैन पिता शमशाद हुसैन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि 13 वर्षीय छात्र अल्तमस हुसैन पिता शहाबुद्दीन हुसैन गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद आसपास के लोगों ने मलबे में दबे दोनों छात्रों की सूचना बेड़ो पुलिस प्रशासन को दिया गया। इसके बाद थाना प्रभारी नकुल साह ने सशस्त्र बल के साथ घटनास्थल पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से मलबे में दबे छात्रों को निकालकर इलाज के लिए बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाएं। जहां 12 वर्षीय छात्र तनवीर हुसैन को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल छात्र अल्तमश हुसैन को प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। इधर घटना के संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार दिघिया पहान टोली निवासी 13 वर्षीय घायल अल्तमस हुसैन के पिता शहाबुद्दीन हुसैन के नाम से अबूआ आवास योजना स्वीकृत हुई है और वे अपने घर के जर्जर छत को तोड़वा रहा था। इसी दौरान घर के नीचे खेल रहे दोनों मासूम छात्रों के ऊपर छत का मलवा गिर गया। जिससे तनवीर हुसैन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गईए जबकि दूसरा बच्चा अल्तमस हुसैन गंभीर रूप से घायल हो गया। इधर घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक शिल्पी नेहा तिर्की बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर घटना के बारे में जानकारी देते हुए मृतक तनवीर हुसैन के परिजनों को ढांढस बांधते हुए गंभीर रूप से घायल छात्र अल्तमस हुसैन के परिजनों को इलाज हेतु मदद करने का आश्वासन किया। वही पीड़ित परिवार का हर संभव मदद हेतु हम तात्पर्य हैंए परिजनों को किसी भी तरह की समस्या हो तो वे तत्काल मुझसे संपर्क करेंए समस्या का समाधान किया जाएगा। वही घटना के बाद बेड़ो पुलिस ने सीएचसी बेड़ो से मृतक 12 वर्षीय तनवीर हुसैन के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स दिया। मृतक छात्र तनवीर हुसैन कक्षा 4 तथा घायल छात्र अल्तमस हुसैन कक्षा 6 में आरसी सेंट जॉन मध्य विद्यालय दिघिया में पढ़ाई करते थे।

घटना के बाद बेड़ो सीएचसी के बाहर लगी भीड़ और इनसट में घायल बच्चा।

चान्हो : करंट लगने से घायल बिजली मिस्त्री की इलाज के दौरान मौत

चान्हो। बिजली मरम्मत करते हुए करंट लगने से करकट निवासी पचपन वर्षीय बिगलु उरांव की गुरुवार को रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह लगभग आठ बजे बिगलू गांव में लगे ट्रांसफर्मर का लाइन काट कर बिजली मरम्मत करने पोल पर चढ़े थे। इसी बीच करंट लगने से झटका खाकर पोल से करीब 20 फीट नीचे गिर गए। सिर के बल गिरने से गंभीर रूप से जख्मी हुए बिगलो उरांव को तत्काल मांडर मिशन स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया। गुरुवार की शाम उनकी मौत की सूचना पर पूर्व डीडीसी परमेश्वर भगत करकट गांव पहुंचे और अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने परिजनों को ढाढ़स भी बंधाया और कहा बिगलू की सेवा व्यर्थ नहीं जाएगी इनके परिवार के भरन पोषण के लिए विभाग से मांग करेंगे।

सिमलिया से महिला का अपहरण, रेप की आशंका

चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के सिमलिया नयाटोली से 30 मई की शाम करीब 3 बजे 28 वर्षीया विवाहिता और दो बच्चे की मां का अपहरण कर लिये जाने का मामला प्रकाश में आया है। उसके पति ने एक जून को रातू थाने में गुमसुदगी का सनहा दर्ज कराया था। खोजबीन के बाद उसका कोई पता नहीं चला। अल्वता उसे बहला-फुसला कर भगा ले जाने की बात सामने आने पर उन्होंने गुरुवार की शाम चार युवकों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराते हुये पत्नी के साथ रेप की आशंका जतायी है। आरोपियों में अमन चौधरी व रितेश कुमार तथा नयाटोली स्थित आईसक्रीम फैक्ट्री में काम करने वाले पवन कुमार उर्फ उत्तम व अभिषेक चौधरी शामिल हैं। पुलिस इसकी जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि जल्द ही महिला को बरामद कर लिया जाएगा।

जानें क्या है मामला

आरोपी और खाद गड़हा निवासी अमन चौधरी व रितेश कुमार का उक्त महिला से पुरानी जान-पहचान तीनों के बीच आये दिन टेलीफोनिक बातचीत की सूचना है। आईसक्रीम फैक्ट्री के कर्मचारी पवन और अभिषेक से भी अच्छे संबंध होने की बात सामने आ रही है। घटना के बाद से दोनों फैक्ट्री नहीं आ रहे हैं। अमन व रितेश भी गायब हैं।

बिलख रहे हैं बच्चे

पीड़िता की शादी 9 साल पहले सामाजिक रीति-रिवाज के साथ हुई है। मां के अपहरण के बाद से उसकी पुत्री 5 वर्षीया पुत्री और 3 साल के पुत्र का रो-रोकर बुरा हाल है। इससे परिवार के लोग काफी परेशान हैं। बिलखते बच्चों को पड़ोसी भी ढाढस बंधा रहे हैं।

सरसों तेल की पेटी लूटकांड का आरोपी गिरफ्तार, वैन जब्त

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो। थाना क्षेत्र के बीजूपाड़ा के निकट 30 मई को एक पिकअप वैन से लगभग पांच लाख रुपये मूल्य के चुराए गए 220 पेटी सरसों तेल के मामले का खुलासा गुरुवार को चान्हो पुलिस ने कर लिया है। इस कांड के उद्भेदन हेतु पुलिस अधीक्षक रांची के निर्देश पर खलारी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया था जिसने इस कांड का उद्वेदन किया। पुलिस की छापेमारी टीम द्वारा इस कांड में संलिप्त एक अभियुक्त चतरा जिले के 24 वर्षीय मोहम्मद शहंशाह को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ किया था। पूछताछ के क्रम में उसने अपने साथी मोहम्मद मजहर उर्फ राजा, अमन अंसारी उर्फ सोनू और मोहम्मद वसीम के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की थी। साथ ही इन लोगों ने अपने दो अन्य साथियों मोहम्मद अंजर और मोहम्मद तालिब का भी इस घटना में हाथ होने की बात पुलिस को बताई थी गिरफ्तार मोहम्मद शहंशाह की निशानदेही पर लूट गए पिकअप वैन को भी पुलिस द्वारा बरामद कर लिया गया है। घटना को अंजाम देने वाले अन्य अभियुक्तों की तलाश पुलिस कर रही है। छापेमारी टीम में चान्हो के थाना प्रभारी अजीम अंसारी, एअसआई संजय कुमार सिंह शामिल थे।

काउंसिल ने अनुसूचित जनजाति आयोग को विभिन्न समस्याओं से कराया अवगत

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। एससी एसटी ओबीसी कॉर्डिनेशन काउंसिल ने क्षेत्र के विस्थापित एव मजदूरो की समस्याओं को अनुसूचित जनजाति आयोग के समक्ष उठाया है काउंसिल के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य आशा लकड़ा का रांची होटल बीएनआर चाणक्य में बुके देकर स्वागत किया।उंसके बाद राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग सदस्य आशा लकड़ा की अध्यक्षता में त्रिस्तरीय बैठक हुई। जिसमे एससी एसटी ओबीसी कॉन्सिलएसीसीएल प्रबंधन और एसटी आयोग के पदाधिकारी शामिल हुए।इस बैठक में एससी एसटी ओबीसी से जुड़े समस्या जैसे प्रमोशनएरोस्टर बैकलॉग और विस्थापन और जंगल झाड़ी के नौकरी को लेकर भी चर्चा हुआ जो 2018 से बन्द है उस पर आयोग के सदस्य को अवगत कराया गया। विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इस बैठक में काउंसिल के तरफ से कोल इंडिया अध्यक्ष बृजकिशोर पासवान कोल इंडिया उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन रामेश्वर भोगता हुसैन पिपरवार सचिव रतन लाल प्रेम कुमार दिलीप पासवान दिलीप गंझू आदि लोग शामिल हुए।

बिजली चोरी की खिलाफ मामला दर्ज

ठाकुरगांव। झारखंड राज्य बिजली निगम अपने अजीबोगरीब कारनामे करने के लिए मशहूर है। कांके सबस्टेशन की अभियंता अंजू केरकेट्टा के नेतृत्व में 12 जून को बुढ़मू प्रखंड के भांट बोड़या गांव में अवैध बिजली चोरी के विरूद्ध अभियान चलाया गया। जांच के क्रम में अवैध रूप से बिजली उपयोग करने के आरोप में माना महली, उषा देवी, बिजय कुमार, मटन महतो, मोहन महतो, बढ़न साहु व बालगोविंद साहु के विरुद्ध अभियंता अंजू केरकेट्टा ने विभिन्न धाराओं के तहत ठाकुरगांव थाना में मामला दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार इनमें से एक ग्रामीण बालगोविंद साहु की मौत विगत लगभग 20 वर्ष पूर्व हो गई है। विभाग द्वारा मृत ग्रामीण के विरुद्ध मामला दर्ज होने से ग्रामीणों में विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं मामले पर न्यू कैपिटल रांची के एक्सक्यूटिव अभियंता अजय कुमार ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है।

एक नजर में

नदी में ओबी गिराकर ट्रांसपोर्टिंग का विरोध

खलारी। सामुदायिक भवन राय में ग्रामीणों की बैठक की गई। बैठक में राय सफी नदी पुल में सीसीएल प्रबंधन के द्वारा ओबी गिरा कर ट्रांसपोर्टिंग किया जा रहा है। ओबी गिराने के संबध में 7 जून को प्रबंधन को दिया गया था। प्रबंधन जल्द से जल्द सभी नदी को साफ किया जाए। ट्रांसपोर्टिंग रोड में जो रैयत की जमीन गई है उन रैयत को आरसीएम साइडिंग में प्राइवेट कंपनियों में रोजगार दिया जाए। रैयतों का कहना है कि आरसीएम आरसीएम साइडिंग खुलने से यहां के ग्रामीणों को रोजगार मिलेगी पर अभी तक किसी भी प्रकार का रोजगार राय के लोगों को नहीं मिला। साइडिंग से गिरने वाला सलेरी और उड़ने वाली धूल रैयत का खेत में भी प्रभावित हो रही है। सीसीएल के द्वारा अभी तक उसे पर किसी प्रकार का कार्य नहीं किया गया। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। इसी संबध में ग्रामीणों ने 15 जून को बंदी को सफल बनाने को लेकर के बैठक किया गया। मौके पर दुर्गा महतो दीपक कुमार महतो हरीश कुमार विजय कुमार संदीप कुमार प्रकाश कुमार विकास कुमार संतोष महतो सरवन मद्रासी लखन महतो तुलसी महतों गुदा महतो कालेश्वर महतो संतोष प्रजापति संजय कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

सिकिदिरी : चंदा एकत्र कर ग्रामीणों ने करायी ईदगाह की जमीन की ढलाई

खबर मन्त्र संवाददाता

सिकिदिरी। सिकिदिरी के कुटे गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को चंदा एकत्र कर कुटे स्थित क्षेत्र के मरकजी ईदगाह की जमीन की ढलाई की। तहरीक-ए-नौजवान ईदगाह कमेटी के संरक्षक सह पंस सदस्य अमीर हमजा अंसारी, अध्यक्ष इब्राहिम खान, सचिव इसराफिल अंसारी, कोषाध्यक्ष नूरहसन अंसारी के नेतृत्व में कुटे गांव की महिला, पुरुषएयुवा व बुजुर्गों ने संयुक्त रूप से एक ही दिन में पूरे ईदगाह की जमीन की ढलाई कर दी ।पंसस अमीर हमजा अंसारी ने बताया कि इस ईदगाह में करीब दर्जन भर गांवों के लोग ईद और ईद-उल-अजहा की विशेष नमाज अदा करते हैं। जमीन की ढलाई नहीं होने से नमाजियों को नमाज पढ़ने में काफी परेशानी होती थी। इसी को देखते हुए तहरीक-ए-नौजवान कमेटी के पदाधिकारियों ने ईदगाह की जमीन की ढलाई करने का बीड़ा उठाया ।कमेटी के अनुसार ईदगाह का सुंदरीकरण का कार्य भी शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। ढलाई कार्य में वार्ड सदस्य नाजिया परवीन, अशरफ खान, आमिर रजा, इमामुद्दीन खान, इसराइल अंसारी, जुबैर अंसारी, मो जान तौसीफ अंसारी, शेख अनवर, मुर्शीद खान, तौसीफ आलम, तनवीर अहमद रजा, सुहैल अंसारी, यासिन खान, अली इमाम अंसारी, शेख साजुद्दीन खुर्शीद आलम शामिल थे।

खलारी बैंक चौक रोड में बीओआई के बीसी केंद्र का हुआ उद्घाटन

खलारी। खलारी बैंक चौक स्थित खलारी स्टेशन रोड बैंक ऑफ इंडिया का बीसी का उद्घाटन किया गया। बीसी केंद्र का उद्घाटन बैंक आफ इंडिया मैनेजर आराधना गुप्ता द्वारा फीता काट कर किया गया। प्रज्ञा केंद्र के संचालक अमजद अली ने बताया कि हमारे प्रज्ञा केंद्र में बैंक ऑफ इंडिया के सारी सर्विस दिया जाएगा। बैंकिंग सेवा फ्लाइट टिकट ट्रेन टिकट एटीएम से पैसे निकालने की सुविधा व पैन कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस पहचान पत्र पासपोर्ट व अन्य सुविधा ग्राहकों के लिए सुविधा उपलब्ध रहेगी। मौके पर मोहम्मद सदीक पंकज कुमार रजत कुमार संजय कुमार राजेंद्र रजक सलमान अंसारी इमरान अंसारी जावेद अंसारी इजराइल अंसारी नसीम अंसारी मौजूद थे।

कार्यालय :– जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा।

आवेदन आमंत्रण (आम सूचना)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभागीय स्वीकृत्यादेश सं0 04 रा0 (वि0) दिनांक 30.05.2024 के द्वारा तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यो हेतु लाभुकों से आवेदन पत्र आमंत्रित की जाती है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है–

क0 सं0	योजना का नाम	भौतिक लक्ष्य	योजना ईकाई हेतु अनुदान की राशि	लाभुक का अंशदान	अभ्युक्ति
1	सामान्य नाव (सं0 में)	16	30000/– (प्रति नाव)	3000/– (प्रति नाव)	
2	वर्ष–2019–20 के पूर्व तक निर्मित केज के लिए ग्रो आउट नेट (सं0 में)	30	22650/– (प्रति इकाई)	7550/– (प्रति इकाई)	अनुदान 75%
3	मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के लिए मोटर चालित नाव (सं0 में)	2	372600/– (प्रति इकाई)	41400/– (प्रति इकाई)	अनुदान 90%
4	केज हाउस अधिष्ठापन (सं0 में)	2	540900/– (प्रति केज हाउस)	60100/– (प्रति केज हाउस)	अनुदान 90%
5	केज रिपेयरिंग (सं0 में)	10	25000/– (प्रति केज)	10000/– (प्रति केज)	
6	पुराने रिवराईन फिश फार्मिंग (ईकाई में)	40	25000/– (प्रति यूनिट)	–	
7	मत्स्यजीवी सहयोग समितियों/ सदस्यों के लिए गिल नेट (अधिकतम 05 कि0ग्रा0)	27	2655/– (प्रति लाभुक)	295/– (प्रति लाभुक)	अनुदान 90%
8	नया रिवराईन फिश फार्मिंग (ईकाई में) (40 मीटर x 05 मीटर)	10	86000/– (प्रति 40 मी0 x 05 मी0)	–	
9	मछली–सह–बत्तख पालन (यूनिट में)	06	122680/– (अ0ज0जा0, अ0ज0 एवं महिला कोटि)	30670/–	अनुदान 80%
			107345/– (अन्य कोटि)	46005/–	अनुदान 70%
10	तालाबों में मत्स्य पालन से आच्छादन (एकड़ में)	650	1875/– (अधिकतम)	–	
11	2mm अथवा इससे छोटे फ्लोटिंग फीड का क्रय (टन में)	80	17500/– अधिकतम (700 कि0ग्रा0)	–	
12	झास्कोफिश/विभागीय फिश फीड मिल/PMMSY अन्तर्गत निर्मित फिश फीड मिल से फ्लोटिंग फीड का क्रय (टन में)	165	25/–रू0 कि0ग्रा0	–	
13	2mm से बड़े 4mm तक के फ्लोटिंग फीड का क्रय	140	30000/– अधिकतम (1200 कि0ग्रा0)	–	
14	खदानों में केज कल्चर द्वारा मत्स्य पालन	02 बैट्री	322200/– (प्रति बैट्री)	35800 (प्रति बैट्री)	
15	खदानों में केज कल्चर हेतु नाव (सं0 में)	1	30000/–(प्रति नाव)	–	
16	खदानों में केज कल्चर हेतु लाईफ जैकेट (सं0 में)	2	1815/– (प्रति लाईफ जैकेट)	605 (प्रति लाईफ जैकेट)	

उपरोक्त योजनाओं के लिए इच्छुक लाभुकों से अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आवेदन पत्र दिनांक 13.07.2024 तक कार्यालय अवधि में आमंत्रित किये जाते है। विशेष जानकारी कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। क्रम सं0 3, 4, 5, 6, 8 एवं 14 के लाभुकों को अनुदान की राशि संबंधित बैंक में Escrow Account में DBT के माध्यम से हस्तांतरित की जायेगी तथा लाभुक अंशदान की राशि एक माह के अंदर उक्त खातें में जमा करना अनिवार्य होगा। लाभुक अंशदान राशि जमा करने के उपरांत ही योजना का लाभ दिया जायेगा। तत्पश्चात संपूर्ण राशि एजेंसी/आपूर्तिकर्ता के बैंक खाते में एक मुश्त हस्तांतरित की जायेगी। क्रमांक 10, 11 एवं 13 में लाभुकों का चयन "पहले आओ, पहलें पाओ" को आधार बना कर किया जायेगा। सभी योजनाओं में दिव्यांगों को 3% तक का लाभ दिया जायेगा।

PR 326273 Fish(24-25)D

जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा।

फ्लाई ऐश की ढुलाई पर हर हाल में लगे रोक

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। जानलेवा फ्लाई ऐश की ढुलाई पर रोक लगानेएअथवा बढ़ते वायु प्रदूषण के नियंत्रण पर भाजपा खलारी मंडल ने प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार को सौपा ज्ञापन। भाजपा मंडल के कार्यकताओं ने टंडवा एनटीपीसी से जानलेवा फ्लाई ऐश राख को ट्रकों व हाइवाए टेलर के माध्यम से ढुलाई लगातार टंडवा से हजारीबाग बिजुपाड़ा मुख्यपथ से किया जा रहा है। टंडवा एनटीपीसी से हाइवा व ट्रकों के माध्यम से बिना कोई बेरोकटोक होकर वायु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड धजिया उड़ाते कारोबार किया जा रहा है। इससे आकलन लगाया जा रहा है कि इस धंधा में प्रदूषण बोर्ड के बड़े अधिकारी राज्य सरकार बड़े नेता व माफियाओं के मिली भगत बिना जानलेवा फ्लाई ऐश (राख) का सप्लाई घनी आबादी वाले क्षेत्रों व ट्रकों हाइवा के माध्यम से सड़कों पर गिरते हुए नही जा सकते है। भजापा के शिकायत पर वायु प्रदूषण का हवाला देते हुए बताया कि फ्लाई ऐश के कारण सड़क दुर्घटना में वृद्धि हुई है। सीसीएल में रोहानी खलारी डकरा सुभाष नगर राय पिपरवार कीचटो बहेरा कल्याणपुर से मगध अम्रपाली परियोजना जाने वाले कामगार सामान्य राहकर्मी मजदूर जन सामान्य इसी सड़क से दो पहिया वाहन चार पहिया वाहन से सवारी करते हैं या पैदल चलते हैं। आस पास पड़ोस में निवास करने वाले भी धूल कण से परेशान है साथ ही त्वचा फेफड़ा स्वास संबंधित इन्फेक्शन से प्रभावित हो रहें हैं। ज्ञापन की प्रतिलिपि स्थानीय सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ स्थानीय विधायक समरीलाल केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नई दिल्ली मुख्य सचिव राज्य सरकार झारखंड को भेजा गया। मौके पर मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा वरिष्ठ नेता अरविंद सिंह खलारी केडी बाजार समिति अध्यक्ष शत्रुंजय सिंह मंडल कोषाध्यक्ष कृष्णा चौहान मंडल संयोजक रामसूरत यादव भरत प्रजापति तथा सुरेश साहू उपस्थित थे।

परीक्षा बना प्रहसन

केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित ह्यराष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा -स्नातक (नीट-यूजी), 2024 के 1,563 अभ्यर्थियों को कृपांक (ग्रेस मार्क) देने के फैसले को निरस्त कर दिया गया है और उन्हें 23 जून को पुनः परीक्षा देने का विकल्प मिलेगा। केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के वकीलों ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ को बताया कि जिन विद्यार्थियों को कृपांक दिए गए थे, उन्हें पुनः परीक्षा का विकल्प दिया जाएगा। वहीं न्यायालय ने कहा कि वह प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाएगा। केंद्र ने कहा कि यदि इन 1,563 छात्रों में से कोई परीक्षार्थी पुनः परीक्षा नहीं देना चाहता तो परिणाम में उसके मूल अंकों को शामिल किया जाएगा जिसमें कृपांक नहीं जोड़े जाएंगे। केंद्र ने न्यायालय को बताया कि पुनः परीक्षा का परिणाम 30 जून को घोषित किया जाएगा और एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग छह जुलाई को शुरू होगी। दलीलों पर गौर करते हुए पीठ ने कहा कि एडटेक फर्म फिजिक्स वाला के मुख्य कार्यकारी अलख पांडे समेत अन्य लोगों द्वारा कृपांक दिए जाने के मुद्दे पर दायर याचिका सहित सभी याचिकाओं पर 8 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। इनमें प्रश्नपत्र लीक होने और अन्य धांधली के आरोपों में नीट-यूजी 2024 परीक्षा को निरस्त करने के अनुरोध वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। एनटीए ने 5 मई को 4,750 केंद्रों पर नीट-यूजी की परीक्षा आयोजित की थी और करीब 24 लाख उम्मीदवारों ने इसमें हिस्सा लिया था। प्रश्नपत्र लीक होने जैसे आरोपों और 1,500 से अधिक परीक्षार्थियों को कृपांक दिए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और सात हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में मामले दायर किए गए।

भविष्य दांव पर

दरअसल, देश के विभिन्न राज्य भी इस परीक्षा प्रणाली को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। खासकर कोचिंग सेंटरों के खेल व अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते आरोप लगाये जाते हैं। मेडिकल, शिक्षा, न्याय, पुलिस सहित हर क्षेत्र में परीक्षा पत्र का लीक होना एक आम बात सी हो गयी है। प्रतिभा कराह रही है और भ्रष्टाचार का नंगा नाच हो रहा है। करोड़ों युवाओं का आत्मविश्वास ही कम हो गया है और भविष्य दांव पर लग गया है। देश में उत्तर और दक्षिण के साथ भेद भाव के आरोप लग रहें हैं। तमिलनाडु समेत दक्षिण भारत के कई राज्य आरोप लगाते रहे हैं कि राज्य की भाषा के छात्रों को नई परीक्षा प्रणाली से नुकसान उठाना पड़ रहा है। निश्चित रूप से जहां इस परीक्षा के पेपर लीक व ग्रेस मार्क्स में अनियमितताओं को लेकर उठे सवालों के समाधान तलाशने की जरूरत है, वहीं हिंदी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के परीक्षार्थियों के साथ न्याय होना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जब पूरे देश में हजारों छात्र पुनः परीक्षा कराने की मांग पर अड़े हैं और पूरे देश में इसके खिलाफ याचिकाएं दायर की जा रही हैं तो नीति-नियंताओं को मामले की तह तक जाना चाहिए। ऐसे में बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों को शत-प्रतिशत अंक मिलने तथा पंद्रह सौ छात्रों का अनुग्रह अंक पा जाना तार्किकता की कसौटी पर खरा नहीं उतरता। निस्संदेह, लाखों छात्रों के लिये परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था संदेह से मुक्त होनी चाहिए। परीक्षा की शुचिता बनाये रखने के लिये निष्पक्ष जांच जरूरी है। अन्यथा छात्रों का व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि इन्हीं अव्यवस्था व अनियमितताओं के चलते हर साल लाखों छात्र पढ़ाई व नौकरी के लिये लगातार विदेश जा रहे हैं। भारतीय प्रतिभाओं व धन का बाहर जाना देश के हित में कदापि नहीं हो सकता है।

ऋण का बोझ से वैश्विक अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी?

विश्व के समस्त नागरिकों एवं विभिन्न संस्थानों पर लगभग 320 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण है। कुल ऋण की उक्त राशि में विभिन्न देशों की सरकारों के ऋण एवं नागरिकों के व्यक्तिगत ऋण भी शामिल है। कई देशों को मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण पाने में बहुत कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, विकास करने का दबाव विभिन्न देशों की सरकारों पर है अतः सरकारों के साथ साथ व्यक्ति भी बहुत अधिक मात्रा में ऋण ले रहे हैं। परंतु, कितना ऋण प्रत्येक व्यक्ति अथवा सरकार पर होना चाहिए, इस विषय पर भी अब गम्भीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है।

आज विश्व की कुल जनसंख्या 810 करोड़ है और विश्व पर कुल ऋण की राशि 320 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है इस प्रकार औसत रूप से विश्व के प्रत्येक नागरिक पर 39,000 अमेरिकी डॉलर का ऋण बकाया है। 320 लाख करोड़ रुपये के ऋण की राशि में विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा लिया गया ऋण, व्यापार एवं उद्योग द्वारा लिया गया ऋण एवं व्यक्तियों द्वारा लिया गया ऋण शामिल है। पूरे विश्व में परिवारों/व्यक्तियों द्वारा 59 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया गया है। व्यापार एवं उद्योग द्वारा 164 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया गया है।

साथ ही, सरकारों द्वारा 97 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया गया है, ऋण की इस राशि में एक तिहाई हिस्सा विकासशील देशों की सरकारों द्वारा लिया गया ऋण भी शामिल है। सरकारों द्वारा लिए गए ऋण की राशि पर प्रतिवर्ष 84,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ब्याज का भुगतान किया जाता है। विश्व में प्रत्येक 3 देशों में से एक देश द्वारा कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च की गई राशि से अधिक राशि ऋण पर ब्याज के रूप में खर्च की जाती है। आकार में छोटी अर्थव्यवस्थाओं के लिए अधिक ऋण लेना सदैव ही बहुत जोखिमभरा निर्णय रहता आया है। पूरे विश्व में सकल घरेलू उत्पाद का आकार 109 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है जबकि ऋणराशि का आकार 320 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। इस प्रकार, एक तरह से आय की तुलना में खर्च की जा रही राशि बहुत अधिक है। इसे संतुलित किया जाना अब अति आवश्यक हो गया है अन्यथा कुछ ही समय में पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था चरमरा सकती है।

पूरे विश्व में लिए गए भारी भरकम राशि के ऋण के चलते अमीर वर्ग अधिक अमीर होता चला जा रहा है एवं गरीब वर्ग और अधिक गरीब होता चला जा रहा है। मुद्रा स्फीति का सबसे अधिक बुरा प्रभाव गरीब वर्ग पर ही पड़ता है। अमीर वर्ग (जिनकी सम्पत्ति 2 करोड़ 28 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक है), इनकी संख्या वर्ष 2023 में 5.1 प्रतिशत से बढ़ गई है और इनकी कुल सम्पत्ति 86.8 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गई है और यह भी 5 प्रतिशत की दर से बढ़ गई है। वर्ष 2020 के बाद से विश्व के 5 सबसे अधिक अमीर व्यक्तियों की संपत्ति दुगुनी हो गई है। साथ ही, वर्ष 2020 के बाद से विश्व के बिलिनायर की सम्पत्ति 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़ गई है। इन कारणों के चलते अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। जिस रफ्तार से विश्व में गरीबी कम हो रही है, इससे ध्यान में आता है कि इस धरा से गरीबी को हटाने में अभी 229 वर्ष का समय लगेगा। जैसे जैसे विश्व में विकास की दर तेज हो रही है अमीर व्यक्ति अधिक अमीर होते जा रहे हैं एवं गरीब व्यक्ति अधिक गरीब होते जा रहे हैं। आज से पहिले विश्व में कभी भी इतने अधिक अमीर नागरिक नहीं रहे हैं।

-पी सबनानी

> इसके अलावा 2018 में शीर्ष 1,000 विनिर्माण कंपनियों में से करीब 700 का प्रतिफल उनकी पूंजीगत लागत से कम रहा। जबकि जिन क्षेत्रों का प्रतिफल बेहतर रहा उनमें सन 2016 से 2020 के बीच निवेश में इजाफा हुआ था। रिपोर्ट के लेखकों का सुझाव है कि भारत में विनिर्माण क्षेत्र की बड़ी शक्ति बनने की क्षमता है, बशर्ते कि वह वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र विकसित कर ले।

वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित ऋण सम्बंधी भयावह आंकड़ों के बीच अन्य विकसित देशों की तुलना में भारत की स्थिति नियंत्रण में नजर आती है। वैसे भी, ऋण का उपयोग यदि उत्पादक कार्यों के लिए किया जाता है एवं इससे यदि धन अर्जित किया जाता है तो बैकों से ऋण लेना कोई बुरी बात नहीं है। बल्कि, इससे तो व्यापार को विस्तार देने में आसानी होती है और पूंजी की कमी महसूस नहीं होती है। साथ ही, भारतीय नागरिक तो वैसे भी सनातन संस्कृति के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए अपने ऋण की किश्तों का भुगतान समय पर करते नजर आते हैं इससे भारतीय बैकों की अनुत्पादक आस्तियों में कमी दृष्टिगोचर हो रही है।

भारत के बैकों की ऋण राशि में हो रही अतुलनीय वृद्धि के बावजूद, भारत में ऋण:सकल घरेलू उत्पाद अनुपात अन्य विकसित देशों की तुलना में अभी भी बहुत कम है। हालांकि यह वर्ष 2020 में 88.53 प्रतिशत तक पहुंच गया था, क्योंकि पूरे विश्व में ही कोरोना महामारी के चलते आर्थिक व्यवस्था चरमरा गई थी। परंतु, इसके बाद के वर्षों में भारत के ऋणः सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में लगातार सुधार दृष्टिगोचर है और यह वर्ष 2021 में 83.75 प्रतिशत एवं वर्ष 2022 में 81.02 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। साथ ही, भारत के ऋणः सकल घरेलू उत्पाद अनुपात के वर्ष 2028 में 80.5 प्रतिशत के निचले स्तर पर आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। यदि अन्य देशों के ऋणः सकल घरेलू उत्पाद अनुपात की तुलना भारत के ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात के साथ की जाय तो इसमें भारत की स्थिति बहुत सुदृढ़ दिखाई दे रही है। पूरे विश्व में सबसे अधिक ऋणः सकल घरेलू उत्पाद अनुपात जापान में है और यह 255 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इसी प्रकार यह अनुपात सिंगापुर में 168 प्रतिशत है, इटली में 144 प्रतिशत, अमेरिका में 123 प्रतिशत, फ्रान्स में 110 प्रतिशत, कनाडा में 106 प्रतिशत, ब्रिटेन में 104 प्रतिशत एवं चीन में भी भारी भरकम 250 प्रतिशत के स्तर के आसपास बताया जा रहा है। अर्थात, विश्व के लगभग समस्त विकसित देशों में ऋणः सकल घरेलू उत्पाद अनुपात 100 प्रतिशत के ऊपर ही है। भारत में इस अनुपात का 81 प्रतिशत के आसपास रहना संतोष का विषय माना जा सकता है। हाल ही के समय में भारत में विनिर्माण इकाइयों की उत्पादन क्षमता का उपयोग बहुत तेजी से बढ़ा है, वित्तीय वर्ष 2022-23 के चौथी तिमाही में विनिर्माण इकाईयों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 76.3 प्रतिशत उपयोग किया जा रहा था, जिसके कारण उद्योग जगत को ऋण की अधिक आवश्यकता महसूस हो रही है। बढ़े हुए ऋण की आवश्यकता की पूर्ति भारतीय बैंकें आसानी से करने में सफल रही हैं।

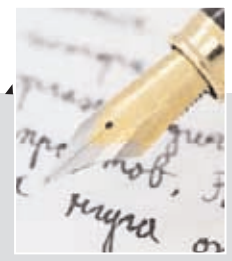

खास बात

योग के नियम

स्वामी मुक्तरथ

जैसा कि हम आपको पहले के लेख में बता चुके हैं, कि योग अपनाने से आपको न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य में मदद मिलती है, बल्कि आप मानसिक परेशानियों से उबरने में भी सक्षम हो पाते हैं। हालांकि, ये सभी लाभ आप सिर्फ तभी प्राप्त कर पाएंगे जब आप सभी नियमों का पालन करते हुए योगासन करेंगे। निम्न कुछ विशेष सुझावों की मदद से यह बताया गया है कि योगाभ्यास के समय क्या करना चाहिए और

क्या नहीं - क्या करें -

योगाभ्यास करने से पहले अपने शरीर, मन और आसपास साफ-सफाई करना जरूरी है।

योगासनों को खाली पेट किया जाना चाहिए। यदि आपको कमजोरी महसूस हो तो गुनगुने पानी में थोड़ा सा शहद डाल कर पी सकते हैं।

कोई भी योगासन शुरू करने से पहले मूत्राशय और आंते खाली होनी चाहिए। इसलिए पहले ही पेशाब व मल त्याग दें।

योग शुरू करने से पहले प्रार्थना व वंदना करें, ऐसा करने से मस्तिष्क में अच्छे विचार आते हैं और आपको योग करने के लिए मानसिक रूप से तैयार होने में मदद मिलती है।

योगिक क्रियाओं को सामान्य रूप से सांस लेते हुए और पूरी सतर्कता व ध्यान के साथ किया जाना चाहिए। क्रियाओं को धीरे-धीरे और आराम से शुरू करें।

कोई भी आसन शुरू करने से पहले स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज और वॉर्म-अप कर लें, ऐसा करने से योग करते समय मांसपेशियां क्षतिग्रस्त नहीं होती हैं।

किसी आसन को पहली बार करने से पहले उसका अच्छे से अभ्यास कर लें और यह सुनिश्चित कर लें कि आप सही मुद्रा और तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं।

यदि संभव हो तो आपने आहार को सात्विक रखें, जिनमें मीट, अंडे, प्याज, लहसुन और मशरूम से परहेज किया जाता है।

रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि शरीर में पानी की कमी न हो पाए।उचित व आरामदायक कपड़े पहनें। इस दौरान आपको ढीले-ढाले सुती कपड़े पहने की सलाह दी जाती है।

(सत्यानंद योग मिशन रांची)

न्याय और प्रेम

धर्म-प्रवाह

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

न्याय भी हो जाए और प्रेम भी ऐसा सिर्फ ईश्वर ही कर सकता है। रांची के बसारगढ़ स्थित ब्रंहा विद्यालय एवं आश्रम में भक्तों के साथ सतसंग में स्वामी सत्यानंद परमहंस ने कहा कि ईश्वर ही ऐसा कर सकता है जिसमें न्याय भी हो और प्रेम भी। राजा दिलीप की कथा बताते हुये उन्होंने कहा कि गुरु वशिष्ठ की गाय नंदनी की रक्षा में उन्होंने अपने प्राण की परवाह नहीं की। इस जीवन में जो कुछ भी किया जाता है उसका परिणाम अवश्य मिलता है। इस त्याग के बाद ही राजा दिलीप पिता बने और पुत्र रघु के नाम पर ही रघु कुल को संसार जानती है जिस कुल के राजा राम की चर्चा सर्वाधिक होती है। कश्यप मुनि और तक्षक के प्रकरण पर स्वामी जी ने कहा कि कश्यप मुनि ने तक्षक को दिखा दिया कि वे राजा परीक्षित को बचा सकते हैं। तब तक्षक ने कहा कि क्या आप प्रकृति के न्याय को बदलना चाहते हैं। कश्यप मुनि लौट गये उन्होंने ईश्वर के न्याय का सम्मान किया। वहीं शुकदेव मुनि ने राजा परीक्षित को सात दिनों में ही ज्ञान और वैराग्य से परिपूर्ण कर दिया जिसके कारण तक्षक के काटने और प्राण निकलने का कष्ट उन्हें नहीं हुआ। इस प्रकार न्याय और प्रेम दोनों संभव हुआ। कश्यप मुनि का न्याय और शुकदेव जी के प्रेम से ईश्वर के नियम की रक्षा हो सकी। भारतीय संस्कृति, धर्म का आधार क्षमा है। ईश्वर आपको अनेको बार क्षमा करता है। आपको सुधरने, परोपकारी बनने का अवसर देता है आवश्यकता है आप उसे समझें और गंभीरता से लें। (ब्रम्ह विद्यालय एवं आश्रम रांची

अज्ञान आवरण,विषयों के विविध प्रलोभन-आकर्षण,पदार्थ-प्रियता व स्वयं के अस्तित्त्व की अनभिज्ञता के कारण ही मनुष्य स्वयं को अपूर्ण व अभावग्रस्त मानता रहता है !

-स्वामी अवधेशानंद गिरी

आपके ट्वीट

लोक कल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने की जबावदेही में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए। विशेषकर भूमि से संबंधित मामलों में यह अनिवार्य रुप से अपनाई जाए।

-चंपई सोरेन, सीएम

हमें हमारा नेतृत्व एक ही बात के लिए हमेशा आगाह करता है कि हमारा मिशन केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, हमारा मिशन देश होना चाहिए, देश के हित के लिए कार्य करना होना चाहिए।

- आदित्यनाथ योगी

आड़िशा में लोस, विस में भाजपा की प्रचंड जीत राजनीतिक पंडितों के लिये शोध का विषय

मनोज शर्मा

भाजपा ने इन लोकसभा चुनावों में ओड़िशा में अप्रत्याशित सफलता प्राप्त की है। एक ऐसे राज्य में जहां बीजद के शोर में किसी और दल की उपस्थिति न दिखती हो वहां चुपचाप बिना किसी करंट के दिखे भाजपा ने 21 में से 19 सीटें जीत ली। फिर भी बिना शोर या किसी नायक के भाजपा ने राज्य में लोक सभा और विधानसभा कैसे विजित किया? यह राजनीतिक विश्लेषकों, पंडितों और एग्जिट पोल वालों के लिये भी शोध का विषय है।भाजपा की जीत अप्रत्याशित क्यों है इसे जानने के लिये उड़िसा, बीजद और नवीन पटनायक के अतीत को देखना होगा।

4जून से पहले आड़िसा के पूर्व सीएम नवीन बाबू सदैव अपराजेय लगते थे। मेरा भी मानना था कि ओड़िसा में बीजू जनता दल को कहीं से कोई चुनौती नहीं है। एक दूसरा तथ्य भी जुड़ा रहा कि ओड़िसा में नवीन बाबू भारतीय राजनीति में अजातशत्रु सी छवि के साथ रहे हैं। मुझे याद है भाजपा कभी भी उनके खिलाफ आक्रामक नहीं रही और नवीन पटनायक को अघोषित रूप से एनडीए का साथी मानती रही, वहीं यूपीए के भी किसी पार्टी ने उनके खिलाफ कोई तल्खी या विरोधी रूख नहीं दिखाया। सिर्फ इन चुनावों में भाजपा और पीएम मोदी ने उनपर कुछ विरोधी बयानबाजी की ।जैसे पीएम मोदी का ये कहना कि नवीन पटनायक अस्वस्थ हैं वो सीएम की कुर्सी और बीजद की कमान संभालने की स्थिति में नहीं हैं। किसी ने कहा कि वो अपना उत्तराधिकारी किसे बनायेंगे? एक

सामयिक

ब्यूरोक्रेट को जो उनका करीबी और विश्वासपात्र है? नवीन पटनायक पर ये सारे हमले चुनावी थे। एक बार मैं भुवनेश्वर में था। वहां एक लोकल टैक्सी ड्राइवर ने बातचीत में कहा कि जब तक नवीन पटनायक स्वस्थ हैं तब तक वही उड़िसा के सीएम रहेंगे और किसी पार्टी के लिये कोई चांस नहीं। नवीन बाबू सीएम रहने का हर रिकार्ड तोड़ देंगे।

नवीन पटनायक संयोग से राजनीति में आये थे और ओड़िसा के सीएम बने और रिकार्ड बार सीएम बनते रहे। वर्ष 2000 में वह अपने पिता बीजू पटनायक की मृत्यु के बाद अचानक बीजद पार्टी के उत्तराधिकारी के तौर पर विदेश से उड़िसा अवतरित हुये, पार्टी नेताओं के कहने पर बागडोर संभाला तब वे उड़िया भी नहीं बोल पाते थे, फिर भी पहली बार जीतने पर जनता से वादा किया कि मैं अगली बार उड़िया सीख कर आऊंगा ।मैंने उन्हें हमेशा दबी और धीमी आवाज में अंग्रेजी बोलते ही सुना है। फिर भी वह 24 साल तक सीएम बने रहे।

अपने पिता बीजू पटनायक के उलट हैं नवीन पटनायक

अन्यथा नवीन बाबू आये हरख न गये विसाद वाले व्यक्ति हैं।?आज हार भी गये तो न कोई बयान न कोई दुख या अफसोस पूर्ववत भावहीन हैं नवीन बाबू। वहीं उनके पायलट पिता बीजू पटनायक एक मुखर और वाचाल राजनेता थे। वह चुनाव हारने पर पुरी जाकर भगवान जगन्नाथ से भी लड़ आते थे। एक बार बीजू चुनाव हारे तो पुरी मंदिर में भगवान जगन्नाथ से तल्खी में पूछ रहे थे कि आखिर ऐसा क्यों हुआ मैं चुनाव कैसे हार गया, कहां गलती थी मेरी? एक बार बीजू पटनायक को किसी बेरोजगार युवक ने थप्पड़ मार दिया तो बीजू ने भी पलट कर थप्पड़ मारा। लेकिन नवीन पटनायक बिल्कुल शांत सौम्य मुख्यमंत्री रहे। आज इंजीनियरिंग प्रबंधन की उत्कृष्ट पढ़ाई के लिये बिहार ,झारखंड,बंगाल का छात्र ओड़िसा का रुख करते हैं, पुरी और भुवनेश्वर में पेयजल की व्यवस्था ऐसी कि आप कहीं भी नल से पानी लेकर पी सकते हैं। अमूमन उड़िसा को एक शांत राज्य माना जाता है। ओलंपिक खेलों में दशकों बाद हौकी में कांस्य पदक जीतने वाली हमारी टीम को जब कोई प्रायोजक नहीं मिला तो नवीन पटनायक ने ओड़िसा सरकार के माध्यम से पूरा खर्च उठाया था।

कॉर्टून वर्ल्ड

मैं बरकरार हूं ...

साभार कॉर्टून मूवमेंट

लेटर टू एडीटर

राजनीतिक पराभव

अपनी निष्ठा बेचने वाले दर-दर खड़े मिलेंगे। अब सब बाजारवाद का हिस्सा बन चुका है। इसके लिए कानून क्यों नहीं बनता? क्योंकि, यह हर दल को सूट करता है! चुनाव के समय यह खेल चरम पर होता है पूरी मृदंग की थाप के साथ। अगर इस पर कानून बन गया तो पूरी राजनीति ही बैठ जायेगी। मतदाता इस ठगोरी में क्यूं आ जाता है। सार्थक पड़ताल के लिए साधुवाद! **- प्रकाश सिंह, रांची**

कृषि से उम्मीद

कृषि क्षेत्र की विकास दर बढ़ाने में रबी फसलों की पैदावार, खासतौर से गेहूं की भारी पैदावार ने प्रभावी भूमिका निभाई है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में कृषि क्षेत्र की वृद्धि तीन फीसद ही थी। इस वर्ष कृषि विकास दर में वृद्धि के साथ कृषि निर्यात की बढ़ने की भी संभावनाएं प्रबल हुई हैं। कोरोना के संकट में कृषि क्षेत्र ने देश में अनाज की कमी नहीं होने दी। **-विवेक, हजारीबाग**

भारत में भारतीय होना चाहिए शिक्षा का मॉडल

डॉ. नितिन सहारिया

भारतीय संस्कृति मूल्य आधारित संस्कृति है। मूल्यों को धारण करने के कारण ही मानव के अंदर मानवीयता का आभास होता है। मूल्य ही दो पैर- दो हाथ वाले प्राणी मनुष्य को मनुष्यत प्रदान करते हैं अन्यथा वह पशुवत है। मूल्य मानवता का आधार हैं। मूल्य की मनुष्य के अंदर स्थापना होने से मनुष्ययत्व की गरिमा बढ़ती है। मूल्य मानवता के प्राण हैं। मूल्य विहीन मनुष्य का जीवन बगैर खुशबू के पुष्प की तरह से निरर्थक है। अतः इन मूल्यों को धारण करने के कारण भारतीय संस्कृति में वैश्विकता, निरंतरता, जीवंतता, श्रेष्ठता, शाश्वतता, आध्यात्मिकता की अनुभूति होती है, जो इसे वैश्विक संस्कृति ꣾड्ढं' ़४'३४१ बनाते हैं। भारतीय संस्कृति के मूल्य सार्वभौमिक हैं।

मूल्य वे तत्व या गुण हैं जो मानवीय आचरण में श्रेष्ठता, विशिष्टता, दिव्यत्व, उत्कृष्टता को प्रदर्शित करते हैं। मानव के व्यक्तित्व को सुगंध, दिव्य आचरण से भर देते हैं। इनके अभाव में मानव अमानव बन जाता है। भारतीय संस्कृति के मूल्यो में सत्य, प्रेम, दया, करुणा, अहिंसा, आस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य, सहिष्णुता, "वसुधैव कुटुंबकम" , तें त्यतेंन भुन्जिथः, "मातृवत पदार्रेशु-परद्रव्येसु लोस्टवत्त", आत्मवत्त सर्व भूतेषू , त्याग, सेवा इत्यादि को शामिल किया गया है।

भारतीय संस्कृति में धर्म के दस लक्षण/गुण ही मानवीय मूल्य है; जो मनुष्य को महामानव, संत, महात्मा, धर्मनिष्ट बनाते हैं। सभी प्रकार का श्रेष्ठ आचरण, गुण, व्यवहार मूल्य की श्रेणी में आता है अतः मूल्य का जीवन में बड़ा ही महत्वपूर्ण स्थान है। मूल्य विहीन जीवन निरर्थक है। मूल्य की इसी महत्ता के कारण स्वामी विवेकानंद जी माता काली से प्रार्थना करते हुए कहते थे- "हे ! मां मुझे मनुष्यत्व दो !! माँ ! मेरी कापुरुषता, दुर्वलता नष्ट कर दो,हे मां !! मुझे मनुष्य बना दो।"

वर्तमान में जो शिक्षा पद्धति विगत 72 वर्षों से चलती चली आ रही है। वह "अंग्रेजी शिक्षा पद्धति" मैकाले के द्वारा भारत पर थोपी गई थी। पश्चात शिक्षा पद्धति थी जिसमें मूल्यो का अभाव था। जो व्यक्ति को बाबू , क्लर्क, अधिकारी तो बनाती थी किंतु व्यक्ति को मनुष्य नहीं बनाती थी। वह पद्दित मूल्य विहीन थी, जिसने डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर, वकील तो पैदा किये किन्तु उनमें मानवीय मूल्यों को न भर सकी। अतः वह बड़े अधिकारी बनकर भी मानवी गरिमा के अनुरूप संवेदना, सत्य निष्ठा, त्याग, प्रेम, परोपकार का व्यवहार नहीं करते जो की अपेक्षित है। ऐसी मूल्य विहीन शिक्षण पद्धति से तैयार होने वाले नागरिक देखने में मनुष्य नजर आते हैं किंतु आचरण में सत्यनिष्ठा, कर्तव्य निष्ठा, देशभक्ति का अभाव सदैव बना रहता है। तब ऐसे नागरिकों के व्यवहार, आचरण से देश का किंचित भी भला होने वाला नहीं है। तभी शासन के द्वारा भारी भरकम बजट से तैयार योजनाएं फेल होती दिखाई देती हैं।

बिहार में पुल बनने से पहले ही गिर जाता है। सड़क जल्दी ही उखड़ जाती है। बिल्डिंग गिर जाती है, कोई मंत्री चारा खा जाता है तो कोई शेयर या बोफोर्स, 2जी स्पेक्ट्रम, कोल ब्लॉक, कॉमनवेल्थ घोटाला कर जाता है। इसका कारण व्यक्तित्व निर्माण के दौरान उन मूल्यों को व्यक्तित्व में समावेश नहीं करा सके जो की प्राचीन "गुरुकुल शिक्षा पद्धति" में करा दिया जाता था। आज समाज में दिखाई देने वाली अव्यवस्था, अशांति, अपराध, भ्रष्टाचार के मूल/जड़ में यही मानवी मूल्यो का अभाव दिखाई देता है। सारी बुराइयों की जड़ मूल्य हीनता अथवा संस्कारहीनता ही है।अतः यदि हमें भविष्य में सुंदर समुन्नत समाज का निर्माण करना है। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" बनाना है तो बचपन से ही बच्चों के कोमल मस्तिष्क में मानवी मूल्यो की प्रतिष्ठा करना आरंभ करें। नैतिक शक्ति/धर्म ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति होती है। इसी के कारण व्यक्ति बगैर दंड, सिग्नल या आदेश के स्वप्रेरणा से श्रेष्ठ, लोक कल्याणकारी आचरण/व्यवहार करता है। जिससे समाज में शांति, सुव्यवस्था, निर्भयता श्रेष्ठता के वातावरण का निर्माण होता है; अन्यथा मूल्य हीनता, श्रेष्ठ मानवीय गुणो के अभाव में व्यक्ति उच्छश्रृंखल, निठल्ले, असंवेदनशील, चोर, बेईमान, अनुशासनहीन, अनैतिक बनता है।

स्पीड न्यूज

कल्पना सोरेन को बेदिया ने दी बधाई

भुरकुंडा (रामगढ़)। पिछले दिनों हुए गिरीडीह जिला के गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन की जीत पर कार्यकताओं में हर्ष का माहौल है। गुरूवार को झामुमो के केंद्रीय सचिव सह राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य संजीव बेदिया ने नवनिर्वाचित विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। इस दौरान संजीव बेदिया ने कल्पना सोरेन को बुके देकर जोरदार स्वागत किया। साथ ही उम्मीद जताई की आने वाले विधानसभा चुनाव में झामुमो राज्य में दुबारा सरकार बनायेगी। राज्य की जनता ने झामुमो व इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को इस चुनाव में भरपूर समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन व कल्पना सोरेन के नेतृत्व में राज्य में झामुमो और तेजी से मजबुत होगी। श्री बेदिया ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार एक षड्यंत्र के तहत राज्य के लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल भेजकर झामुमो को कमजोर करने की साजिश की थी। लेकिन जनता ने भाजपा को मुहतोड़ जवाब दे दिया है। जल्द ही हेमंत सोरेन जेल से छुटकर झामुमो को और मजबूत करेंगे।

सांसद से मिले कई भाजपा नेता

कुजू। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जयसवाल से हजारीबाग स्थित उनके आवास पर भाजपा नगर परिषद अध्यक्ष मनोज गिरि के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने बूके देकर उनका स्वागत किया। साथ ही रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा किया। जिसमें क्षेत्र में होल्डिंग टैक्स कम करने, विभिन्न वार्ड में गर्मी को देखते हुए टैंकर से जल की व्यवस्था करने के अलावे एनएच 33 दिगवार बाईपास से परमेश्वर होटल होते हुए देवकी नंदन कुशवाहा के घाट तक पीसीसी पथ निर्माण, दिगवार पारटांड़ के अरुण महतो के घर से लेकर मुंडा टोला तक पीसीसी पथ निर्माण, दिगवार हेठबांध में कालीचरण महतो के घर से लेकर सत्येंद्र प्रसाद के दुकान तक पीसीसी पथ निर्माण, दिगवार पारटांड़ में बने हुए नवनिर्मित सामुदायिक भवन में विद्युत एवं शौचालय का निर्माण, देवनाथ कुशवाहा के घर से लेकर रवि कुशवाहा के घर तक पीसीसी पथ का निर्माण, पोचरा काली मंदिर नदी के पास स्नान घाट का निर्माण, पोचरा काली मंदिर से लेकर रउता तक पीसीसी पथ एवं नाली का निर्माण, बोंगावार करमाली मुहल्ला में डीप बोरिंग एवं जल मीनार निर्माण, दिगवार दुर्गा मंदिर के पास डिप बोरिंग एवं जल मीनार का निर्माण, मुकेश रजक के घर से लेकर प्रमोद गिरी के घर तक एलईडी लाइट लगवाने आदि की मांग की गयी। जिस पर सांसद मनीष जायसवाल ने जल्द ही समाधान करने का आश्वासन दिया। सांसद से मिलने वाले प्रतिनिधि मंडल में रामगढ़ नगर परिषद भाजपा अध्यक्ष मनोज गिरि, वार्ड पार्षद कुलदीप कुशवाहा, भाजपा नेता अरुण कुशवाहा, पुण्य प्रकाश कुशवाहा, सुरेश महतो आदि शामिल थे।

श्री राधा-कृष्ण ठाकुर बाड़ी मंदिर का तीसरा वर्षगांठ धूमधाम से मना

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा पटेलनगर सीसीएल कॉलोनी स्थित प्राचीन श्री राधा-कृष्ण ठाकुर बाड़ी मंदिर का गुरुवार को पूरे धूमधाम व भक्तिभाव के साथ तीसरा वर्षगांठ मनाया गया। इस अवसर पर श्री राधा-कृष्ण की प्रतिमा को आर्कषक रूप से सजाया गया था। पूरा मंदिर परिसर रंग-बिरंगे विद्युत सज्जे से रौशन दिख रहा था। पुरोहित राम कुमार पाठक द्वारा पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्री राधा-कृष्ण की विशेष पूजा की गई। पूजा में बतौरयजमान रामाकान्त दुबे और सत्येंद्र प्रसाद सिंह सपत्नी शामिल हुए। कलश पुजन के साथ विभिन्न अनुषठान करते हुए हवन व आरती का आयोजन हुआ। इसमें भारी संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरूष व बच्चे शामिल हुए। पूजा के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूजा के दौरा आराध्य देवी-देवताओं के जयकारों से पजा क्षेत्र गूंजता रहा। मंदिर के तृतीय वर्षगांठ के अवसर पर राधे-राधे महिला मंडली द्वारा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। जो देर शाम तक चलता रहा। धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न कराने में मुन्ना यादव, रामाकांत दुबे, सरोज राणा, जितेंद्र पांडेय, नरेन्द्र सिंह, उत्तम राज सिन्हा, अशोक सिंह, अशोक राम, सुरेन्द्र सिंह, मनोज श्रीवास्तव, शंकर दयाल यादव, मनोज सिंह, भोला सिंह, श्रीकांत गुप्ता सहित पटेलनगर कॉलोनी वासियो का विशेष योगदान रहा।

सांसद ने शुरू की आभार यात्रा

बड़कागांव में कार्यकर्ताओं ने जायसवाल का किया स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

बड़कागांव । हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने जीतने के बाद बड़कागांव विधानसभा के केरेडारी प्रखंड अंतर्गत कंडाबेर माता स्थान से बुधवार को पूजा अर्चना कर माता रानी से क्षेत्र की सुख समृद्धि और खुशहाली के कामना करते आभार यात्रा शुरू की। इस दौरान भाजपाइयों ने भव्य स्वागत किया ।वे सीधे तौर पर जनता जनार्दन से मिलकर अपने जीत पर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं, मतदाताओं, समर्थकों एवं एनडीए गठबंधन के लोगों से मिलकर धन्यवाद एवं आभार प्रकट कर रहे हैं। बुधवार देर शाम को बड़कागांव दोनों मंडल के कई गांव में लोगों से मिलकर उनका आभार प्रकट किया कहा कि अपने बूथ, पंचायत एवं प्रखंड से प्रचंड बहुमत से जिताया है, इसके लिए आप तमाम लोगों का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। सेवा व विकास का पिछले 10 वर्षों में जो काम हुआ है, वह निरंतर जारी रहेगा।आप लोगों को आभार यात्रा के तहत यह बताने आया हूं कि आपका यह भाई,आपका बेटा आपकी हर छोटा से बड़ा काम के लिए आपके बीच तत्पर रहेगा। गरीबों को उठाने का काम चल रही है। बड़कागांव में विस्थापन एक विशेष मुद्दा है और मैं इसी गांव घर से पैदा हुआ हूं छोटा से बड़ा काम करूंगा।

जायसवाल बड़कागांव डेली मार्किट , गुरूचट्टी, सांढ, बिश्रामपुर, हरली, बादम, सोनपुरा इत्यादि क्षेत्रों का सघन दौरा किया जहां पर चुनाव जीतने के हफ्ते भर के अंदर सांसद को अपने बीच पाकर ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह देखने को मिला लोगों ने सांसद को आरती उतार कर एवं फूल माला पहनकर भव्य स्वागत किया।

मौके पर पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, पुर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद, अनिल मिश्रा,मुखिया संघ जिला उपाध्यक्ष पारसनाथ प्रसाद, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार,भवानी प्रसाद,जय नारायण प्रसाद,बालेश्वर कुमार,राजेश गुप्ता, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी , पुर्वी उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, श्रीकांत निराला,भीखन महतो,उपेन्द्र प्रसाद, किशोर राणा,बासमती कुमारी, इंद्र भूषण, शिवशंकर उर्फ शिबू मेहता, उदय मेहता, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

चरही में धड़ल्ले से जारी है अवैध कोयले की तस्करी

खबर मन्त्र संवाददाता

- **आरा कांटा के पास फैक्ट्री में बाइक, वाहन, ट्रेक्टर,ट्रक और साइकिल से हो रही है ढुलाई**
- **ट्रक पर लादकर बिहार,यूपी के कोल मंडियों और आरा कांटा और रामगढ़ के स्पंज आयरन फैक्ट्री में की जा रही है आपूर्ति**

चरही / हजारीबाग। लोकसभा चुनाव समाप्त होते ही जिले के कई जगहों से कोयले की तस्करी धड़ल्ले शुरू हो गयी। सीसीएल हजारीबाग कोयला क्षेत्र के घाटो ओपी क्षेत्र के परसाबेड़ा,गोसी, बसंतपुर और कलाली मोड़ तथा मांडू और कुज्जू थाना सीमा के बीच हेसागढ़ा के समीप शनि मंदिर के पास के क्षेत्रों से कोयले की तस्करी जारी है। आरा कांटा के पास निर्मित फैक्ट्री में बाइक,चार पहिए वाहन, ट्रेक्टर,ट्रक और साइकिल के माध्यम से कोयले की ढुलाई की जा रही है।क्षेत्रों से चोरी कर कोयले की लगातार ढुलाई कर निर्जन स्थानों पर कोयले को ट्रक पर लादकर बिहार,यूपी के कोल मंडियों तथा आरा कांटा और रामगढ़ के स्पंज आयरन फैक्ट्री में आपूर्ति की जा रही है।इस पर अंकुश लगाने के लिए जिला और पुलिस प्रशासन के द्वारा टास्क फोर्स का गठन भी किया गया है। इसके बावजूद भी कोयला तस्करी बदस्तूर जारी है। उपरोक्त क्षेत्रों से प्रतिदिन 5 से 10 ट्रक कोयले निकाले जा रहे हैं। प्रशासन के कार्रवाई के बावजूद भी कोयला तस्करों के हौसले इतने बुलंद है कि पिछले 18 फरवरी को हजारीबाग डीआईजी के टीम ने अवैध कोयला व्यवसाय पर अंकुश लगाने को लेकर देर रात्रि गए टीम पर ही घाटो ओपी क्षेत्र में तस्करों द्वारा हमला कर दिया गया था। व्यापक पैमाने पर क्षेत्र में कोयला तस्करी जारी है। जिला और पुलिस प्रशासन के कार्रवाई के बावजूद भी कोयला तस्करों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। इस तस्करी मे अधिकारियों,

पदाधकारियों, राज्य के नेताओं, सिपाही सहित कई विभाग के लोगों की मिलीभगत के कारण यह धंधा लागातार फल-फूल रहा है। प्रतिदिन कोयला तस्करी होने से सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपयों के राजस्व की हानि उठानी पड़ रही है। इस संबंध में रामगढ़ एसपी से दूरभाष के माध्यम से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि जहां भी अवैध तरीके से कोयला तस्करी की जा रही है सभी जगह पर जल्द ही छापेमारी की जाएगी। साथ ही इसमें संलिप्त तस्करों पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

पानी की किल्लत को लेकर सांसद से मिले अमित साहू

बरही। बरही पश्चिमी मंडल अध्यक्ष अमित साहू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सांसद मनीष जायसवाल से मिला। साहू सहित अन्य ने जायसवाल को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि जमीन से जुड़े ऐसे कर्मठ व्यक्ति मनीष जायसवाल का सांसद होने से क्षेत्र के लोगों के लिए सौभाग्य की बात है। वह पिछले 10 सालों से लगातार विधायक रहते हुए जनता की सेवा कर रहे हैं। अमित साहू, सिंघरावा के पूर्व मुखिया सुरेश शाह, विकास गुप्ता, डेबो पंचायत के मुखिया मोहन साव ने बधाई देते हुए बरही में पानी की समस्या को लेकर बात रखी। सांसद से आग्रह किया कि पानी समस्या का जल्द समाधान किया जाए। जायसवाल ने जल्द निदान करने का आश्वासन दिया।

रामगढ़ में 50 साल पुराना है दक्षिणेश्वरी काली मंदिर

रामगढ़। रांची रोड स्थित माता दक्षिणेश्वरी काली मंदिर की पूरे देश में ख्याति है। संध्या शर्मा ने बताया कि यह 50 वर्ष पुराना मंदिर है। बताया कि पहले यह मंदिर खपरैल था। लेकिन सभी श्रद्धालुओं के प्रयास से 10 मार्च 2018 को मंदिर के सुंदरकरण का कार्य पूर्ण हुआ । उन्होंने बताया कि मंदिर के सुंदरकरण के कार्य में तरह तरह कि बढ़ाएं आई । लेकिन मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अरुण महतो के प्रयास से मंदिर के पुर्ननिर्माण का कार्य बेहतर तरीके से हुआ । संध्या शर्मा ने बताया कि पहले मंदिर के भंडारे में भी परेशानी होती थी । पर माता काली कि ऐसी कृपा रही कि भंडारा हमेशा सफलता के साथ होते आया । संध्या के अनुसार मंदिर में

दूर दूर से श्रद्धालु आते हैं मन्नत मांगने

दूर दूर से श्रद्धालु मन्नत मांगने के लिए पहुंचते हैं और मन्नत पूरी होने पर भव्य भंडारा का आयोजन करवाते हैं । विधायक सुनीता चौधरी कि मन्नत पूरी होने पर उनके द्वारा मंदिर में भंडारे का आयोजन कराया गया। झारखंड सेवा समिति के अध्यक्ष अमित सिन्हा ने मनोकमना पूरी होने पर भंडारे का आयोजन किया । वे मंदिर समिति के सदस्यों का हौसला बढ़ाते आ रहे हैं । वहीं , विक्रम कुमार तिवारी ने मनोकामना पूरी होने पर भव्य भंडारा कराया । साथ प्रत्येक पूर्णिमा एवं अमावस्या को उनके द्वारा 201 रुपए कि सहयोग राशि दी जाती है। टाटा के राजेश यादव ने मनोकामना पूरी होने पर भंडारे करवाया । बेगलुरु के प्रियंका पाठक ने मनोकामना पूरी होने पर भंडारे करवाया । साथ ही प्रत्येक माह भंडारा में सहयोग करती हैं । संध्या शर्मा ने बताया कि प्रनीत टावर की पिंकी प्रत्येक माह भंडारा में मदद करती हैं

उपायुक्त की अध्यक्षता में आत्मा की बैठक आयोजित

रामगढ़। समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में गुरुवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में केंद्र प्रायोजित एग्रीकल्चर एक्सटेंशन /आत्मा एवं खाद्य एवं पोषण सुरक्षा योजना(वित्तीय वर्ष 2024 - 25) के क्रियान्वयन हेतु आत्मा शासकीय निकाय एवं जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा मिशन समिति की बैठक हुई। बैठक के दौरान परियोजना निदेशक आत्मा प्रवीण कुमार सिंह के द्वारा उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को वर्ष 2023- 24 के लिए विभिन्न प्रशिक्षण, प्रत्यक्षण, परिभ्रमण, कृषक प्रक्षेत्र पाठशाला, किसान गोष्ठी, किसान मेला सहित अन्य योजनाओं में किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2024 - 25 किए जाने वाले कार्यों व योजनाओं के प्रस्ताव के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी ।

डीसी ने परियोजना निदेशक आत्मा को समेति आत्मा सहायय अनुदान के विभिन्न गतिविधियों यथा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा योजना के संबंध में प्रत्यक्षण हेतु भूमि का चयन कर किसानों को नई तकनीक की अच्छी तरह से प्रशिक्षण देकर प्रत्यक्षण का कार्य करने का निर्देश दिया।

रामगढ़ के कई वार्डों में पानी की घोर किल्लत

- **कुछ कर्मियों के रवैये से लोगों को हो रही है परेशानी: फजलू**

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। इस भीषण गर्मी में शहर का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं, शहर के कई वार्डों में पेयजल का सही तरीके से आपूर्ति नहीं होने से कई सार्वजनिक पोस्ट जहां से लोग पानी भरते हैं वे बेकार पड़े हैं। जिससे लोगों की परेशानी काफी बढ़ गई है। फजलू खान ने बताया कि इस भीषण गर्मी के मौसम में शहर के गोलपार में पेयजल आपूर्ति की स्थिति सबसे खराब है। कहा कि वहां पेयजल आपूर्ति के अभाव में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही शहर के अन्य क्षेत्रों में भी पेयजल आपूर्ति के लोगों को परेशानी हो रही है। कहा कि

इस भीषण गर्मी में शहर वासियों को पर्याप्त पेयजल मिले इसकी जवाबदेही छावनी परिषद की है। उन्होंने कहा कि छावनी में कुछ ऐसे कर्मी हैं जो वर्षों से यहीं कार्य कर रहे हैं और अपनी जवाबदेही ठीक तरीके से नही निभाते हैं। कहा कि ऐसे कर्मी कुछ प्रभावशाली लोगों के पक्ष में कार्य करते हैं और कमजोर लोगों को परेशान करते हैं। फजलू खान ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति सूचना के अधिकार के तहत छावनी परिषद से कोई जानकारी मांगता है तो छावनी परिषद द्वारा उसे सही जानकारी नही दी जाती है। कहा कि यदि ऐसे कर्मी अपनी कार्य संस्कृति में 15 दिनों के अंदर सुधार नही करते हैं तो हम उनके विरूद्ध आंदोलन को विवश होंगे। कहा कि इसके तहत हम लोग छावनी परिषद कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करेंगे।

संजय सेठ के रक्षा राज्यमंत्री बनने से लोगों को उम्मीद बंधी : शहर वासियों को रांची के सांसद संजय सेठ के रक्षा राज्यमंत्री बनने से उम्मीद बंधी है कि उनकी समस्याएं अब दूर हो सकेंगी। शहर के लोगों ने कहा कि जो छावनी कर्मी और अधिकारी वर्षों से यहां जमे हैं और ठीक तरह से अपनी जवाबदेही नही निभा रहे हैं शायद अब उनका तबादला हो। कहा कि ऐसा होने पर शायद शहर वासियों की परेशानी दूर हो सकेगी।

एक नजर में

सड़क हादसे में महिला की मौत और तीन घायल

चरही। चरही घाटी के समीप हनुमान मंदिर के पास गुरुवार को सड़क दुर्घटना में एक महिला घायल हो गई, जबकि तीन बच्चों को मामूली चोटें आई है। घायल महिला को इलाज के मांडू अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में ही मौत हो गई। सुबह करीब 9 .30 बजे स्कूटी सवार महिला अपने तीन बच्चों के साथ आगे चल रही थी।इसी बीच तेज रफ्तार में आ रही अनियंत्रित बारह चक्का ट्रक जिसका नंबर एपी31टीएन/1259 ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया।स्कूटी सवार महिला रामगढ़ निवासी प्रतिमा कुमारी (28 वर्ष)पति सुनील कुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना स्थल पर ग्रामीणों ने इसकी जानकारी चरही थाना को दिया। पुलिस ने घायल महिला को सड़क से उठाकर मांडू अस्पताल ले जाने लगी।रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने चालक और उपचालक सहित ट्रक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी अस्पताल हजारीबाग भेज दिया।

धर्मपुर में रोजगार दिवस को लेकर बैठक

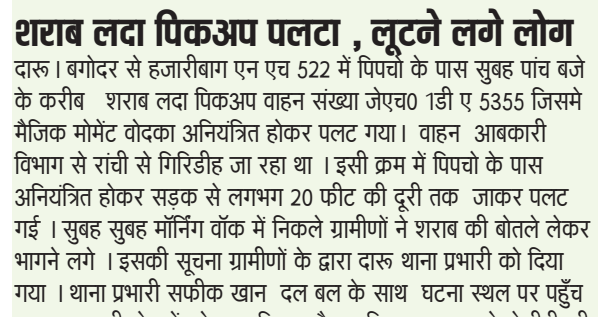

टाटीझरिया । धर्मपुर पंचायत के पंचायत भवन परिसर में गुरुवार को रोजगार दिवस को लेकर बैठक हुयी । इसकी अध्यक्षता मुखिया कांति देवी और संचालन पंचायत सचिव संजय कुमार ने किया। रोजगार सेवक निरंजन प्रसाद ने कहा कि अबुवा आवास तथा बिरसा सिंचाई कुप, आबुवा आवास वर्ष 2024- 2025 के तहत लाभुको का आम बागवानी के लिए चयन किया जाना है। जो योग्य लाभुक है वे स्वेक्षापूर्वक योजनाओ का नाम सूची में चयन कर दे। मौके पर कुंती देवी, लोकनाथ गोप, बिना देवी, रंजीता देवी, तिलकी देवी ,हेवंती देवी,रिंकी देवी ,पिंकी देवी, चेतलाल महतो ,अनिल प्रसाद, भवानी कुमार,हेमंती देवी, आसमा खातून , काजल कुमारी ,महेंद्र तुरी , शंकर रविदास, विक्की मोदी ,रंजित प्रसाद , प्रकाश प्रजापति ,सिकेंद्र साव , तौफीक आलम, ओम प्रकाश साव समेत अन्य कई महिलाएं पुरुष शामिल थे।
१३ है पी २: मौके पर उपस्थित लोग

डोभा में डूबकर सात साल की बच्ची की मौत

इचाक। बड़की जलौंध निवासी जितेन्द्र भुईया के बेटी सीतल कुमारी उम्र सात ,एक डोभा में डूबने से बच्ची मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह 7 बजे के करीब सीतल कुमारी शौचालय के लिए दोस्तो साथ खेत गई थी। पानी के लिए डोभा की ओर गई। डोभा गहरा था। बच्ची पानी के नजदीक जा पाती लेकिन फिसलकर उसी गहराई वाली डोभा में जा गिरी। बच्ची की दोस्त घर में बताया और घरवाले जाकर बच्ची को निकालते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इचाक ले गया लेकिन हॉस्पिटल में डॉक्टर की अनुपस्थिति में कंपाउंडर स्थिति देखते हुए सदर अस्पताल हजारीबाग जाने को कहा। सदर अस्पताल ले जाने के क्रम में बच्ची रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

शराब लदा पिकअप पलटा , लूटने लगे लोग

दारू। बगोदर से हजारीबाग एन एच 522 में पिपचो के पास सुबह पांच बजे के करीब शराब लदा पिकअप वाहन संख्या जेएच0 1डी ए 5355 जिसमे मैजिक मोमेंट वोदका अनियंत्रित होकर पलट गया। वाहन आबकारी विभाग से रांची से गिरिडीह जा रहा था । इसी क्रम में पिपचो के पास अनियंत्रित होकर सड़क से लगभग 20 फीट की दूरी तक जाकर पलट गई । सुबह सुबह मॉर्निंग वॉक में निकले ग्रामीणों ने शराब की बोतले लेकर भागने लगे । इसकी सूचना ग्रामीणों के द्वारा दारू थाना प्रभारी को दिया गया । थाना प्रभारी सफीक खान दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुँच कर शराब की बोतलों को जब्त किया और छतिग्रस्त वाहन को जेसीबी की मदद से दारू थाना लाया ।

बिजली चोरी में 11 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

बरही। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के निर्देश पर बरही के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली चोरी की रोकथाम को लेकर छापामारी अभियान चलाया गया। जिसमें 11 उपभोक्ताओं को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाया गया। इस बाबत बरही थाना में विद्युत कनीय अभियंता अभिषेक आनंद ने विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज करवाया है। कनीय विद्युत अभियंता अभिषेक आनंद ने हरिनगर बरही के रहने वाले अवधेश कुमार पिता जीवलाल नायक, बाराटांड निवासी पंकज कुमार पिता रामदेव राम, आकृति तिर्की पति मनीष लिंडा, साधुशरण दास पिता बिहारी राम, यशोदा देवी पति मुरारी रविदास, रूपेश चन्द्रवंशी पिता स्व. मुरारी प्रसाद, रेखा देवी पति अशोक रविदास, उमेश रविदास पिता बंगाली रविदास, कौशल्या देवी पति बीरेंद्र यादव, नंदलाल रविदास, पिता काली रविदास व रणधीर रविदास पिता तोखन रविदास को नामजद अभियुक्त बनाया है। जेई ने कहा कि अवैध रूप से विद्युत जलाने का काम कर रहे है वह मीटर अवश्य लगाएं।

अंबा प्रसाद दिल्ली में आज करेंगी प्रेस कॉन्फ्रेंस

बड़कागांव। विधायक अंबा प्रसाद को इंडियन स्कूल आफ डेमोक्रेसी उत्कृष्ट भारत के तत्वाधान में नेशनल राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में बतौर स्पीकर शामिल होने का न्योता दिया गया है। 14 जून को विधायक अंबा प्रसाद लोकतांत्रिक परिपेक्ष पर उक्त कॉन्फ्रेंस में बतौर स्पीकर संबोधित करेंगे। नेशनल राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद दिल्ली पहुंच गई है जहां दिन शुक्रवार को कॉन्फ्रेंस किया जाएगा। उक्त कॉन्फ्रेंस में देश के कोने कोने से अलग अलग पार्टियों के गीने चुने विधायक, सांसद, मंत्री, युवा नेता भी शामिल होंगे।

दारू प्रखंड के कई क्षेत्रों में जल संकट

दारू । दारू प्रखंड के कई क्षेत्रों में लंबे समय से खराब पड़े जलमीनार और चापाकलों के कारण लोगों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी में यह समस्या और विकराल हो गई है। दारू पंचायत के बक्शीडीह में दो जलमीनार है लेकिन इस भीषण गर्मी में दोनों जल मीनार खराब होने के कारण घोर पानी की समस्या उतपन्न है । ग्राम तिउज का जलमिनार एक भी दिन पानी नहीं दे पाया है। सुलतानी रविदास टोला में जलमिनार एक महीने से खराब पड़ा है। इरगा में जलमिनार लगभग एक साल से खराब है, ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। हर बार अधिकारियों द्वारा 1-2 दिन में ठीक करने का आश्वासन देकर बात टाल दी जाती है। उचाबेड़ा में भी जलमीनार से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। रहमदगा टोला बसरिया में जलमिनार एक साल से खराब है, जिससे लोग कुएं का पानी पीने पर मजबूर हैं। दारू भटबीघा में जलमिनार दो साल से खराब पड़ा है। पेटो मंडप के रास्ते में चापाकल लगभग एक महीने से खराब है। मेढकुरी कला शिव मंदिर के सामने का चापाकल एक सप्ताह से खराब है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत मुखिया और वार्ड सदस्य इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। रामदेव खरिका पंचायत भवन के पास चापाकल कई सालों से खराब पड़ा है। दारू प्रखंड के पीछे स्थित सरकारी स्कूल के पास का चापाकल भी खराब है। ग्रामीणों ने कहा कि कई बार संबंधित अधिकारियों को सूचित किया है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। इस भीषण गर्मी में पानी की कमी से जूझते ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ इस समस्या का समाधान करने की अपील की है।

युवाओं को अध्यात्म से जोड़ना हमारा कर्तव्य

श्रीराम माहेश्वरी

वर्तमान समय में युवाओं को अध्यात्म से जोड़ना आवश्यक है। शिक्षा, रोजगार, सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक क्षेत्र में वे अध्यात्म से जुड़कर प्रगति कर सकते हैं। अध्यात्म का अर्थ है आत्मा का विकास। आत्मा से जुड़कर आत्मा को जानना। ध्यान और योग के माध्यम से हम अध्यात्म से जुड़ सकते हैं। इसका निरंतर अभ्यास कर सकते हैं। इस साधना को करते हुए एक साधक का लक्ष्य रहता है-आत्म साक्षात्कार। साधनारत साधकों के लिए यही पूर्णता है।

प्राचीनकाल से भारतवर्ष में गुरुकुलों में जो शिक्षा दी जाती थी, उसमें अन्य विषयों के साथ-साथ विभिन्न कलाओं से जुड़ना, सेवा संस्कार, योग और ध्यान जैसे महत्वपूर्ण विषय भी शामिल रहते थे। बाद में यह गुरुकुल बंद होते गए। विकास को भौतिकता से जोड़ दिया गया। शिक्षण संस्थानों में भारतीय संस्कृति से जुड़े विषयों को धीरे-धीरे अलग कर दिया गया। शैक्षणिक पाठयक्रमों में अनेक विसंगतियों के कारण युवाओं के समक्ष दिशाहीनता की स्थिति पैदा हुई। हम देख रहे हैं कि शिक्षित होने के बाद जब युवाओं को रोजगार या नौकरी नहीं मिलती तो उनमें निराशा होती है। कई बार प्रयास करने के बाद जब उन्हें सफलता नहीं मिलती तो वे अपराध के मार्ग पर चलने लगते हैं या आत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठा लेते हैं। ऐसी कठिन परिस्थिति में उन्हें उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। हमारे युवा अध्यात्म से जुड़ेंगे तो उनकी समस्याओं का उन्हें समाधान मिल सकता है।

हालांकि पिछले कुछ वर्षों में जनचेतना आई है। नई शिक्षा नीति आने के बाद शिक्षण संस्थानों का स्वरूप बदल रहा है। युवाओं ने अध्यात्म के क्षेत्र में भी रुचि दिखाई है। अच्छी बात है कि उनका मन अब इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। योग भारत की देन है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग को मान्यता मिली है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 11 दिसंबर 2014 को हर वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस मनाए जाने की घोषणा की। इसके बाद दुनिया में योग का महत्व अधिक व्यापक हुआ। भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भागवत गीता में अर्जुन को उपदेश देते हुए योग का महत्व प्रतिपादित किया। श्रीकृष्ण योगेश्वर कहे जाते हैं। भगवान शिव आदियोगी हैं । उन्होंने ऋषियों को योग की शिक्षा दी। महर्षि पतंजलि ने योग शास्त्र की रचनाकर जनसाधारण के लिए इसे सुगम और सुलभ बनाया।

वैदिक शिक्षा में आरोग्य, दीर्घायु होने की भावना, अध्यात्म मार्ग से जुड़ना, ईश्वर आराधना, अनासक्ति भावना तथा विश्व कल्याण की भावना रखने पर बल दिया गया है। इसमें मानव कल्याण के साथ-साथ प्रकृति मित्र होने की भावना का भी वर्णन है।

मनु कहते हैंशब्दः स्पर्शश्च रूपञ्च रसो गंधश्च पंचमः ।

वेदादेव प्रसूयंते प्रसूति-गुण-कर्मतः।। मनु स्मृति 12.18

मनु कहते हैं-वेद से ही शब्द, स्पर्श, रूप, रस तथा गंध उत्पन्न होते हैं। यह पांच तत्व आकाश, वायु, अग्नि, जल तथा पृथ्वी के ही रूप हैं। इन पांच तत्वों से ही सृष्टि बनी है, इसलिए वेद को ब्रह्म कहना उचित है। एतरेय सूत्र के अनुसार चित चेतन है। प्राण ऊर्जा है। वाक पदार्थ है। पदार्थ से ऊर्जा सूक्ष्म है। ऊर्जा से चेतन सूक्ष्म है। सूक्ष्म का नियंत्रण स्थूल में रहता है। मंत्र से आह्वान किया जाए तो देवता प्रकट हो जाते हैं। इसके लिए कामना, इच्छा, संकल्प और श्रद्धा जरूरी है।

वेद, पुराण और उपनिषद राष्ट्र की अनमोल धरोहर हैं। युवाओं को इनका स्वाध्याय करना चाहिए। शिक्षण संस्थाओं में ये ग्रन्थ उपलब्ध कराना चाहिए। इन ग्रंथों के सार अंशों का छोटे-छोटे भागों में प्रकाशन होना चाहिए। गीताप्रेस गोरखपुर और गायत्री परिवार की तरह अन्य संस्थाओं को इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने की जरूरत है।

युवा अध्यात्म से जुड़ते हैं तो उनका शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास संभव हो सकेगा। यह सत्य है कि यम और नियम का पालन करने वाला मनुष्य संस्कारवान और अनुशासित रहता है। ऐसे स्वस्थ व्यक्ति देश के अच्छे नागरिक बनकर लोक कल्याण का ध्येय लेकर राष्ट्र की सेवा करते हैं। अतः युवाओं को अध्यात्म से जोड़ना हम सभी का कर्तव्य है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लिखें रोजाना तो तनाव होगा छूमंतर

अमोघा अग्रवाल

जब मानसिक स्वास्थ्य की बात हो तो हमारे दिमाग में कुछ शब्द आते हैं जैसे- अवसाद, मनोचिकित्सक, परामर्श व चिंता आदि, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य इससे कहीं अधिक है। हालांकि कोविड काल के बाद भारत में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में गंभीरता से बात होने लगी है, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक से लड़ने के साथ-साथ, हमें मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता लानी है। जागरूकता का उपयोग करने के साथ अपना ख्याल रखने की दिशा में भी काम करना होगा। हमें तनाव है, लेकिन हम नहीं जानते कि इसके बारे में किसी परामर्शदाता के पास जाने के अलावा क्या किया जाए, जो हर किसी के लिए सुविधाजनक विकल्प नहीं है। तो, सवाल है हम घर पर अपने मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल कैसे शुरू करें?

चिकित्सीय जीवन शैली परिवर्तन (टीएलसी) अवधारणा का उपयोग हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने में मददगार बन सकता है। टीएलसी के तहत पौष्टिक आहार, शारीरिक गतिविधि, ध्यान, रूटीन आदि आते हैं। यहां जर्नलिंग एक स्व-सहायता उपकरण है जो सक्रिय योगदान दे सकता है। जर्नलिंग केवल अभ्यास, लेखन और अनफि ल्टर्ड विचारों-भावनाओं को व्यक्त कर स्वयं-जागरूक होने और खुद के साथ सार्थक संबंध बनाने का एक तरीका है। एक मानसिक, भावनात्मक और व्यक्तिगत अभ्यास है जो हमें अपने आंतरिक संघर्षों और भ्रमों को सुलझाने के साथ-साथ अपने परिवेश के प्रति सचेत रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। जर्नलिंग कई प्रकार की है।

अभिव्यंजक जर्नलिंग : यहां, हम अपने विचारों और भावनाओं को बिना किसी फिल्टर के, जैसे ही वे आते हैं, लिखते हैं। यह हमें उन विचारों और भावनाओं से बाहर निकलने में मदद करता है जिन्हें साझा करने या स्वीकार करने में हम सहज नहीं थे। यह आपके सोचने के तरीके, ट्रिगर्स और भावनाओं के बारे में जागरूक होने में मदद करता है। सोच तर्कसंगत बनाने का भी मौका मिलता है।

कृतज्ञता : यह हमें उन चीजों को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है जिनके लिए हम आभारी हैं। यह हमें वर्तमान जीवन, रिश्तों, स्थितियों, परिवेश और यहां तक कि स्वयं में भी अच्छाई खोजने में मदद करेगा। शोधकताओं का कहना है कि हम जिस चीज के लिए आभारी हैं, उसके बारे में प्रतिदिन पांच मिनट लिखने मात्र से हमारी दीर्घकालिक खुशी 10 फीसदी बढ़ सकती है।

एक शब्द की पत्रिका : हम अपने दिन का वर्णन केवल एक शब्द से करके और उसे लिखकर शुरू कर सकते हैं। समय के साथ, हम अपने लिए एक पंक्ति लिखने के लिए आगे बढ़ सकते हैं और कुछ डूडलिंग भी कर सकते हैं। खुद को अभिव्यक्त करना सीखने की दिशा में यह अच्छा कदम है।

न भेजा गया पत्र : ऐसे क्षण आते हैं जब हम किसी से कुछ कहना चाहते हैं लेकिन कह नहीं पाते। न भेजे गए पत्र जर्नलिंग का अर्थ स्वयं को वह सब कुछ लिखने की अनुमति देना है जो हम किसी से कहना चाहते हैं। इसमें हम प्रतिक्रिया की चिंता किए बिना लिख सकते हैं जो कहना चाहते हैं।

फोटोग्राफी : यदि हम कुछ भी लिखना नहीं चाहते हैं, तो हम बस एक दिन में उन चीजों की फोटो क्लिक कर सकते हैं जो हमें आभारी, खुश या प्रेरित महसूस कराती हैं। इन तस्वीरों को दिन की किसी महत्वपूर्ण चीज के रूप में अपनी पत्रिका में जोड़ते हैं।

आर्ट जर्नलिंग : हम अपनी पत्रिकाओं में पेंटिंग, स्केचिंग, कलरिंग, डूडलिंग, क्राफ्टिंग आदि के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करना शुरू कर सकते हैं और यह आत्म-जागरूकता के माध्यम से जागरूक तरीके से मार्गदर्शन करने में मदद करेगा।

माइंडफुल और वेलनेस जर्नलिंग : यहां, हम यहां और अभी पर ध्यान केंद्रित करते हैं और लचीलापन प्रशिक्षण का उपयोग करके अपने दिन की योजना बनाते हैं। यह हमें आशावाद और हमारे दिन का समय-निर्धारण करने में मदद करता है। जर्नलिंग मदद करता है- हमारे दिमाग को शांत करने, आत्मनिरीक्षण करने और खुद को और अधिक जानने, वर्तमान के प्रति जागरूक होने, डिजिटल अवकाश, कृतज्ञता, आशावाद जगाने में। यह लचीलापन प्रशिक्षण बेहतर निर्णय लेने में योगदान देता है और स्थितियों को तर्कसंगत बनाता है। स्वस्थ आदतों के साथ उपचारात्मक विचारों को भी विकसित करता हे। जर्नलिंग हमारे मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल के लिए एक अच्छी तरह से स्थापित और सफल तरीका है वहीं सबसे किफायती, आसान और सुविधाजनक अभ्यास है। जर्नलिंग में अवसाद को रोकने, उत्साह को बढ़ावा देने की क्षमता है। ऐसे में हम अपने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना शुरू करें और इसके प्रति सचेत कदम उठाएं। तनाव अधिकांश मानसिक और शारीरिक बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जर्नलिंग के माध्यम से तनाव का प्रबंधन करना सीखना एक महत्वपूर्ण निवारक उपाय है।

आयकर से संबंधित महत्पूर्ण सावधानी

अजय दीप वाधवा,

मुझे लगता है कि सबको यह ज्ञात है कि जब हम वर्ष 2023- 24 का इनकम टैक्स रिटर्न भरेंगे तो हमसे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट यह आशा करेगा कि हम बाइ डिफॉल्ट नए टैक्स रिजाइम में ही टैक्स कैलकुलेट करें और रिटर्न न्यू टैक्स रिज्यूम के अनुसार ही भरें। अगले वर्ष से न्यू टैक्स रिजाईम ही डिफॉल्ट टैक्स रिजाइम होगा।

वैसे तो अभी अगले साल में देर है पर आम कर दाता को चाहिए कि वह अभी से कूच बातों का ध्यान रखें, जिस प्रमुख निम्न हैं

#अपने पैन आधार को अगर अभी तक लिंक नहीं किया गया है तो उसे अवश्य लिंक करवा दें,

#यह सुनिश्चित करें कि इनकम टैक्स रिटर्न को टाइम पर भर जाए इनकम टैक्स रिटर्न भरने के पहले फॉर्म 26 एस और एसीएस आदि को ठीक से देखले,

#इनकम टैक्स रिटर्न में हम अपना पता और मोबाइल नंबर वगैरह अपडेट रखें,

#अगर कोई जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से की गई है तो हम उसका जवाब समय पर दें ,

#अगर कोई एडवांस टैक्स वगैरह बनता है तो उसे हर क्वार्टर में टाइम पर पेमेंट कर दें ताकि ब्याज का बोझ ना आए,

#जब हम इमूवेबल जैसे जमीन आदि संपति खरीदें तो 50 लाख रुपए से ऊपर की प्रॉपर्टी पर टीडीएस वगैरह काट कर जमा कर दें जिससे बाद में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से कोई हमें समस्या ना खड़ी की जाएगा।

#एक बात हमें याद रखना है कि जो वेतन या पेंशन लेते हैं वे प्रतिवर्ष यह निर्णय ले सकते हैं कि नए टैक्स रिज्यूम में रिटर्न भरेंगे या पुराने रिज्यूम में; पर जो व्यवसाई हैं वे सिर्फ एक बार निर्णय ले सकते हैं। वे अपना निर्णय बहुत सावधानी से लें।

हम जो भी पैसा प्रोविडेंट फंड, न्यू पेंशन स्कीम, जीवन बीमा, फिक्स्ड डिपॉजिट, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट आदि में बचत कर रहे हैं उसको हम करते रहें क्योंकि यह सिर्फ इनकम टैक्स बचाने के साधन नहीं है, बल्कि हमारे बुढ़ापे का सहारा भी हैं। (मोटिवेटर सह कर सलाहकार, रांची)

भारत से बढ़ता दोहरा प्रतिभा पलायन खतरनाक

आईबीएम के सीईओ और चेयरमैन अरविंद कृष्णा ने हाल में कहा कि वह कंपनी के भारत स्थित आर ऐंड डी सेंटर में विकसित हो रहे नवाचारों को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस बात पर हम अपनी देसी तकनीकी विशेषज्ञता पर खुद की पीठ थपथपा सकते हैं। असल में भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियां सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) में जितना व्यापक और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कर रही हैं, वह दुनिया में हाई-टेक तेजी का काफी हद तक अनजाना पहलू है। उसके बारे में लोगों को बहुत कुछ नहीं पता।

ब्रेन-ड्रेन या प्रतिभा पलायन का यह एक पहलू है। पहले सरकारी खर्च पर देश के आला संस्थानों से शिक्षित और योग्य इंजीनियर और प्रबंधन छात्र रोजगार के अवसरों के लिए पश्चिम के देशों में चले जाते थे जो उनके कौशल का फायदा उठाकर उनको करियर में आगे बढ़ने का मौका उपलब्ध कराते थे। लेकिन अब ब्रेन-ड्रेन 2 खुद भारत में ही हो रहा है। आईबीएम जैसी अभिजात्य अमेरिकी कंपनी वास्तव में भारत में भारत की ही बौद्धिक क्षमताओं से मूल्य हासिल कर रही है।

इन नवाचारों से मिलने वाले वाणिज्यिक इस्तेमाल से न्यू यॉर्क में सूचीबद्ध और वहीं के मुख्यालय वाली कंपनी के मुनाफे में ही इजाफा होगा। देश के भीतर विकसित बौद्धिक संपदा का भारत स्थित विदेशी कंपनी को चले जाना देश के कार्यकारी रोजगार बाजार की मांग के तौर-तरीके में मौजूद विसंगति की झलक देता है।प्राथमिकता के क्रम में बात करें तो विदेशी कंपनियां, खासतौर पर टेक, इंजीनियरिंग या उपभोक्ता सामान, इसमें सबसे ऊपर हैं। भारतीय निजी क्षेत्र इसका अनुसरण करता है, पर उनकी संख्या बहुत कम है। इसमें आप टाटा समूह, रिलायंस, बजाज, महिंद्रा और भारत में विकसित इन्फोसिस, एचसीएल जैसी तकनीकी दिग्गज को शामिल है।

भारत बनाम इंडिया

सत्यनारायण गुप्ता

भारत में आयोजित की जी-20 शिखर सम्मेलन कितना सफल रहा या असफल या बहस जारी है ।इसकी क्या उपलब्धियां रहीं, सर्वसम्मत पारित प्रस्ताव ,भारत- मध्यपूर्व -यूरोप आर्थिक गलियारा पर बनी सहमति और ग्लोबल साउथ का नेतृत्व के लिए भारत की तैयारी जैसे मामलों पर अभी विमर्श जारी है। लेकिन एक बहस जो जी - 20 शिखर सम्मेलन के पूर्व से ही शुरू हो गया था वह था भारत बनाम इंडिया की बहस जी-20 के लिए सरकार की तरफ से प्रेषित निमंत्रण पत्र पर मेजबान का नाम ₹ प्रेसिडेंट ऑफ भारत₹ लिखा गया जो कुछ लोगों को नागवार गुजरा।

अब तक यही परंपरा थी कि अंग्रेजी बोलते समय हमारे देश का नाम इंडिया बोला जाता था और हिंदी बोलते समय देश के नाम के लिए भारत शब्द का इस्तेमाल किया जाता था। भारतीय संविधान में अनुच्छेद 1 में हमारे देश का नाम इंडिया डैट इज भारत लिखा हुआ है इसलिए विवाद का विषय यह है ही नहीं नहीं कि हम देश का नाम इंडिया बोलें- लिखें या भारत।अनेक संविधान विशेषज्ञो का भी यही मानना है कि हम कहीं भी कभी भी देश का नाम इंडिया अथवा भारत लिख-बोल सकते हैं। लेकिन जहां इंडिया समर्थक यह आरोप लगा रहे हैं कि सरकार धीरे-धीरे सभी जगह भारत का इस्तेमाल करना चाहती है । वहीं भारत समर्थक यह चाहते हैं कि अब देर नहीं करनी चाहिए और सविधान में संशोधन कर देश का नाम सिर्फ भारत रहने दिया जाना चाहिए। क्योंकि इंडिया शब्द गुलामी का प्रतीक है।

प्राचीन काल से भारत भूमि के अलग-अलग नाम रहे हैं जैसे जम्बूद्वीप ,भारत खंड, हिमवर्ष ,अजनाभबवर्ष, भारतवर्ष ,आर्यावर्त ,हिंद ,हिंदुस्तान और इंडिया मगर इनमें भारत सबसे ज्यादा लोकप्रिय और प्रचलित रहा है।

हिंद शब्द की उत्पत्ति सिंधु से हुई है लेकिन सिंधु नदी या सिंधु सागर ।दोनों से इसका संबंध जोड़ा जा सकता है। भारत में सिंधु नदी भी बहती थी और इसे सप्त सिंधु प्रदेश भी कहा जाता था। मध्य एशिया से आए लोग स नहीं बोल पाते थे और यूरोपीयों ने ह की जगह अ बोलना शुरू कर दिया। इस तरह सिंध हिंद हो गया और हिंद इंडिया। एक प्रचलित मान्यता है कि भारत देश का नाम दुष्यंत पुत्र भरत के नाम पर पड़ा किंतु दशरथ पुत्र भरत और भरत मुनि जैसे भरत भी हमारी परंपरा में हैं। अनेक इतिहासकार 10 राज युद्ध में विजयी राजा भरत को भी भारत शब्द की उत्पत्ति का कारण मानते हैं।

भारत ही नहीं अनेक देशों ने विभिन्न कर्म से अपने पुराने नाम बदलकर नए नाम रखे हैं अभी हाल ही में तुर्की तुर्की यह हो गया, बर्मा म्यांमार हो गया, हॉलेंड नीदरलैंड हो गया ,सीलोन श्रीलंका हो गया, चेक गणराज चकिया हो गया। ईरान, मेसिडोनिया,थाईलैंड,ईस्ट तिमोर, इराक आदि सैकड़ो ऐसे देश हैं जिनके नाम बदले गए हैं। भारत में भी चेन्नई ,पुदुचेरी, तिरुवनंतपुरम, प्रयागराज, दीनदयाल उपाध्याय नगर, गौतम बुद्ध नगर ,कोलकाता, मुंबई और गुरुग्राम जैसे शहरों के नाम बदलकर रखे गए हैं।

लेकिन यहां मसला नाम बदलने का तो है ही नहीं, देश का नाम क्या पुकारे बहस इस पर है भारत अथवा इंडिया। हिंदी प्रेमी तो यही चाहेंगे कि देश का नाम भारत ही पुकारा जाए। इसमें कोई संवैधानिक अड़चन भी नहीं है।

सीआरसी रांची से विशेष शिक्षा में अपने करियर को नयी ऊंचाइयों पर ले जायें

कॉम्पोजिट रीजनल सेंटर (सीआरसी) रांची, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विशेष शिक्षा में डिप्लोमा (डीएड एसई-आईडीडी) पाठ्यक्रम के लिए शैक्षणिक वर्ष 2024-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहा है। यह पाठ्यक्रम आरसीआई (रीहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया) से मान्यता प्राप्त है।

दोनों वर्षों के लिए कुल शुल्क 35,250 रुपये है परंतु यह पाठ्यक्रम विकलांग व्यक्तियों के लिए पूरी तरह से निःशुल्क है।

योग्यता : आवेदकों का 10+2 परीक्षा में न्यूनतम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

झारखंड का एकमात्र सरकारी संस्थान : सीआरसी.रांची झारखंड का एकमात्र सरकारी संस्थान है जो इस प्रकार के विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम की पेशकश करता है।

सीआरसी रांची में विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, विशेष शिक्षा, प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप, प्रोस्थेसिस और ऑर्थोसिस, स्पीच और हियरिंग थेरेपी शामिल हैं।

विकलांग व्यक्तियों के लिए सभी सेवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। अधिक जानकारी और आवेदन के लिए, निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें : रिहेबिलिटेशन ऑफिसर (8987632707), असिस्टेंट प्रोफेसर स्पेशल एजुकेशन (9453664736)

नामांकन की अंतिम तिथि 14 जून 2024 है।

आइए, 2047 तक भारत को ज्ञान का शक्ति केंद्र बनाएं

ले. जन. एसएस मेहता (अ.प्रा.)

आत्मनिर्भरता के लिए शंखनाद से अभिप्राय है भारत को ज्ञान की धुरी बनाना, औपनिवेशिक मानसिकता से छुटकारा और ह्यसस्ते श्रमिकों वालीह्न अर्थव्यवस्था से ह्यज्ञान की कमाई वालीह्न आर्थिकी में तबदील करना। हमारी मंजिल ह्यज्ञान का शक्ति केंद्रह्न बनना है।

इसके लिए, हमारे पास सामर्थ्य है, आकार है और जनांकिकीय लाभांश है और अब वृद्धिमान आर्थिक कूवत भी है। सकल घरेलू उत्पाद में 8 प्रतिशत सतत वृद्धि बने रहने की आस और 6-जी के लिए नव-लहर प्रोत्साहन, चिप डिजाइन और चिप उत्पादन, नव-ईंधन (हाइड्रोजन एवं बायोफ्यूल), पवन एवं सौर ऊर्जा, अनेकानेक यूनिकॉर्न कंपनियां और स्टार्टअप्स का माहौलझ्र ये सब, पर्यावरण मित्र और घरेलू उत्पादों की लहर बनाने की संभावना रखते हैं। 6-जी और चिप उत्पादन रणनीतिक महत्व रखते हैं जिससे डिजिटल क्रांति का मार्ग प्रशस्त होगा। यह वक्त दूसरों की तकनीक का अनुसरण करते रहने से परे हटने का भी है। वक्त आ गया है कि हम अपनी क्षमताएं बढ़ाएं और नेतृत्व करें। हमें तकनीकी प्रदाता बनना ही होगा।

कॉर्पोरेट्स, सार्वजनिक एवं निजी, दोनों को मिशन-मॉड मानसिकता रखकर निवेश करने की जरूरत है। इससे सबसे अधिक फायदा होगा सुरक्षा का, चाहे राष्ट्रीय हो या नागरिक, और यह दोनों मिलकर बृहद राष्ट्रीय शक्ति में इजाफा करते हैं।

किंतु पहले, जमीनी हकीकत की जांच करनी होगी। हमारी रूपांतरण यात्रा में कुछ क्षेत्र नाजुक दशा में हैं। यूएनडीपी की वैश्विक ज्ञान सूचकांक रिपोर्ट (2023) के अनुसार, 133 देशों की सूची में कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में, हमारा स्थान यूनिवर्सिटी-पूर्व शिक्षा में 96वां (अमेरिका का नौवां), तकनीकी-व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण में 119वां (अमेरिका दूसरे स्थान पर), उच्च शिक्षा में 106वां (अमेरिका चौथे नंबर पर), अनुसंधान एवं विकास और इनोवेशन में 54वां (अमेरिका पांचवें पायदान पर), आईसीटी यानी सूचना एवं संचार तकनीक में 83वां (अमेरिका दूसरे स्थान पर) है। दरअसल, समाधान हैं इनोवेशन और विकास। नवोन्मेष एक विचार को दूसरे पर रखकर विकसित करते जाने की प्रक्रिया है जिसका परिणाम है नूतन उत्पाद, प्रसंस्करण या सेवा, जिसका आगे व्यापारीकरण होने के बाद यह व्यावहारिक उपयोग में आती है। विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में विकास एक समय में एक कदम के हिसाब से आगे बढ़ता है, और भावी पीढ़ियों में नवाचार करने की भावना भरने की हसरत रखता है। इसके लिए रट्टा आधारित शिक्षा तजकर जिज्ञासा एवं नवाचार वाला मॉडल अपनाने की जरूरत है, जो रट्टा लगाकर उत्तर देने वाली प्रचलित प्रणाली को चुनौती देती है। हां, यह सही है कि 50 जमा 40 नब्बे होते हैं, लेकिन यदि कोई बच्चा कहे कि योग सौ से नीचे है तो उसने आपको एक स्वीकार्य उत्तर दे डाला है। रट्टा पद्धति से शिक्षा नवाचार की विरोधी है।

बगीचों के शहर नाम से प्रसिद्ध बेंगलुरू हमारे देश की सिलिकॉन वैली है, बल्कि सिलिकॉन कालोनी कहना ज्यादा उचित होगा। यहां के आईटी उद्योग में, हम दूसरों के लिए बतौर श्रमिक काम कर रहे हैं , दूसरे तैयार माल पर ठप्पा लगाकर लाभ कमाते हैं और हम ऐसे तैयार उत्पाद के लिए दाम चुकाने वाले खरीदार हैं। शुरूआत करने के लिए यह ठीक था, यह दुनिया को हमारे कौशल का प्रदर्शन के लिए भी सही था। वर्ष 2000 आते-आते इसने तेजी पकड़ी लेकिन अब उस युग का फायदा कब का पुराना पड़ चुका। बेंगलुरू बदल तो रहा है किंतु रफ्तार हमेशा की भांति धीमी है। 2047 की राह में बेंगलुरू को अन्य दर्जनभर ज्ञान-केंद्रों (हैदराबाद, चेन्नई, पुणे और कई अन्य शहर) में एक बने रहने के लिए अपनी चाल में तेजी लानी होगी। बेंगलुरू को अपना स्तर उच्चतर करने के लिए ह्यचिप नेट इंटिग्रेशन कैपिटलह्न में तबदील होने की जरूरत है जिससे कि आगामी लहर के सिलिकॉन हब के तौर पर मार्ग प्रशस्त कर सके। कमियों के बावजूद हमें अगली पीढ़ी की प्रतिभा को भुनाने के लिए एक बृहद एवं पुरस्कृत करने वाली नवोन्मेष व्यवस्था का निर्माण करने की आवश्यकता है। हमारे पास प्रत्येक स्तर पर प्रतिभा बहुतायत में है, हमें बस इसका उपयोग करने की राह ढूंढ़ने की जरूरत है। अगली पीढ़ी (जेन-नेक्सट) भी अपनी उपयोगिता सिद्ध करवाने के लिए अवसरों का इंतजार कर रही है। जैसे ही उन्हें यह हासिल होंगे तो न केवल भारत बल्कि समूची मानवता का भला हो जाएगा।

जेन-नेक्सट, यह चाहे जहां हो, इसने भारत के बाहर या बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करते हुए, अथक रूप से एवं बारम्बार सिद्ध कर दिखाया है कि इसका योगदान विश्वस्तरीय है। इस पर लगाम कसने की बजाय खुली छोड़ दें और इन्हें सशक्त बनाएं। रट्टे वाली पढ़ाई से छुटकारा पाएं। यह सिखाना कि विचार क्या होने चाहिए से अधिक महत्वपूर्ण है विचार कैसे पैदा किए जाएं। भारत को ज्ञान का शक्ति-केंद्र बनाने के मिशन में पांच पहलकदमियां आवश्यक हैं। प्रथम, शिक्षा की गुणवत्ता ऊंची उठाना। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक शुरूआत है किंतु इसका क्रियान्वयन धीमा है और इसमें सीखने और तालमेल बिठाने वाला तंत्र नदारद है। ह्यएक साइज सबके लिए वालीह्न नीति काम नहीं आने वाली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति बतौर एक सहायक ढांचे तक ही ठीक है। इससे छात्र और श्रमिकों को पूरे भारत में कहीं भी जाकर क्रमशः पढ़ने या काम करने में सहायता मिलेगी। इससे आगे, राज्य सरकारों को उनकी जरूरतों के माफिक बैठती नई योजना बनाने और अमल में लाने की जरूरत है। द्वितीय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर नौकरशाही का नियंत्रण ढीला करना जरूरी है ताकि मौजूदा यथास्थिति में बदलाव लाकर नई खोजों के लिए माहौल बनाने हेतु फंड आसानी से मिल पाए, वह जो रचनात्मकता प्रोत्साहित करता हो और नवाचार को पुरस्कृत। तृतीय, बौद्धिक सम्पदा अधिकार में सेंध लगाने या चोरी पर लगाम लगाने के लिए कानून प्रवर्तन में सुधार लाया जाए। चतुर्थ, ग्रांट प्राप्तकर्ता की जवाबदेही तय करने वाली धारा जोड़ी जाए, ग्रांट-सब्सिडी पाने का आवेदन करते वक्त, इससे रोजगार अवसरों में बढ़ोतरी एवं नागरिक भलाई की संभावना को प्रपोजल का हिस्सा बनाया जाए। पंचम, कॉर्पोरेट्स में निवेश आदि को लेकर जिंदादिली की भावना पैदा करने वाले नियम बनाए जाएं।

लंबे अर्से से, सच में भारत निर्मित एवं वैश्विक स्तर पर बेचने लायक उत्पाद हम नहीं बना पा रहे। यह उत्पाद कोई वस्तु अथवा सेवा हो सकती है। 6जी मिशन इस दिशा में एक बहुत अच्छी शुरूआत है। मजेदार बात है कि इस बाबत विश्व बैंक ने चार स्तंभों वाला तंत्र बनाने की सलाह दी है, वह जो मानव-पूंजी आधारित अर्थव्यवस्था की तार्किकता का विश्लेषण करता हो। एक मजबूत ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की स्थापना के लिए शिक्षित एवं कौशलयुक्त श्रमबल होना जरूरी है। आईसीटी संसाधनों तक आसान पहुंच मुहैया करवाने वाला सघन एवं आधुनिक सूचना तंत्र हो ताकि पैसे का लेन-देन करते वक्त उच्च सेवा शुल्क से बचा जा सके। प्रभावशाली नवोन्मेष नूतन तकनीक का उच्चतर स्तर बनाने में मददगार होगा, इसे जारी रखा जाए और घरेलू अर्थव्यवस्था में इस्तेमाल किया जाए। एक ऐसी संस्थागत प्रशासनिक व्यवस्था हो, जो नव उद्यमों को छूट देने और प्रोत्साहित करने वाली हो।

अब जबकि बुनियादी ब्लॉक्स एक बार अपनी सही जगह जमा दिये जाएं, हमें महीन जांच करते हुए पांच परतों वाली राह जोड़ने की जरूरत होगी। प्रथम, राष्ट्रीय शिक्षा तंत्र के सहायक ढांचे के अंदर, राजकीय समाधान विकसित करें और इन पर अमल करें। द्वितीय, उच्चतर शिक्षा में गहराई लानाझ्र जैसे कि क्वांटम कम्प्यूटिंग, फोटोनिक्स, चिप डिजाइन और इस जैसी अन्य विधाएं। तृतीय, मूल्य श्रृंखला के तमाम स्तरों पर चिप उत्पादकता और अन्य ज्ञान सृजन का कौशल उच्चतर करना। चतुर्थ, हमारे 6-जी नवोन्मेष मिशन हेतु प्रयास निरंतर जारी रहें। अनुसंधान एवं विकास किसी देश को वैश्विक मंच पर उच्च स्थान पर रखते हैं, मानक और खासियतें तय करते है। पंचम, फैक्टरियों के उत्पादन में तेजी लाने के लिए इंडस्ट्री 4.0 श्रेणी की स्वचालित प्रणाली और 3-डी प्रिंटिंग अपनाई जाए।टीएन नाइनन ने द ट्रिब्यून में छपे अपने हालिया लेख में माओ ज़िदोंग के शब्दों को उद्धत करते हुए लिखा ह्यपूर्वी हवा पश्चिमी वायु को पछाड़ रही है- और वैश्विक शक्ति संतुलन में- पूर्वी हवा का वेग पहले की अपेक्षा तगड़ा हैह्न, यहां वे एकदम सही हैं। चूंकि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूर्व में है, हमें पूर्वी हवा को मजबूत करने में अधिक योगदान डालने की जरूरत है। भारतीय विचारों का वैश्वीकरणझ्र आक्रामकता रहित, नरमी रखना, धमकाने से परहेज, बांटना और दूसरों का ख्याल रखना है।

स्पीड न्यूज

आज रांची में सम्मानित किये जायेंगे राजेश मार्डी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के सारजमदा निवासी ट्राईबल ब्लड मैन के नाम से मशहूर आदिवासी युवा रक्तदाता राजेश मार्डी को 74वीं बार रक्तदान कर कोल्हान प्रमंडल का पहला आदिवासी बनने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के उत्कृष्ट योगदान देने के लिए 14 जून को रांची के नामकुम स्थित आईपीएच ऑडिटोरियम में सुबह 11 बजे सम्मानित किया जायेगा। आज विश्व रक्तदाता दिवस पर झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, रांची झारखंड के सौजन्य से इस सम्मान समारोह रखा गया है। राजेश मार्डी सामाजिक संस्था नयी जिंदगी परिवार, जमशेदपुर के संस्थापक सचिव भी हैं तथा एक निजी कंपनी में मजदूर के रूप में कार्यरत हैं। ग्रामीण क्षेत्र के नए युवाओं को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करते हैं और स्वयं भी अब तक 74वीं बार रक्तदान कर चुके हैं।

धालभूमगढ़ में लू लगने से एक युवक की मौत

घाटशिला। धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के बन्नै कॉलोनी में गुरुवार की अहले सुबह लू लगने से बिहार के जमुई का रहने वाला मोहम्मद रिजवान बेहोश हो गया। परिजनों ने उसे आनन-फानन में एक निजी चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती कराया। वहां पर दो बोतल स्लाइन चढ़ाने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने युवक की स्थिति को गंभीर देखते हुए दूसरे जगह ले जाने की सलाह दी। इस दौरान उस युवक को 108 एंबुलेंस से धालभूमगढ़ सीएचसी लाने के क्रम में ही उसकी मौत रास्ते में ही हो गयी। अस्पताल पहुंचने के बाद युवक की जब जांच चिकित्सकों ने किया तो उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही युवक की मौत हो चुकी थी, लेकिन संभावना है कि युवक की मौत लू लगने से ही हुई है। मो रिजवान धालभूमगढ़ में ही अपने किसी रिश्तेदार के यहां रहकर मोटर मैकेनिक के रूप में काम करता था। गुरुवार की अहले सुबह से उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गयी।

ब्रह्मर्षि विकास मंच ने किया धर्मेंद्र को सम्मानित

जमशेदपुर। गत दिनों विकास मंच जमशेदपुर ने बारीडीह चुना मैदान स्थित क्लब हाउस में शाहिद बरमेश्वर सिंह मुखिया के शहादत दिवस पर रक्त दान समारोह आयोजित किया था, जिसमें शहर के गणमान्य भारी संख्या में उपस्थित हुए और 85 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। आयोजन में मदद करने के लिए ब्रम्हर्षि विकास मंच इस्टप्लांट बस्ती के अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

टाटा स्टील ने ऑस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के साथ किया एमओयू

- सस्टेनेबिलिटी-केंद्रित सेंटर फॉर इनोवेशन स्थापित करने के लिए हुआ समझौता सस्टेनेबल सोर्स से रिसोर्स रिकवरी और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग पर होगा काम
- दोनों देशों के बीच ज्ञान और प्रतिभा के आदान-प्रदान को मिलेगा बढ़ावा

खबर मन्त्र ब्यूरो

मुंबई/जमशेदपुर। टाटा स्टील और ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी ने एनवायरनमेंट और इंटेलिजेंट मैन्युफैक्चरिंग पर सेंटर फॉर इनोवेशन स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, ताकि डीकाबोर्नाइजेशन, सस्टेनेबल सोर्स से रिसोर्स रिकवरी और उन्नत, एडिटिव और डेटा-संचालित मैन्युफैक्चरिंग के लिए प्रौद्योगिकियों जैसी समकालीन वैश्विक चुनौतियों पर सहयोग किया जा सके। यह समझौता ज्ञापन एक मील का पत्थर है जो किसी ऑस्ट्रेलियाई संस्थान के साथ टाटा स्टील के पहले प्रमुख अनुसंधान और विकास सहयोग की शुरुआत का प्रतीक है। यह सहयोग छात्रों और शिक्षाविदों के लिए शैक्षिक और व्यावसायिक अवसर प्रदान करेगा, जिससे भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ज्ञान और प्रतिभा के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। व्यापक स्तर पर, यह साझेदारी ऑस्ट्रेलियाई इनोवेशन इकोसिस्टम को भारत के साथ मजबूत संबंध बनाने में मदद करेगी।

टाटा स्टील के सीईओ और प्रबंध निदेशक टी. वी. नरेंद्रन ने कहा, दुनिया में दूसरे सबसे बड़े इस्पात उत्पादक देश के रूप में, वैश्विक इस्पात उद्योग में भारत की भूमिका ने न केवल मात्रा और गुणवत्ता के मामले में, बल्कि दुनिया के पसंदीदा मिश्र धातु के निर्माण के तरीके के मामले में भी काफी प्रगति की है।

एमओयू के पश्चात दस्तावेज का आदान प्रदान करते टीवी नरेंद्रन और प्रो डी बेन मीर।

भारत में सबसे पुराने इस्पात निर्माता के रूप में, टाटा स्टील ने अधिक सस्टेनेबल विनिर्माण विधियों की दिशा में बदलाव का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली है। आज, हम एक विस्तृत इकोसिस्टम का निर्माण कर रहे हैं जिसमें शिक्षा जगत और स्टार्टअप की दुनिया के भागीदार शामिल हैं। मोनाश विश्वविद्यालय के साथ हमारा समझौता, जो मटेरियल साइंस में एक प्रभावशाली तथा प्रतिष्ठित संस्थान है और अनुसंधान को बाजार के लिए तैयार समाधानों में बदलने की क्षमता रखता है, जो इस इकोसिस्टम में एक अतिरिक्त सुविधा है। हम एक उपयोगी साझेदारी की आशा करते हैं जो नये व्यावसायिक अवसरों के द्वार खोलेगी और हमारे लोगों और पृथ्वी के लाभ के लिए तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाएगी।

मोनाश विश्वविद्यालय के उप कुलपति (एंटरप्राइज तथा एंगेजमेंट) और वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रोफेसर डोरोन बेन-मीर ने कहा, हमें मटेरियल साइंस और रासायनिक प्रक्रिया अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए टाटा स्टील के साथ सहयोग करने पर खुशी है। इस कद के वैश्विक उद्योग साझेदार के साथ काम करना महत्वपूर्ण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के विकास को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

इंजीनियरिंग संकाय के प्रोफेसर मैनाक मजूमदार और 2डी मटेरियल (एएम2डी) के साथ उन्नत विनिर्माण के लिए एआरसी अनुसंधान केंद्र के निदेशक ने कहा, सेंटर फॉर इनोवेशन स्थानीय रूप से सोचने, लेकिन वैश्विक रूप से कार्य करने के हमारे मिशन के साथ रणनीतिक रूप से संरेखित है, क्योंकि हम ऑस्ट्रेलिया में विकसित विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए प्रभाव पैदा करने का प्रयास करते हैं।

टाटा बस्तियों में पानी, बिजली व सफाई की सुविधा देने को तैयार

- विधायक सरयू राय और टाटा स्टील यूआईएसएल के बीच बनी सहमति
- मनीफीट, शिव सिंह बगान, काशीडीह, साकची में बनगी सड़क

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। विधायक श्री सरयू राय ने गुरुवार को टाटा स्टील यूआईएसएल के महाप्रबंधक श्री आर के सिंह के साथ जुस्को महाप्रबंधक कार्यालय में बैठक किया। सड़क निर्माण, नाली निर्माण, जलापूर्ति, बस्तियों में बिजली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर वार्ता हुई। यह बैठक लगभग दो घंटे तक चली।

बैठक में यह तय हुआ कि भुइयांडीह, नंदनगर इलाके में जुलाई और लालभट्ठा, बाबुडीह में जुलाई के अंतिम सप्ताह से पेयजल कनेक्शन के लिए फॉर्म वितरण किया जायेगा। इसके साथ ही ये भी तय किया गया कि जोजोबेड़ा बस्ती, नीलकंठ अपार्टमेंट एवं अन्य अपार्टमेंट में 15 जुलाई से पेयजल कनेक्शन का फॉर्म वितरण किया जायेगा। बैठक में इस बात का फैसला हुआ कि महानंद बस्ती, मनीफीट एवं आसपास के क्षेत्र के लोग पेयजल कनेक्शन ले सकते हैं। जुस्को जलापूर्ति करने के लिए राजी है।

टाटा स्टील यूआइएसएल के जीएम के साथ बैठक करते जमशेदपुर पूर्वी के लोकप्रिय विधायक सरयू राय।

श्री राय और महाप्रबंधक के बीच वार्ता में यह बात सामने आई कि बागुनहातु क्षेत्र में जुस्को बिजली देने के लिए नशामुक्ति केन्द्र के समीप सब स्टेशन निर्माण का कार्य शुरू हो गया है जो 2 महीने के भीतर तैयार हो जायेगा। उसके उपरांत बस्तियों में नेटवर्क बिछाकर घरों में कनेक्शन देने का काम शुरू हो जाएगा।

बैठक में बताया गया कि मोहरदा, मुराकाटी और आस्था क्षेत्र में जुस्को बिजली देने के लिए केबुल बिछाने का काम प्रारंभ हो गया है। इसके साथ ही सब स्टेशन निर्माण के लिए टेल्को सीवेज प्लांट, समीप रमनी काली मंदिर के पास स्थल का भी चयन हो गया है। एक-दो दिनों में टाटा मोटर्स से अनापत्ति प्रमाण -पत्र मिलते ही मोहरदा क्षेत्र के लिए सब स्टेशन निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

इस बैठक में क्षेत्र के बड़े नाले एवं बस्तियों से निकलने वाली नालियों को भी जीर्णोद्धार, पक्का करने एवं साफ-सफाई करने पर सहमति बनी।

ये तय हुआ कि मनीफीट, बमार्माइंस, सिदगोड़ा, शिव सिंह बगान, काशीडीह, साकची आदि बगान एरिया में सड़क और नाली का निर्माण किया जायेगा।

बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि गोलमुरी, विजयनगर मंदिर के समीप खाली भूखंड पर पार्क का निर्माण कराया जायेगा। इसके साथ ही ये भी फैसला हुआ कि मोहरदा, फेज 2 पर कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जायेगा। फेज 1 के बचे इलाकों में लगभग 6 किलोमीटर तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य भी होगा। फेज 2 में भुवनेश्वरी मंदिर के तलहटी में पानी टंकी का निर्माण कराया जायेगा जिससे ऊंचाई पर बसे घरों में जलापूर्ति संभव हो सकेगा।

राजनगर में सीएम चंपई सोरेन का आगमन 16 को

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। 16 जून को फुटबॉल मैदान मतकामबेडा, राजनगर में प्रस्तावित शिलान्यास एवं उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम मे माननीय मुख्यमंत्री के आवागमन, हेलीपेड, बेरीकेटिंग, वाहन पार्किंग, यातायात परिचालन, कार्यक्रम स्थल पर लाभुकों की बैठने की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर पेयजल एवं चलन्त शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था

आदी का जायजा ले सम्बन्धित पदाधिकारी को सभी तैयारियां ससमय पूर्ण करनें के निर्देश दिये। मौके पर राजनगर बीडीओ मलय कुमार, सीओ हरीश चंद्र मुंडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, विभिन्न विभाग का कार्यपालक अभियंता तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित रहे।

पुत्र ने बुजुर्ग मां-पिता का साथ छोड़ा विधायक मंगल ने भेजवाया वृद्धाश्रम

खबर मन्त्र ब्यूरो

- जुगसलाई के लोकप्रिय विधायक मंगल कालिंदी ने पेश की मानवता की मिसाल

जमशेदपुर। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के परसुडीह के जगदीश बागान हालुदबनी में रहने वाले बुजुर्ग श्याम साहा 77 वर्षीय पति और 71वर्षीय पत्नी सती रानी साहा को उनके पुत्र ने अकेला छोड़ दिया था जिसकी वजह से उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था। बुजुर्ग की हालत देख कर स्थानीय लोगों ने कुछ दिन तक होटल में रखकर मदद भी की। इसकी सूचना स्थानीय लोगों से जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी को मिली इसके बाद विधायक ने बुजुर्ग पति-पत्नी जिन्हें चलने में भी काफी परेशानी हो रही थी, जिसे देख हुए विधायक ने वाकिंग स्टिक दी और उसके बाद सरायकेला के पास फुरीदा संस्था के वृद्ध आश्रम में भेजने का प्रबंध किया। बुजुर्ग पति-पत्नी ने नम आंखों से विधायक को इस मदद के लिए आशीर्वाद दिया।

ओल्ड एज होम में बुजुर्ग दंपत्ति को जगह दिलवाते विधायक मंगल कालिंदी।

रेलवे की उपेक्षा का शिकार कोयलांचल, उजड़ता आशियाना, खामोश राजनीतिज्ञ

झरिया के बाद अब कतरास स्टेशन की बारी

भू धंसान और अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में बिछी पटरियों पर सरपट दौड़ती है रेलगाड़ी

ज्ञानवर्द्धन मिश्र

धनबाद। झरिया के बाद अब कतरास की बारी है। भू धंसान और अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में बिछी पटरियों पर सरपट दौड़ती रेलगाड़ियों के पहिये किसी भी क्षण थम सकते हैं। अब से कोई 22 वर्ष पहले धनबाद झरिया पाथरडीह के बीच गाड़ियों का परिचालन बंद हुआ था। वर्ष 2002 के जुलाई के महीना में झरिया वासियों ने झरिया स्टेशन पर आखरी सवारी गाड़ी का परिचालन होते देखा था। वर्ष 2004 मे झरिया .पाथरडीह रेल मार्ग मालगाड़ी समेत सभी प्रकार की ट्रेनों का परिचालन बंद हो गया और इसी के साथ सबसे व्यस्तम रेल मार्गो मे शुमार झरिया का रेलवे स्टेशन अतीत के पन्नों मे सदैव के लिए समा गया। अब कतरास गढ़ स्टेशन के भी अतीत का पन्ने में समा जाने का अंदेशा है। वर्ष 2002 के केंद्र की सत्ता पर काबिज स्व अटल बिहारी

वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने झरिया .पाथरडीह रेल लाइन के आसपास कोयले में लगी भूमिगत आग के प्रभाव से हजारों यात्रियों के जान माल की सुरक्षा को देखते हुए उक्त मार्ग पर सवारी गाड़ी का परिचालन बंद करने का आदेश दिया था जिसको लेकर पूरा कोयलांचल मे जमकर विरोध प्रदर्शन हुए थे। झरिया कोलफील्ड बचाओ समिति के बैनर तले झरिया के लोगों ने हजारों हजार की संख्या पदयात्रा कर धनबाद उपायुक्त कार्यालय समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया था। डीवाईएफआई समेत कई राजनीतिक पार्टियों ने आंदोलन भी किये थे। जिसका नतीजा रहा कि वर्ष 2002 मे पूर्व राष्ट्रपति स्व अब्दुल कलाम ने मजदूर नेता व बोकारो के पूर्व विधायक समरेश सिंह के अथक प्रयास के बाद झरिया के भू.धंसान व अग्निप्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था। जायजा लेने के दौरान स्व अब्दुल कलाम ने कहा था कि इस आग को बुझाया जा सकता है। लेकिन ठीक इसके विपरीत 17 दिसंबर 2022 को कोयलांचल के दौरे ओर आये कोयला सचिव अमृत लाल मीणा ने झरिया का दौरा कर साफ कह दिया कि बिना कोयला निकाले भूमिगत आग पर काबू नही पाया जा सकता है।

आंदोलन पर डीसी लाईन हुआ था चालू : 2017 को आग और भू.धसान क्षेत्र होने का हवाला देकर बंद कर दिया गया था।डीजीएमएस ने इस क्षेत्र में रेल गाड़ियों के गमनागमन प को खतरनाक बताया था लेकिन जनप्रतिनिधियों व स्थानीय लोगों के जन आंदोलन के बाद 25 फरवरी 2019 को डीसी लाईन पुन चालू कर दिया गया था। वही बात अगर झरिया की करे तो झरिया के स्थानीय लोगों का आरोप है कि झरिया के जनप्रतिनिधियों ने हमेशा झरिया की आग के मुद्दे पर राजनीति रोटी सेंकी है। अगर अबतक के किसी भी जनप्रतिनिधि ने इस मामले को गंभीरता से लिया होतो तो शायद ही आज ऐतिहासिक शहर अपनी अस्तित्व को बचाने की लड़ाई ना लड़ रहा होता। यहां की राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने इस मुद्दे को लेकर थोड़ी सी भी ईमानदारी दिखाई होती तो शायद सरकार व रेलवे को अपना आदेश वापस लेने को मजबूर होना पड़ता।

15 साल के एग्रीमेंट का क्या हुआ

दरअसल वर्ष 2007 मे रेलवे ने झरिया पाथरडीह रेल मार्ग वाली जमीन को बीसीसीएल को 15 वर्ष के अग्रीमेंट पर 3ए50ए00000 लाख के लीज पर दिया गया था। अग्रीमेंट के अनुसार बीसीसीएल कोयला निकाल भूमिगत आग को बुझा उक्त जमीन को समतलीकरण कर वापिस रेलवे को सौप देगा। वही रेलवे और बीसीसीएल मे हुए इस करार को पंद्रह वर्ष पूरे हो गए लेकिन स्थिति जस की तस है। ना ही आग बुझाने का प्रयास हुआ और ना ही उक्त क्षेत्रों से कोयला की निकासी पूरी हो सकी।

एक नजर में

श्री साईं देवस्थानम में गुरुवार भंडारा सेवा बहाल

जमशेदपुर। गुरुवार को साई परिवार विश्व सेवा संस्थान, जमशेदपुर के तत्वावधान में श्री साईंनाथ देवस्थानम, घोड़ाबांधा में गुरुवार भंडारा सेवा फिर से प्रारंभ कर दी गयी है, मध्यान आरती के पश्चात भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमे आस पास के भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। अब से प्रत्येक गुरुवार को दोपहर 12.30 बजे मध्यान आरती पश्चात भंडारा का आयोजन किया जायेगा। ज्ञात हो कि भंडारा कोरोना के दौरान स्थगित रखा गया था। संस्थान के द्वारा भक्तों के सहयोग से गुरुचार भंडारा सेवा 2014 से नियमित रूप से आयोजन किया जाता था। कोई भी भक्त जन्मोत्सव, वर्षगांठ या विशेष तिथि में भंडारा का आयोजन करना चाहते हैं तो श्री साईंनाथ देवस्थानम मंदिर कार्यालय से 9031098102 पर संपर्क कर सकते है।

फन वर्ल्ड डिजनीलैंड में फिश टनल देखने उमड़ी भीड़

जमशेदपुर। आमबगान मैदान, साकची, जमशेदपुर स्थित फन वर्ल्ड डिजनीलैंड में बहुप्रतिक्षित 48 मीटर लंबा और 11 मीटर गहरा वाटर फिश टनल का शुभारंभ होते ही काफी संख्या में भीड़ उमड़ रही है। ज्ञात रहे कि दुबई स्थित एक मॉल के थीम पर आधारित यह फिश टनल भारत का अभी तक का फन वर्ल्ड में चलने वाला सबसे बड़ा फिश टनल है और इस कॉनसेप्ट को जमशेदपुर में पहली बार प्रदर्शित किया गया है। इसमें लगभग 400 प्रकार की काफी मंहगी मछलियाँ हैं जैसे फ्रेश वाटर डॉलफिन, इम्पोटेड ऑस्कर फिश, एलिगेटर गार फिश, वाइट ब्लैक शार्क, गोला फिश, किशिंग फिश, औरेंडा फिश, रैम्बो फिश, क्रोकोडाईल फिश सहित अनेकों प्रकार की रंग-बिरंगे मछलियाँ मंगायी गयी है। इसके अलावा फन वर्ल्ड डिजनीलैंड में बच्चों एवं बड़ों के मनोरंजन हेतु जो झूले लगाये गये हैं उनमें सुपर ड्रैगन, ब्रेक डांस, टोरा-टोरा, ड्रैगन ट्रेन आदि लगाया गया है।

पोटका सीओ निकिता बाला ने बालू लदे हाइवा को किया जब्त, अब होगी कानूनी कार्रवाई

पोटका। अंचल पदाधिकारी निकिता बाला ने आज प्रातः 6 बजे कवाली थाना क्षेत्र के बानाकाटा रोड में औचक छापामारी कर अवैध रूप से बालू परिवहन करते एक हाइवा ट्रक को पकड़ा। जिसका नंबर जे एच 05ए एल 1297 है। हाइवा गाड़ी में किसी तरह का वैध चालान नहीं पाया गया। चालक भागने में सफल रहा। अंचल अधिकारी ने अवैध बालू परिवहन करने के खिलाफ भा द वि की धारा 379/411, 4/21 एम एम डी आर के अंतर्गत मामला दर्ज किया किया है। बालू तथा गिट्टी के अवैध खनन तथा परिवहन पर रोक लगाने के लिए अंचल अधिकारी पोटका के द्वारा प्रखंड क्षेत्र में लगातार छापामारी की जा रही है। इसके पूर्व 5 मई 24 को अंचल अधिकारी ने कवाली थाना क्षेत्र के रासुन चोपा मध्य विद्यालय के पास तीन हाइवा गाड़ी को बिना कागजात के अवैध रूप से परिवहन करते तीन गाड़ी जब्त की। तीनों गाड़ी पर कवाली थाना में मामला दर्ज किया गया। इसके पूर्व हाता टाटा मुख्य मार्ग पर गितीलता मवि के पास बिना कागजात के जप्त की। इस तरह सीओ के द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है। इसके बावजूद अवैध खनिज परिवहन रुकने का नाम नहीं ले रहा है।

ब्राह्मण समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करेगा परशुराम परिवार

जमशेदपुर। ईसीसी फ्लैट कदमा में परशुराम परिवार की एक बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम को शुरू करने से पहले भगवान श्री परशुराम के फोटो पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अवधेश कुमार पाठक जी के द्वारा किया गया। इस बैठक में कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों पर विचार विमर्श किया गया जिसकी विवरण निम्नलिखित तौर पर नीचे दिया गया है : 1) ब्राह्मण परिवार के वैसे बच्चे जो किसी भी प्रांत से हो जिन्होने मैट्रिक इंटर की परीक्षा में 95 प्रतिशत से उत्तीर्ण हुए हो उन्हें सम्मानित करने का कार्यक्रम किया जाएगा इसकी सूची बनाने के कार्य को शुरू कर दिया गया है। पिछले महीने 10 मई को परशुराम परिवार, जमशेदपुर के द्वारा परशुराम जयंती को मनाया गया था जिसके आय और व्यय का संपूर्ण ब्यौरा श्री राजीव रंजन पांडेय हमारे संस्थान के कोषपाल के द्वारा प्रस्तुत किया गया । आगामी 21 जून को परशुराम परिवार , जमशेदपुर के द्वारा विश्व योग दिवस पर योगा का कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है और साथ ही जमशेदपुर के सभी ब्रह्मणगण नम्र निवेदन हैं की ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। परशुराम परिवार, जमशेदपुर के द्वारा जमशेदपुर के मशहूर साहित्यकार श्री राम पांडे भार्गव जी के मरणोपरांत उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्यक्रम सुनील तिवारी ने किया। कार्यक्रम में राजीव रंजन पांडे, भगवान मिश्रा, केपी तिवारी, रघुवर दुबे, बजरंग पांडे, रविशंकर पाठक, विष्णु भगवान पाठक, शैलेश तिवारी, राजेश दुबे, अशोक दुबे, किशोर कुमार दुबे, विजय शंकर चौबे, शशि भूषण तिवारी, शशिकांत तिवारी, वरुण पांडे, कोमल दुबे, पवन दुबे, सचिन पांडे, मनोज तिवारी, सत्यनारायण मिश्रा, अजय पांडे, विकास मिश्र उपस्थित थे।

खबर मन्त्र
स्पोर्ट्स

epaper.khabarmantra.net
रांची, शुक्रवार
14.06.2024

न्यूजीलैंड को हराकर सुपर-8 में पहुंची वेस्टइंडीज

एजेंसी

नयी दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के 26वें मुकाबले में वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को 13 रन से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 150 रन बनाये। जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 136 रन ही बना पाई और 13 रन से मुकाबला हार गई। इस मैच में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलने वाले शेफॉर्न रदरफॉर्ड को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहले गेंदबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने शुरूआत में वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के बांधकर रखा, और शानदार गेंदबाजी की। वेस्टइंडीज ने 6 ओवर में 30 रन के अंदर अपने 5 विकेट गंवा दिए थे। एक समय पर ऐसा लग रहा था कि वेस्टइंडीज 100 रन भी पार नहीं कर पाएगी। लेकिन शेफार्न रदरफॉर्ड की तूफानी पारी ने वेस्टइंडीज का स्कोर 149 तक पहुंचा दिया। रदरफॉर्ड ने 39 गेंदों में 6 छक्के और 2 चौकों की मदद से 68 रन पारी खेली। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के स्कोर को पार नहीं कर सका। उनके अलाला सलामी बल्लेबाज जॉन्स चार्ल्स 5 गेंदों में 0, ब्रेंडन किंग 9, निकोलस पूरन 17, रॉस्टन चेस 0, रोमेन पावेल 1 रन बनाकर आउट हुए. वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय में 12.3 ओवर में 76 रन पर 7 विकेट था। 17.5 ओवर में 112 रन के स्कोर पर कैरेबियाई टीम ने 9 विकेट गंवा दिए थे। उसके बाद रदरफोर्ड की तूफानी बल्लेबाजी आई। 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम का पहला विकेट 20 रन के स्कोर पर गिरा। डेवॉन कॉन्वे 8 गेंदों में 5 रन बनाकर आउट हुए। उसके बाद एक के बाद एक नियमित अंतराल पर न्यूजीलैंड के विकेट गिरते गए. कीवी बल्लेबाजों की तरफ से सबसे ज्यादा रन ग्लेन फिलिप्स ने बनाए, उन्होंने 33 गेंदों में 40 रन की पारी खेली। अंत में मिचेल सेंटनर नें 12 गेंदों में 21 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। बता दें कि, इस जीत के बाद वेस्टइंडीज सुपर-8 स्टेज के लिए क्वालिफाई कर गई है। इसके अलावा भारत ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका क्वालिफाई कर चुकी है। पाकिस्तान के सुपर-8 में क्वालिफाई करने की स्थिति यूएसए के खिलाफ आयरलैंड के साथ होने वाले मैच पर निर्भर करती है।

बिना मैच खेले पाक हो जायेगा सुपर-8 के लिए डिस्क्वालीफाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में जानलेवा बाढ़ के कारण फोर्ट लॉडरडेल में एमरजेंसी घोषित कर दी गई है। साउथ फ्लोरिडा हवाईअड्डों से आने-जाने वाली सैकड़ों उड़ानों को स्थानीय अधिकारियों ने रोक दिया है। सड़कों पर खड़ी गाड़ियां कागज की नाव की तरह बह रहीं हैं। ऐसे हालातों में पाकिस्तान का टी-20 विश्व कप के सुपर-8 में पहुंचने का सपना भी बहता नजर आ रहा है। दरअसल, फोर्ट लॉडरडेल अमेरिका में जारी टी-20 विश्व कप के तीन मेजबान स्थल में से एक है, जहां ग्रुप ए के तीन अहम मैच होने हैं, जिनमें 14 जून को मेजबान यूएसए बनाम आयरलैंड, 15 जून को भारत बनाम कनाडा और 16 जून को पाकिस्तान बनाम आयरलैंड के मुकाबले होने हैं।

ये खराब मौसम पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं है। ग्रुप ए के पॉइंट्स टेबल में पाकिस्तान तीसरी पोजिशन पर है। भारत और अमेरिका क्रमशः पहले और दूसरे पायदान पर खड़े हैं। ऐसे में सुपर-8 की दौड़ में बने रहने के लिए पाकिस्तान उम्मीद कर रहा है कि अमेरिका 14 जून को आयरलैंड को हरा दे और फिर पाकिस्तान 16 जून को आयरलैंड को हरा दे, लेकिन इनमें से अगर एक मैच भी बारिश के चलते धुला तो पाकिस्तान का सुपर-8 में पहुंचने का ख्वाब टूट जाएगा और बाबर आजम एंड कंपनी टी-20 विश्व कप से बाहर हो जाएगी।

बांग्लादेश ने नीदरलैंड को दिया 160 रनों का लक्ष्य

एजेंसी

किंग्सटाउन। शाकिब अल हसन नाबाद (64) की अर्धशतकीय और तंजिद हसन (35) रनों की पारियों के दम पर बांग्लादेश ने गुरुवार टी-20 विश्वकप के 27वें मुकाबले में नीदरलैंड को जीत के लिए 160 रनों का लक्ष्य दिया। गुरुवार को यहां नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ओवर में कप्तान नजमुल शान्तो (1) को आर्यन दत्ता ने विक्रमजीत के हाथों कैच आउट करा दिया। चौथे ओवर में लिटन कुमार दास भी (1) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय शाकिब अल हसन और तंजिद हसन ने पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिये 48 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में पॉल वैन मीकरेन ने तंजिद हसन को आउट कर बांग्लादेश को तीसरा झटका दिया। तंजिद ने 25 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 35 रन बनाये। मो. तौहीद हृदोय (9) और महमुदउल्लाह (25) रन बनाकर आउट हुये। शाकिब अल हसन ने 46 गेंदों में नौ चौके लगाते हुये नाबाद 64 रनों की पारी खेली। जाकेर अली 14 रन बनाकर नाबाद रहे। बंगलादेश ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 159 रन का स्कोर खड़ा किया। नीदरलैंड की ओर से आर्यन दत्त और पॉल वैन मीकरेन ने दो-दो विकेट लिये। टिम प्रिंगल ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

कोहली के तीन लो स्कोरिंग देख गावस्कर चिंतित

मुंबई। सुनील गावस्कर ने विराट कोहली के टी20 विश्व कप अभियान की खराब शुरूआत के बाद लोगों से उन पर और विश्वास दिखाने का आग्रह किया। टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विराट से उम्मीद थी कि वह टूनार्मेंट में धूम मचाएंगे लेकिन वह 1 (आयरलैंड के खिलाफ), 4 (पाक के खिलाफ), और 0 (यूएसए के खिलाफ) के स्कोर के साथ सफल नहीं हो पाए हैं। उन्हें एक बार फिर से ऑफ स्टंप से बाहर गिरती गेंद पर संघर्ष करते देखना पड़ा।

भारत में भी होगा यूरो कप का बुखार सोनी नेटवर्क पर होगा सीधा प्रसारण

एजेंसी

मुंबई। दुनिया भर में सर्वाधिक लोकप्रिय खेल फुटबाल की दिग्गज टीमों के बीच जोर आजमाइश शुक्रवार से जर्मनी में शुरू होने वाले यूइएफए यूरो 2024 में होगी वहीं इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के सोनी स्पोर्टस नेटवर्क में होने वाले प्रसारण के कमेंटरी बाक्स में भारत के दिग्गज फुटबालर सुनील छेत्री, बाइचुंग भूटिया के अलावा फ्रांस के पैट्रिस एवरा और डेविड जेम्सम मौजूद होंगे। एक महीने तक चलने वाली प्रतियोगिता का ग्रुप चरण 26 जून तक चलेगा जबकि नॉकआउट

मुकाबले 29 जून से शुरू होंगे। तीन बार के विजेता मेजबान देश जर्मनी को ग्रुप ए में रखा गया है जो शुक्रवार 14 जून को म्यूनिख फुटबॉल एरेना में स्कॉटलैंड के खिलाफ शुरूआती मैच खेलेंगे। जर्मनी/पश्चिम जर्मनी ने 1972 के बाद से हर यूरो में प्रदर्शन किया है। पश्चिम जर्मनी ने 1972 और 1980 संस्करण जीते, जबकि पुनर्मिलित जर्मनी ने यूरो '96 में जीत हासिल की।

चैंपियन ट्रॉफी के लिए जिद पर अड़ा पाक, 'हाइब्रिड मॉडल' किया खारिज

एजेंसी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 19 फरवरी से शुरूआत करने का प्रस्ताव रखा है, जो पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी। साथ ही उसने एशिया कप 2023 की तरह भारत के मैचों के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' पर विचार करने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रस्ताव के मुताबिक, आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025, 19 फरवरी से 9 मार्च 2025 तक आयोजित की जाएगी। सभी मैच तीन प्रमुख शहरों कराची, रावलपिंडी और लाहौर में खेले जाएंगे। पीसीबी के सूत्रों के मुताबिक, इस आयोजन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए पाकिस्तान आए आइसीसी के अधिकारियों ने व्यवस्थाओं पर संतोष जताया है। पीसीबी ने भारत के मैचों के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' को स्वीकार करने से

इनकार कर दिया है। पीसीबी का कहना है कि सभी मैच पाकिस्तान में खेले जाने चाहिए। ये उम्मीद की जा सकती है कि इस मामले पर बीसीसीआइ का फैसला काफी विचार विमर्श के बाद आ सकता है। पिछले एशिया कप 2023 के दौरान भारत के मैचों को श्रीलंका में ट्रांसफर कर दिया गया था। हालांकि, इस बार पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के चयन के लिए तैयार नहीं है। पाकिस्तान चाहता है कि भारत समेत सभी मैच देश में ही खेले जाएं। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, हमने हाइब्रिड मॉडल नहीं चुना है। हालांकि, हमने यह सुविधा दी है कि भारत के मैच लाहौर में ही खेले जा सकते हैं। इस तरह, टीम को पाकिस्तान के शहरों में इधर-उधर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और लाहौर में टीम की सुरक्षा अच्छी तरह से बनाए रखी जा सकेगी। सूत्र के अनुसार, 'भारतीय क्रिकेट टीम पूरे टूर्नामेंट के दौरान लाहौर में रह सकती है। इससे सुरक्षा संबंधी कठिनाई कम हो जाएंगी और टीम को एक शहर से दूसरे शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय टीम के लिए विशेष व्यवस्था मैचों में हिस्सा लेने के लिए आसान और ज्यादा सुविधाजनक विकल्प दे सकती है, क्योंकि ये मैच एक ही शहर में खेले जाएंगे।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुश हूं : पॉवेल

एजेंसी

टरूबा। वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमन पॉवेल ने न्यूजीलैंड पर 13 रन से मिली जीत को लेकर कहा कि वह अपनी टीम के प्रदर्शन से बेहद खुश है। मैच में मिली जीत के बाद पॉवेल ने कहा, अपनी टीम के प्रदर्शन से मैं बेहद खुश हूं। हमने अपने खिलाड़ियों से यही कहा था कि किसी एक खिलाड़ी को आज आतिशी पारी खेलने का प्रयास करना होगा। हमें हमेशा लगता कि है कुछ एक निजी प्रदर्शन बेहद अहम होते हैं। रदरफोर्ट की पारी ने आज हमें आत्मविश्वास दिया। हमने उनकी गेंदबाजो को देखते हुए अपनी योजना बनाई और उसी तरह की गेंदबाजी करने का प्रयास किया। प्लेयर ऑफ द मैच रदरफोर्ड ने कहा कि मैं दो महीनों के लिए आईपीएल में था। भले ही मैं मैच नहीं खेल रहा था लेकिन पूरी तरह से स्वयं को तैयार करने में लगा हुआ था। मैं आज मैच को डीप लेकर जाना चाह रहा था। मैं प्रयास कर रहा था कि अपने कौशल को वापस पाया जाये।वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा, हमने पावरप्ले के दौरान अच्छी गेंदबाजी की। आपको हमेशा उन एक या दो ओवरों की तलाश रहती है, जहां मैच बदलाव सकता है।

मैं विंबलडन नहीं खेलूंगा, ओलंपिक की तैयारी करूंगा : नडाल

एजेंसी

लंदन (इंग्लैंड)। राफेल नडाल उम्मीद के मुताबिक विंबलडन नहीं खेलेंगे और इसके बजाय स्वीडन के बस्ताद में क्ले-कोर्ट टूनार्मेंट में भाग लेकर पेरिस ओलंपिक की तैयारी करेंगे, जिसमें वह 19 साल से नहीं खेले हैं। गुरुवार को कहा कि वह ऑल इंग्लैंड क्लब के लिए घास पर जाने के बजाय सिर्फ क्ले पर ही खेलना चाहते हैं, फिर समर गेम्स के लिए क्ले पर वापस जाने की जरूरत है। नडाल ने एक बयान में कहा, मेरा मानना है कि मेरे शरीर के लिए सबसे अच्छा यही है कि मैं सतह न बदलूं। पिछले डेढ़ साल से वह कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं, जिसमें 2023 में सर्जरी भी शामिल है, और उन्हें सीमित शेड्यूल में ही खेलना पड़ा है। नडाल को पिछले महीने के आखिर

में फ्रेंच ओपन के पहले दौर में अंतिम उपविजेता अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने हराया था, जो नडाल के करियर में पहली बार है जब उन्होंने क्ले पर लगातार मैच गंवाए हैं। पेरिस ओलंपिक में 27 जुलाई से रोलैंड गैरोस में टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह फ्रेंच ओपन का स्थल है, जहां नडाल ने रिकॉर्ड 14 खिताब जीते हैं। स्पेन के पुरुष टेनिस कप्तान डेविड फेरर ने बुधवार को कहा कि नडाल कार्लोस अल्काराज के साथ युगल और ओलंपिक में एकल खेलेंगे। पेरिस में ज्वेरेव के खिलाफ बाहर होने के बाद, नडाल से विंबलडन में भाग लेने के बारे में पूछा गया, जो 1-14 जुलाई तक चलेगा। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह मेरे लिए मुश्किल लग रहा है. मैं पुष्टि नहीं कर सकता कि क्या हो रहा है, लेकिन घास पर बदलाव करना मुश्किल लग रहा है, ओलंपिक फिर से क्ले पर हो रहा है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह समझदारी होगी, मेरे शरीर के साथ जो कुछ भी हुआ है, उसके बाद, (अब) पूरी तरह से अलग सतह पर एक बड़ा बदलाव करना और फिर तुरंत क्ले पर वापस आना। नडाल वहां तीन बार उपविजेता भी रहे और अपने पिछले तीन प्रदर्शनों में से प्रत्येक में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद बाहर हो गए, जिसमें 2022 में ऑल इंग्लैंड क्लब की उनकी आखिरी यात्रा भी शामिल है।

श्रुति वोरा ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

नयी दिल्ली। मैग्नेनिमस पर सवार श्रुति वोरा थ्री-स्टार ग्रैंड प्रिक्स इवेंट जीतने वाली पहली भारतीय राइडर बन गई हैं, भारतीय घुड़सवार के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि है। 7-9 जून को स्लोवेनिया के लिपिका में आयोजित सीडीआइ-3 इवेंट में श्रुति ने 67.761 अंक हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी मोल्दोवा की तातियाना एंटोनेंको (आचेन) से आगे रहीं, जिन्होंने 66.522 अंक हासिल किए। ऑस्ट्रिया की जूलियन जेरिच ने 66.087 अंक हासिल करके शीर्ष-3 में जगह बनाई.भारतीय घुड़सवारी महासंघ के सचिव जयवीर सिंह ने एक बयान में कहा, 'यह भारतीय घुड़सवारी बिरादरी के लिए बहुत अच्छी खबर है। श्रुति के इस प्रेरणादायक प्रदर्शन ने देश को गौरवान्वित किया है।

प्रणय और समीर क्वार्टर फाइनल में, किरण जॉर्ज बाहर

एजेंसी

सिडनी। भारत के अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय और समीर वर्मा ने गुरुवार को यहां शानदार जीत दर्ज करते हुए ऑस्ट्रेलिया ओपन बैडमिंटन टूनार्मेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पांचवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में इजराइल के मिशा जिल्बरमैन को 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 21-15 से मात दी जबकि समीर ने सिंगापुर के आठवें वरीय लोह कीन यूव को 1 घंटे 2 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-14 14-21 21-19 को हराप्रणय अब शुक्रवार को अगले दौर में जापान के दूसरे वरीय कोडाई नारोआका से भिड़ेंगे जबकि समीर का मुकाबला चीनी ताइपे के चुन यी लिन से होगा। पुरुष एकल में भारत के एक अन्य

खिलाड़ी किरण जॉर्ज को हालांकि जापान के सातवें वरीय केंटा निशिमोटो से 20-22, 6-21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त आकर्षि कश्यप ने ऑस्ट्रेलिया की काई क्यू बर्निस तेओह को 21-16, 21-13 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला चीनी ताइपे की तीसरी वरीयता प्राप्त यू पो पाई से होगा। अनुपमा उपाध्याय और मालविका बंसोड़ हालांकि महिला एकल में दूसरे दौर से बाहर हो गई। अनुपमा को इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वदार्नी के खिलाफ 11-21, 18-21 से जबकि मालविका को इंडोनेशिया की एक अन्य खिलाड़ी आठवीं वरीयता प्राप्त एस्टर नूरमी ट्राई वाडोयो के खिलाफ 17-21, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा। महिला युगल में पंडा बहनों रुतपर्णा और श्वेतपर्णा का सफर भी खत्म हो गया। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी पेई जिंग लाइ और चियू सीन लिम की मलेशियाई जोड़ी से 5-21, 9-21 से हार गई। मिश्रित युगल में बी सुमित रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी की आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के काई चेन तेओह और काई क्यू बर्निस तेओह को 21-11, 21-11 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया। अब उनका सामना चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जेन बैंग जियांग और या शिन वेई की जोड़ी से होगा।

ओलंपिक में नहीं खेलेंगे मेसी, सुपरस्टार ने खुद की घोषणा

एजेंसी

नयी दिल्ली। दुनिया के महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार लियोनल मेसी ने घोषणा की है कि वह पेरिस ओलंपिक 2024 में अर्जेंटीना की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। 36 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि उनकी उम्र और व्यस्त कार्यक्रम के चलते प्रत्येक टूनार्मेंट में खेलना मुश्किल है। फिलहाल, वह अर्जेंटीना की कोपा अमेरिका खिताब की रक्षा की तैयारी में जुटे हैं। इस टूनार्मेंट का आयोजन 20 जून से 14 जुलाई के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। मेसी की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के लिए एक बड़ा झटका है। फुटबॉल फैंस के बीच भी टेंशन का माहौल पैदा हो गया। मेसी ने इसकी घोषणा उस वक्त की है जब अर्जेंटीना की टीम ओलंपिक में अपनी जीत की संभावनाओं को बढ़ाने की कोशिश में है।

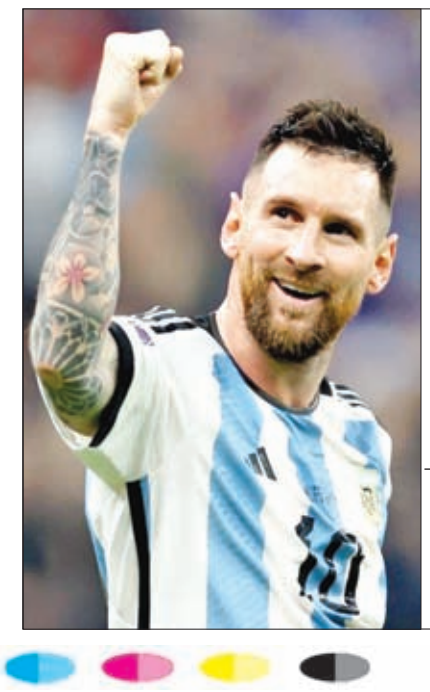

मेसी का बयान

मेसी ने अर्जेंटीना से कहा, मैंने माशचेरानो (अर्जेंटीना के अंडर-23 कोच) से बात की और सच तो यह है कि हम दोनों ने स्थिति को समझा। अभी ओलंपिक के बारे में सोचना कठिन है क्योंकि हम कोपा अमेरिका में हैं। यह दो-तीन महीने लगातार क्लब से दूर रहने जैसा होगा और सबसे बड़ी बात यह है कि मैं अब ऐसी उम्र में नहीं हूं कि हर चीज में शामिल हो सकूं। मेसी ने आगे कहा, यह बहुत कठिन निर्णय था, लेकिन मेरे करियर के इस मुकाम पर यह महत्वपूर्ण है कि मैं अपने शरीर और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखूं। कोपा अमेरिका के बाद, मुझे अपने क्लब इंटर मियामी के लिए भी खेलना है और इतने लंबे समय तक खेल से दूर रहना मुमकिन नहीं है।

कोच ने किया समर्थन

अर्जेंटीना के कोच जेवियर माशचेरानो ने भी मेसी के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, मेसी के निर्णय को हम समझते हैं और इसका सम्मान करते हैं। वे एक महान खिलाड़ी हैं और उनका योगदान हमेशा हमारे लिए महत्वपूर्ण रहा है। हमें उनकी कमी जरूर खलेगी, लेकिन हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं।

क्लब से खेलते हुए करियर खत्म करेंगे मेसी

लियोनल मेसी ने कहा है कि वह अपने करियर का अंत अपने मौजूदा क्लब इंटर मियामी में रहते हुए ही करेंगे। साथ ही यह भी बताया है कि वह फुटबॉल में अपना करियर खत्म होने के बाद क्या करेंगे। मेसी का इंटर मियामी से 2025 तक का अनुबंध है।

पाकिस्तानी गेंदबाज अली ने जीता भारतीयों का दिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। इस स्टोरी के बाद भारत से उन्हें काफी तारीफ सुनने को मिल रही है। दरअसल हसन अली ने माता वैष्णो देवी जाते हुए रियासी में बस पर हुए आतंकी हमले की निंदा की है। हसन ने लिखा कि रियासी आतंकी हमले पर सभी कि निगाहे। इसके बाद भारतीय लोगों ने उनका शुक्रिया भी अदा किया। दरअसल रियासी में आतंकी हमले के बाद इंस्टाग्राम पर सभी की निगाहें रियासी पर (All Eyes on Riyasi) ट्रेंड करने लगा। लोग इसको खूब शेयर कर रहे हैं। इससे पहले राफा पर इजरायली हमले के बाद लोगों ने सभी की निगाहें राफा पर ट्रेंड किया था, जिसमें सभी सेलिब्रिटीज ने भी उस हमले की निंदा की थी। इस अटैक के बाद पड़ोसी मुल्क से भी निंदा हुई है। इतना ही नहीं हसन अली की पत्नी ने भी इस अटैक की निंदा की है। इससे पहले वह मणिपुर को बचाने के लिए भी आहवान कर चुकी हैं। हसन अली ने इस पोस्ट के बाद एक्स पर जाकर पोस्ट की वजह भी बताई। उन्होंने लिखा कि 'आतंकवाद/हिंसा एक गंभीर

मुद्दा है, चाहे वह किसी भी जाति या धर्म के खिलाफ हो, इसलिए मैंने इसे साझा किया था। मैं जहां भी और जिस तरह से भी संभव हो शांति का समर्थन करने की कोशिश करता हूं। मैंने हमेशा गाजा में हुए हमलों की निंदा की है और जहाँ भी निर्दोष लोगों पर हमला किया जा रहा है, वहां ऐसा करना जारी रखूंगा। हर इंसान की जान मायने रखती है. अल्लाह अपनी जान गंवाने वाले लोगों को जन्नत में सर्वोच्च स्थान दे। आमीन' हालांकि, उनकी इस पोस्ट के बाद उनको वहां के लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर निशाना बनाया जाने लगा।

खबर एक नजर में

रामनाथ को केंद्रीय मंत्री बनाए जाने पर नाई समाज ने दी बधाई

कुंदन कुमार ठाकुर।

गढ़वा। बिहार से राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर को मोदी सरकार की केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर नई समाज गढ़वा के लोगों ने बधाई दी है। इस कार्य के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति समाज के लोगों ने आभार व्यक्त किया है। राष्ट्रीय नाई महासभा के झारखंड प्रदेश सचिव कुंदन कुमार ठाकुर ने बधाई देते हुए कहा है कि भारत रत्न से सम्मानित महान स्वतंत्रता सेनानी, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक स्व. कपूरी के सुपुत्र रामनाथ ठाकुर को देश के संवैधानिक उच्च पद पर बैठाया गया है। यह नाई समाज के लोगों के लिए बड़े ही गर्व एवं खुशी की बात है। श्री ठाकुर को केंद्रीय मंत्री बनाये जाने पूरे देश के नाई समाज के लोगों को गर्व है। श्री ठाकुर अपनी कर्तव्यनिष्ठा, लगन एवं परिश्रम के बदौलत आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से भवनाथपुर जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा, युवा समाजसेवी कुंदन ठाकुर, राजेश्वर ठाकुर आदि का नाम शामिल है।

खेल से आता है जीवन में अनुशासन: अलखनाथ

खिलाड़ियों को रवाना करते संघ के संरक्षक एवं अन्य।

गढ़वा। हजारीबाग में शुक्रवार से आयोजित प्रथम झारखंड स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गढ़वा जिला की 24 सदस्यीय टीम गुरुवार को शक्तिपुंज एक्स्प्रेस से रवाना हो गई। मौके पर संघ के संरक्षक अलखनाथ पांडेय ने प्रतियोगिता में भाग लेने जाने वाले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग जिले के लिए स्पेशल है, जो जिले का प्रतिनिधित्व टेबल टेनिस के खेल में करने जा रहे हैं। खेल अनुशासन सीखता है, जो पूरी जिंदगी में अनुशासित रहने सीखाता है। सभी खिलाड़ी खेल भावना के साथ खेलते हुए अपनी जीत के लिए पूरी जोर लगा दें। खेल के दौरान जीत और हार से जो खिलाड़ी सीखने का प्रयास करते हैं वही सर्वोच्च शिखर पर पहुंचते हैं। 24 सदस्यीय टीम में अमल कुमार ठाकुर, अमन कुमार पाल, अनिमेष कुमार पाण्डेय, कार्तिक पाल, नितीश कुमार मेहता, हर्षित कुमार पाण्डेय, सचिन कुमार, रोहन पाल, उज्ज्वल कुमार, पलक भारती, रिद्धि सिंह, अंजली कुमारी, आयुषी कुमारी, आयुषी कुमारी पाण्डेय, अभिजीत यादव, आशिता प्रियदर्शिनी, रौशन कुमार पाल, अनिल कुमार मेहता, मानवी चैबे, रिशु तिवारी और शिवम कुमार पटेल को शामिल किया गया है। टीम का कोच संघ के कार्यकारी सदस्य अजय कुमार ठाकुर को बनाया गया है। मौके पर संघ के उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, सचिव आनंद सिन्हा, सह सचिव प्रिंस सोनी, कोषाध्यक्ष सह कोच कमलेश कुमार दुबे, आशुतोष रंजन, पंकज कुमार सोनी, मनोज पाठक, मिथिलेश कुमार सिंह, रजनीश कुमार, विकास, प्रवीण शुक्ला, दुर्गेश कुमार दुबे, जयदेव पाल आदि उपस्थित थे।

दिग्गज खिलाड़ियों को मात देकर सीवान की दूसरी महिला सांसद बनीं विजय लक्ष्मी देवी

पटना। बिहार की हाईप्रोफाइल संसदीय सीट सीवान में पहली बार सियासी रणभूमि में उतरी पूर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा की पत्नी विजय लक्ष्मी देवी ने राजनीति के दिग्गज खिलाड़ी अवध बिहारी चौधरी और पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब को न सिर्फ पराजित कर अपनी सियासी पारी की शानदार शुरूआत की बल्कि सीवान की दूसरी महिला सांसद भी बनीं। सीवान संसदीय संसदीय सीट पर वर्ष 2019 के चुनाव में जनता दल यूनाईटेड (जदयू) प्रत्याशी दरौंधा की तत्कालीन विधायक कविता सिह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) उम्मीदवार हिना शहाब को पराजित किया था। इस बार के चुनाव में जदयू ने कविता सिंह को बेटिकट कर विजय लक्ष्मी देवी को चुनावी दंगल में उतारा। राजद ने यहां अपने दिग्गज नेता सीवान के छह बार के विधायक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी पर भरोसा जताया। हिना शहाब निर्दलीय प्रत्याशी चुनावी अखाड़े में उतर आयी। जदयू की विजय लक्ष्मी देवी और राजद के अवध बिहारी चौधरी दोनों पहली बार लोकसभा के रण में उतरे थे, हालांकि हिना शहाब तीन बार सीवान से चुनाव में हार चुकी थी।

हाइवा की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत

मधेपुरा। बिहार में मधेपुरा जिले के उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र में हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने गुरूवार को यहां बताया कि बुधवार की देर रात बाइक पर सवार तीन युवक किसी शादी समारोह से अपने गांव नेमुआ बराही लौट रहे थे। इस दौरान रहटा गांव के समीप राष्ट्रीय उच्चपथ संख्या 106 पर तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक में टक्कर मार दी।

सारण में किशोर की चाकू मारकर हत्या

छपरा। बिहार में सारण जिले के रसूलपुर थाना क्षेत्र में अपराधियो ने एक किशोर की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने गुरूवार को यहां बताया कि छपरा- सिवान रेलखंड के चैनवा स्टेशन पर चपरैठा गांव निवासी उदय गिरी के पुत्र सुजीत कुमार गिरी को अपराधियों ने बुधवार की देर रात चाकू मारकर घायल कर दिया था।

पेज एक का शेष

अगले तीन माह ...

साथ ही झारखंड औद्योगिक प्रशिक्षण सेवा के विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण अधिकारी प्रतियोगिता परीक्षा के 904 पद, झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा इंटरमीडिएट स्तर के 11 हजार पद, झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा स्नातक स्तर के 15001 पद, महिला पर्यवेक्षिका प्रतियोगिता परीक्षा के 488 पद, झारखंड सामान्य स्नातक योग्यता धारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के 2025 पद और झारखंड पारा मेडिकल संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के 2532 पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है । मुख्यमंत्री ने इन सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं की चयन प्रक्रिया सितंबर महीने तक पूरी कर लेने का निर्देश दिया। बैठक में सीएस एल खियांग्ते, सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव वंदना दादेल, पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार, सीएम के सचिव अरवा राजकमल, एडीजी आरके मलिक, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह और कार्मिक विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

आतंकियों के खिलाफ...

पिछले 4 दिनों में जम्मू-कश्मीर के रियासी, कुठआ और डोडा जिलों में चार आतंकी हमले हुए हैं। इन हमलों में एक सीआरपीएफ जवान समेत 10 लोगों की मौत हुई है। इन हमलों को केंद्र ने गंभीरता से लिया और हर हाल में सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। पुलिस ने डोडा जिले में हुए आतंकी हमलों के बाद चार आतंकियों के स्केच जारी किये हैं। पुलिस ने इन आतंकियों के बारे में ठोस जानकारी देने पर 20 लाख रुपये का इनाम देने की भी घोषणा की है।

रेलवे लाइन से पत्थर माफियाओं द्वारा की जा रही है बोल्डर चोरी

खबर मन्त्र संवाददाता

भवनाथपुर। सेल के द्वारा भवनाथपुर से मेराल ग्राम तक 34 किमी तक बिछाए गए रेलवे लाइन से पत्थर माफियाओं के द्वारा धड़ल्ले से बोल्डर चोरी कर सरकारी और गैर सरकारी योजना में लगाया जा रहा है। सेल के अधिकारियों की इसकी भनक तक नहीं है, जबकि पिछले वर्ष भी मामला अखबारो में आने के बाद सेल के द्वारा मामले को जांचों उपरांत अज्ञात पर लिखित कार्रवाई की गई थी। परंतु पत्थर माफियाओं पर कोई कार्रवाई नहीं होने से वे बेखौफ होकर कार्य कर रहे है। बताते चलें कि सेल के द्वारा भवनाथपुर में दो खदान में कार्य होता था, जिसमे घाघरा लाइमस्टोन और तुलसीदामर में डोलोमाइट खदान था। लाइमस्टोन पत्थर को क्रशर मशीन में टुकड़ा कर सेल के विभिन्न स्टील प्लान्ट में रेल द्वारा भेजा जाता था, जिसके लिए सेल के द्वारा भवनाथपुर से मेराल तक 34 किमी रेलवे लाईन बिछाया गया था, इसकी देख रही की जिम्मेवारी सेल कर्मी के बाद ठेका श्रमिक से किया जाता था। परंतु सेल के दोनो खदान वर्ष 2014 में लाइमस्टोन और वर्ष 2020 में डोलोमाइट बंद हो गए, और यहां से रेल से पत्थर जाना भी बंद हो गया। दोनो खदान बंद होने के बाद सेल के द्वारा बिछाई गई रेलवे लाईन को बड़े पैमाने पर कटिंग कर अज्ञात लोगो द्वारा चोरी की जाने लगी।

रेलवे लाइन के समीप बोल्डर।

आग लगने से जला बागवानी

कांडी। थाना क्षेत्र के चोका गांव निवासी बासुकीनाथ दुबे के निजी खर्च पर तीन एकड़ खेत में लगे बागवानी में आग लगने से पूरा बागवानी जल कर राख हो गया। उक्त घटना में लगभग 500 पेड़ जल गए। आस पास के कई मोटर को चालू कर बड़ी मुश्किल से आग को बुझाया जा सका। पीड़ित ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उक्त घटना को अंजाम दिया गया है। मैं 2019 में रांची से पौधा लाकर लगभग तीन एकड़ खेत में 500 की संख्या में फलदार व इमारती पौधा लगाए थे। जिसमें आम, अमरूद, कटहल, जामुन, गमहार, महोगनी का वृक्ष लगाए थे, जो इस आगजनी में सभी जल गया। सिंचाई के लिए रखा गया पाइप भी जलकर राख हो गया।

उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग

प्रपत्र VI

समाहर्त्ता या समुचित सरकार

प्रारंभिक अधिसूचना

(अधिनियम–30/2013 की धारा–11 (1) के अधीन)

चुकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि ग्राम–पुरना ईचाक उर्फ पुरनाडीह, थाना–ईचाक, थाना–सं0–27, अंचल–ईचाक, जिला–हजारीबाग में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा ईचाक(एन0एच0–33) से बरकट्ठा (एन0एच0–2) तक लम्बाई 31.383 कि0मी0 पथ के चौड़ीकरण/मजबूतीकरण कार्य हेतु भू अर्जन अपेक्षित है।

परियोजना लोक हित में होने के कारण अतिमहत्वपूर्ण है अर्जनाधीन भूमि निम्नतम् है आवागमण की सुगम्यता तथा अनुयोजकता बढ़ेगी, बेहतर स्वास्थ्य शिक्षा, बाजार में विपणन की संभावना, आधार भूत संरचना एवं कानून एवं व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ होगा। भू–अर्जन के कारण विस्थापित परिवारों की सं0 शुन्य है। इस बाध्यकारी विस्थापन का कारण नीचे दिया गया है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत नियुक्त पदाधिकारी को प्रशासक के रुप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम–पुरना ईचाक उर्फ पुरनाडीह, थाना–ईचाक, थाना–सं0–27, अंचल–ईचाक, जिला–हजारीबाग में उपर्युक्त कथित परियोजना के कमोबेश 1.236 एकड़ यानि 0.5004 हेक्टेयर मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित अर्जनाधीन है जो निम्नवत है:–

क्र0 सं0	खाता संख्या	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	41	777/1	निजी	टांड–I	0.025	मो0 लक्ष्मी पति स्व0 बालेश्वर साव वो शम्भु प्रसाद पिता स्व0 नागो साव, जाति हलवाई निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	बिगन कान्दु	नीज
2	41	777/2	निजी	टांड–I	0.007	बिगन कान्दु पिता स्व0 गुरूदयाल कान्दु वो शम्भु प्रसाद पिता नागो साव वो निरंजन गुप्ता पिता स्व0 बालेश्वर हलवाई वो नरेश हलवाई पिता स्व0 महावीर हलवाई निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	शीला देवी	मो0 लक्ष्मी
3	88	785	निजी	मकान सहन	0.02	शिलू देवी पति विनोद प्रसाद जाति कान्दु निवासी धनबाद	नीज	रास्ता	नीज	बिगन कान्दु
4	88	786/1	निजी	टांड–I	0.005	शिलू देवी पति विनोद प्रसाद जाति कान्दु निवासी धनबाद	नीज	रास्ता	प्रमोद केशरी	नीज
5	88	786/2	निजी	टांड–I	0.012	प्रमोद केशरी पिता स्व0 नारायण साव जाति बनिया निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	शिव मंदिर	शीलू देवी
6	88	786/3	निजी	टांड–I	0.012	शिव मंदिर				
7	88	786/4	निजी	टांड–I	0.017	अनिल केशरी पिता स्व0 नारायण साव जाति बनिया निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मस्जिद	शिव मंदिर
8	88	786/5	निजी	टांड–I	0.012	मस्जिद प्रांगण, मुना मलिक पिता जलिस मलिक वो मो0 मोईन पिता मो0 नईम तहकीक साह पिता स्व0 मो0 मजिद निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	अनिल केशरी	निर्मला देवी
9	93	792	निजी	मकान सहन	0.035	मो0 निर्मला देवी पति स्व0 मुटुक साव वो दयानन्द केशरी वगै0 पिता ____ जाति बनिया निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	शंभु प्रसाद केशरी	मस्जिद
10	102	793	निजी	मकान सहन	0.02	शम्भु प्रसाद केशरी पिता स्व0 शिवप्रसाद केशरी जाति केशरी निवासी पुनारा ईचाक	नीज	रास्ता	रामचन्द स्वर्णकार	मो0 निर्मला देवी
11	95	794/1	निजी	मकान सहन	0.006	रामचन्द प्रसाद स्वर्णकार पिता स्व0 दरोग स्वर्णकार वो अजय सोनी वगै0 पिता रामचन्द प्रसाद सोनी	नीज	रास्ता	सहादेव राम	शंभु प्रसाद केशरी
12	95	794/2	निजी	मकान सहन	0.007	सहदेव राम पिता स्व0 दरोगा स्वर्णकार निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	नकूल साव	रामचन्द साव
13	95	794/3	निजी	मकान सहन	0.007	नकुल प्रसाद पिता स्व0 दरोगा साव जाति सोनार निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	इम्तियाज खां	शहोम राम
14	60	795	निजी	मकान सहन	0.02	इम्तियाज खान वो जुबेर खान पिता स्व0 अब्दुल रजाक खान जाति मुस्लिम निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	नीज	नकुल प्रसाद
15	60	796	निजी	टांड–I	0.001	इम्तियाज खान वो जुबेर खान पिता स्व0 अब्दुल रजाक खान निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	कुल प्रसाद	नीज
16	95	797	निजी	टांड–II	0.001	नकुल प्रसाद पिता स्व0 दरोगा साव जाति सोनार निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मो0 ताहिर	इम्तियाज खान
17	44	803/1	निजी	टांड–I	0.02	मो0 ताहिर वगै0 पिता मो0 अब्दुल रउफ वो नजीब हेदर पिता स्व0 अब्दुल लतिफ निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मिनहाज	अब्दुल खान
18	44	803/2	निजी	टांड–I	0.012	मिनराज ईराकी पिता स्व0 अब्दुल सतार जाति ईराकी निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मो0 नईम उदीन	मो0 ताहीर
19	44	803/3	निजी	टांड–I	0.015	मो0 नईमउदीन पिता स्व0 अब्दुल सतार मियाँ जाति मुस्लमान निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	रास्ता	मिनहाज
20	50	806	निजी	टांड–I	0.005	सदिद कलवार पिता स्व0 खलिल कलवार जाति कलवार निवासी पुराना ईचाक	नीज	नीज	लीम मलीक	राज कु0 सोनार
21	50	807	निजी	मकान सहन	0.03	साहिद कलवार पिता स्व0 खलिल कलवार जाति कलवार निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	लीम मलीक	इमाम बाडा
22	78	808/1	निजी	टांड–III	0.012	सलीम मलिक वो कलीम वो मुस्ताक मलिक पिता स्व0 हातिम मलिक वो समशाद मलिक पिता स्व0 फारूक मलिक जाति मलिक, निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मो0 खातुन	साहीद
23	78	808/2	निजी	टांड–III	0.005	मो0 खातुन पति स्व0 मुस्ताक जाति मलिक निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मासुक	मुस्ताक
24	78	808/3	निजी	टांड–III	0.011	सहनाज खातुन पति मसुद जाति मलिक निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मस्जिद	मुस्ताक
25	78	808/4	निजी	टांड–III	0.002	शईफा खातुन पति मो0 कलीम जाति मलिक, निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मो0 मुस्ताक	हलीम मलीक
26	78	808/5	निजी	टांड–III	0.011	अब्दुल मजीद पिता स्व0 कबीर कलिक जाति मलिक निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मो0 हुसैन	मसुक
27	78	808/6	निजी	टांड–III	0.012	मो0 हुसैन पिता स्व0 हदिस मलिक, जाति मलिक निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मो0 नियाज	अब्दुल अजीम
28	105	810/1	निजी	टांड–I	0.002	राज कुमार सोनार पिता बंगाली सोनार जाति सोनार निवासी पुराना ईचाक	नीज	इमाम बाडा	गणेश सोनी	नीज
29	105	810/2	निजी	टांड–I	0.003	गणेष सोनार वो राजकुमार सोनार पिता स्व0 बंगाली सोनार जाति सोनार निवासी पुराना ईचाक	नीज	इमाम बाडा	साहीर तलवार	गणेष स्वर्णकार
30	39	811/1	निजी	टांड–I	0.01	अमना खातुन पति स्व0 मो0 कलामउदीन निवासी पुराना ईचाक	प्लौट 812	रास्ता	गणेष सोनार	रास्ता
31	39	811/2	निजी	टांड–I	0.01	गणेष सोनार पिता बंगाली सोनार जाति सोनार निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	राज कु0 सोनार	अमना खातुन
32	50	823/1	निजी	टांड–I	0.0125	मो0 नियाज मलीक वगै0 पिता स्व0 ईषराईल मलिक जाति मलिक निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	नाजीर मलिक	मो0 हुसैन
33	50	823/2	निजी	टांड–I	0.0125	मो0 जैसम खातुन पति नाजीर मलिक जाति मलिक निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	जलील मलिक	मो0 रिजाय
34	50	823/3	निजी	टांड–I	0.025	जलील मलिक पिता स्व0 युसुफ मलिक जाति मलिक निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मो0 इजहार	नाजीर मलिक
35	76	825	निजी	टांड–I	0.004	रामा बेगम पति मो0 ईजहार मलिक जाति मलिक निवासी पुराना ईचाक	नीज	नीज	मुस्तकिम खान	जलील मलिक
36	76	826	निजी	टांड–II	0.02	शमा बेगम पति मो0 ईजहार मलिक जाति मलिक निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मुस्तकिम खान	नीज
37	61	827	निजी	टांड–I	0.007	मुस्तकिम खान वगै0 पिता स्व0 अजीम खान जाति पैठान निवासी पुराना ईचाक	नीज	नीज	नीज	शमा बेगम
38	61	828	निजी	मकान सहन	0.009	मुस्तकिम खान वगै0 पिता स्व0 अजीम खान जाति पैतान निवासी पुराना ईचाक	नीज	नीज	मुख्तार खान	नीज
39	33	829	निजी	टांड–I	0.02	मुस्तकिम खान वगै0 पिता स्व0 अजीम खान जाति पैठान निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मुख्तार खान	नीज
40	21	830	निजी	टांड–I	0.016	मुख्तार खान पिता स्व0 माजीद खान जाति पैठान जाति पैठान निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	रास्ता	मुख्तार खान
41	48	833/1	निजी	टांड–I	0.0125	महबुब आलम पिता स्व0 अली मियाँ वो पचु पिता स्व0 अहमद अली वो मो0 जमालउदीन वो मो0 कलाम पिता स्व0 खलील वो मो0 डब्लु वगै0 पिता स्व0 अब्दुल मजीद जाति कलाल निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	जुबैदा खातुन	रास्ता
42	48	833/2	निजी	टांड–I	0.0095	जैबुन खातुन पति स्व0 मो0 खलील जाति कलाल निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	कासीम अंसारी	महबुब आलक
43	50	837/1	निजी	मकान सहन	0.004	मो0 कासीम अंसारी वगै0 पिता स्व0 हनीफ मियाँ जाति अंसारी निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	सिकन्दर अंसारी	नीज
44	50	837/2	निजी	मकान सहन	0.013	सिकन्दर अंसारी वगै0 पिता स्व0 मोबारक अंसारी जाति अंसारी निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	नईम अंसारी	मो0 कासीम
45	50	837/3	निजी	मकान सहन	0.015	मो0 नईम अंसारी पिता स्व0 बदरूदीन अंसारी निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	नीज	सिकन्दर अंसारी
46	50	837/4	निजी	मकान सहन	0.008	मो0 नईम अंसारी पिता स्व0 बदरूदीन अंसारी वो मो0 कईम अंसारी वगै0 पिता स्व0 मो0 सलाम अंसारी निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	नीज	नीज
47	105	839	निजी	मकान सहन	0.01	मो0 नईम अंसारी पिता स्व0 बदरूदीन अंसारी वो मो0 कईम अंसारी वगै0 पिता स्व0 मो0 सलाम अंसारी निवासी पुराना ईचाक	नीज	नीज	नीज	नीज
48	105	840	निजी	मकान सहन	0.01	मो0 नईम अंसारी पिता स्व0 बदरूदीन अंसारी वो मो0 कईम अंसारी वगै0 पिता स्व0 मो0 सलाम अंसारी निवासी पुराना ईचाक	रास्ता	प्लौट न0 838	नीज	कासिम अंसारी
49	105	841	निजी	टांड–I	0.01	मो0 नईम अंसारी पिता स्व0 बदरूदीन अंसारी वो मो0 कईम अंसारी वगै0 पिता स्व0 मो0 सलाम अंसारी निवासी पुराना ईचाक	रास्ता	नीज	जलील मलिक	नीज
50	105	842	निजी	टांड–I	0.01	मो0 नईम अंसारी पिता स्व0 बदरूदीन अंसारी वो मो0 कईम अंसारी वगै0 पिता स्व0 मो0 सलाम अंसारी निवासी पुराना ईचाक	नीज	नीज	जलील मलिक	नीज
51	38	843/1	निजी	टांड–I	0.035	जलील मलिक पिता युसुफ मलिक निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	सिकन्दर अंसारी	मो0 नईम अंसारी
52	38	843/2	निजी	टांड–I	0.033	सिकन्दर अंसारी वगै0 पिता स्व0 मुबारक हुसैन निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मो0 सफीक	जलील मलिक
53	38	843/3	निजी	टांड–I	0.011	मो0 सफीक पिता स्व0 मो0 साहिद जाति दर्जी निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	मुनेजा खातुन	सिकन्दर अंसारी
54	38	843/4	निजी	टांड–I	0.011	मुनेज खातुन पति मो0 हरून जाति दर्जी निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	अख्तरी खातुन	मो0 रफीक
55	38	843/5	निजी	टांड–I	0.01	अख्तरी खातुन पति अब्दुल रसीद जाति दर्जी निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	साईदा खातुन	मुनेजा खातुन
56	38	843/6	निजी	टांड–I	0.025	सईदा खातुन पति अलीमउदीन साह जाति साई निवासी पुराना ईचाक	नीज	रास्ता	सुकर महतो	अख्तरी खातुन
57	7	921	निजी	टांड–I	0.012	सुकर महतो पिता स्व0 बाजो महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	निर्मल महतो	साईदा खातुन
58	69	924	निजी	टांड–II	0.01	सुकर महतो पिता स्व0 बाजो महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा				
59	70	925/1	निजी	टांड–III	0.0134	निर्मल महतो पिता स्व0 बाजो महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा				
60	8	925/2	निजी	टांड–III	0.0182	महाबीर महतो वगै0 पिता टिको महतो	नीज	रास्ता	जुगल महतो	निर्मल महतो
61	8	925/3	निजी	टांड–III	0.0182	जुगल महतो वगै0 पिता स्व0 केवल महतो	नीज	रास्ता	गोविन्द महतो	महाबीर महतो
62	8	925/4	निजी	टांड–III	0.0181	गोविन्द महतो वगै0 पिता स्व0 गुरूचरण महतो	नीज	रास्ता	किशोरी महतो	जुगल महतो
63	8	925/5	निजी	टांड–III	0.0181	किशोरी महतो पिता स्व0 गुलाब महतो निवासी चपरख	नीज	रास्ता	सुकर महतो	गोविन्द महतो
64	8	925/6	निजी	टांड–III	0.06	सुकर महतो पिता बाजो महतो निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	नीज	किशोरी महतो
65	8	928	निजी	टांड–III	0.036	नागेश्वर प्रसाद मेहता पिता बडु महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	कुन्ती देवी	किशोरी महतो
66	160	929/1	निजी	टांड–III	0.029	कुन्ती देवी पति प्रबील प्रसाद मेहता जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	संजय मेहता	जगेश्वर महतो
67	160	929/2	निजी	टांड–III	0.016	संजय मेहता वो अवधेश मेहता वो सुभाष मेहता पिता मुंशी मेहता जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	अर्जुन प्रसाद मेहता	कुन्ती देवी
68	160	929/3	निजी	टांड–III	0.016	अर्जुन प्रसाद मेहता पिता बुला महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	जगेश्वर प्रसाद मेहता	संजय मेहता
69	160	929/4	निजी	टांड–III	0.016	नागेश्वर प्रसाद मेहता पिता स्व0 बडु महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	रामचन्द मेहता	अर्जुन प्र0 मेहता
70	160	929/5	निजी	टांड–III	0.021	रामचन्द महतो पिता स्व0 शिवदयाल महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	पार्वती देवी	नागेश्वर महतो
71	160	929/6	निजी	टांड–III	0.021	पार्वती देवी पति सुकर राणा जाति बढ़ही निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	सुदामा प्रसाद	रामचन्द मेहता
72	160	929/7	निजी	टांड–III	0.021	सुदामा प्रसाद वगै0 पिता स्व0 टुकन महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	तालेश्वर मेहता	पार्वती देवी
73	160	929/8	निजी	टांड–III	0.032	तुलेश्वर महतो पिता बालकी महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	छोटन प्रसाद	सुदामा प्रसाद
74	04	930/1	निजी	टांड–III	0.017	छोटन प्रसाद मेहता पिता स्व0 विश्वेश्वर महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	पार्वती देवी	तुलेश्वर मेहता
75	04	930/2	निजी	टांड–III	0.027	पार्वती देवी पति सुकर राणा जाति बढ़ही निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	राधे प्र0 मेहता	छोटन प्रसाद
76	04	930/3	निजी	टांड–III	0.03	राधे प्रसाद मेहता पिता स्व0 रिको महतो जाति सुकियार निवासी कुरहा	नीज	रास्ता	कान्ति देवी	पार्वती देवी
77	04	930/4	निजी	टांड–III	0.02	कान्ती देवी पति वकील कुमार जाति सुकियार निवासी जलौंद वो सीमा देवी पति वरूण कुमार निवासी दरिया	नीज	रास्ता	संजय मोदी	राधे प्र0 मेहता
78	04	930/5	निजी	टांड–III	0.036	संजय मोदी पिता चिकनन्दन मोदी जाति मोदी निवासी कुटुमसुकरी	नीज	रास्ता	तालाब	कान्ति देवी
79	33	829/943	निजी	धान–III	0.01	मुस्तकिम खान वगै0 पिता स्व0 अजीज खान जाति पैठान निवास पुराना ईचाक	मुस्तिकिम खान वगै0	रास्ता	मुस्तिकिम खान वगै0	शमा बेगम
					1.236					

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013) की धारा–11 (1) के उपबंधो के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, हजारीबाग के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथाउपबंधित एवं यथाविनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतू अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यो के संचालन करने हेतु जिला भू अर्जन पदाधिकारी, हजारीबाग और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्व अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगे या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथाउपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60 दिनों) के अंतर्गत भू अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियां हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, हजारीबाग के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

ह/–

उपायुक्त,हजारीबाग।

PR 326272 Land Reforms(24-25)D

स्पीड न्यूज

रियासी आतंकी हमले में 53 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया

जम्मू। पुलिस ने जम्मू-कश्मीर में पिछले सप्ताह यात्रा बस पर हुए आतंकवादी हमले के सिलसिले में गुरुवार को 53 से अधिक संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 9 जून को रियासी जिले के पौनी इलाके के पास हुए हमले के सिलसिले में पूछताछ के लिए 53 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जो हमले की साजिश रचने में शामिल लोगों की पहचान और उन्हें पकड़ने में मदद करेंगे।

कुवैत में 42 भारतीय मरे, घायलों से मिले विदेश राज्य मंत्री

कुवैत सिटी/नयी दिल्ली। कुवैत में अहमदी प्रांत के मंगाफ क्षेत्र में भारतीय श्रमिकों के आवास वाली छह मंजिला इमारत में लगी आग में मारे गये 49 लोगों में कम से कम 42 भारतीय हैं। विदेश राज्य मंत्री केवी सिंह ने गुरुवार को उन अस्पतालों में से एक का दौरा किया, जहां घायल भारतीयों को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। वह कुवैत सिटी पहुंचने के बाद तुरंत जाबेर अस्पताल पहुंचे और वहां भर्ती घायल भारतीयों से मिले।

कपड़ा मंत्रालय ने स्टार्ट-अप को दी मंजूरी

नयी दिल्ली। कपड़ा मंत्रालय ने नवाचार, स्थिरता और परिवर्तनकारी विकास को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी वस्त्रों में स्टार्टअप को मंजूरी दे दी है। यह उद्योग के भविष्य को आकार देगा। गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन (ईटीटीएम) की अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति (ईपीसी) की सातवीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए वस्त्र मंत्रालय में सचिव रचना शाह ने यह बात कही। ईपीसी ने रिसर्च एंड एंटरप्रेनरशिप एक्रॉस इंस्पायरिंग इनोवेशन इन टेक्सटाइल योजना के तहत 7 स्टार्टअप प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। भारत सरकार प्रति स्टार्टअप अधिकतम 50 लाख रुपये की फंडिंग सहायता प्रदान कर रही है।

भूस्खलन से सिक्किम में छह लोगों की मौत

गंगटोक। उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में भूस्खलन से 6 लोगों की मौत हो गई है। उत्तरी जिले के महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ने वाला सांकलांग पुल भी नष्ट हो गया है। पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश से राज्य के विभिन्न हिस्सों में काफी नुकसान हुआ है। इस बीच मंगन जिले के पाक्सेप में कल रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद हुए भूस्खलन से तीन लोगों की मौत हो गई है। इसी तरह अम्बीथांग में भी तीन लोगों की मौत हो गई है और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है।

अल्मोड़ा में जिंदा जले वन विभाग के 4 कर्मी

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां बिनसर सेंचुरी वन क्षेत्र में जंगल की आग की चपेट में आने से वन विभाग के चार कर्मचारी जिंदा जल गए, जबकि चार गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिविल सोयम वन प्रभाग अल्मोड़ा के डीएफओ ध्रुव मर्तोलिया ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि यह सभी वन विभाग के कार्मिक हैं और आग बुझाने गए थे।

नागपुर : पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 6 की मौत

मुंबई। नागपुर जिले के धामना गांव की एक पटाखा फैक्ट्री में गुरुवार दोपहर जोरदार धमाके में चार महिलाओं समेत 6 की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना में गंभीर रूप से घायल 4 अन्य लोगों को नागपुर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है नागपुर-अमरावती हाइवे पर नागपुर से 25 किमी दूर धामना गांव स्थित पटाखा फैक्ट्री चामुंडा एक्सप्लोसिव में दोपहर करीब बारह बजे अचानक भीषण विस्फोट हुआ। छह लोगों की मौत हो गई ।

50 हजार करोड़ का रक्षा उपकरण होगा निर्यात

राजनाथ सिंह ने दूसरी बार रक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाला, तय किया 100 दिनों का एजेंडा

एजेंसी

नयी दिल्ली। राजनाथ सिंह ने गुरुवार को लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेना प्रमुखों, रक्षा सचिव और डीआरडीओ अध्यक्ष के साथ बैठक की। उन्होंने रक्षा मंत्रालय की प्रथम 100 दिवसीय कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि 2028-2029 तक 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के रक्षा उपकरणों का निर्यात करना होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य आने वाले समय में रक्षा निर्यात को बढ़ाना होगा। लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह ने आज कार्यभार संभाला। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में उनका स्वागत किया। कार्यभार संभालने के तुरंत बाद राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय की पहले 100 दिनों की कार्य योजना पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, वायु सेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी, नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत और

- रक्षा मंत्री ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेना प्रमुखों, रक्षा सचिव और डीआरडीओ अध्यक्ष के साथ की बैठक की

रक्षा मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में पूर्व सैनिकों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें पूर्व सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को 100 दिनों की कार्य योजना में निर्धारित एजेंडे को पूरा करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का निर्देश दिया। रक्षा मंत्री ने अगले पांच वर्षों के लिए अपने विजन को रेखांकित करते हुए कहा कि पहले से अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र की स्थापना के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और सेवारत तथा सेवानिवृत्त दोनों सैनिकों के कल्याण पर हमारा मुख्य ध्यान बना रहेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य आने वाले समय में रक्षा निर्यात को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर को छू गया था। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 2028-2029 तक 50,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के रक्षा उपकरणों का निर्यात करना होगा। रक्षा मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियारों से लैस किया जा रहा है और वे हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने वीरता और प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए जवानों की सराहना की। रक्षा मंत्री ने रक्षा तैयारी बढ़ाने और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर निरंतर जोर देने के उद्देश्य से कहा कि वह प्रमुख योजनाओं और रक्षा मंत्रालय की पहलों की प्रगति को तेज करने के लिए नियमित रूप से समीक्षा बैठकें करेंगे। हिंद महासागर क्षेत्र की बढ़ती प्रमुखता पर जोर देते हुए रक्षा मंत्री ने इस कार्यकाल की पहली यात्रा पर पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापत्तनम जाने का फैसला किया है, जिसमें वे अधिकारियों और नाविकों के साथ बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय 2047 तक देश को 'विकसित भारत' बनाने के प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने के उद्देश्य से नए जोश के साथ आगे बढ़ेगा।

आंध्र को गरीबी मुक्त राज्य बनाना मेरा लक्ष्य : नायडू

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि उनका लक्ष्य आंध्र प्रदेश को गरीबी मुक्त राज्य बनाना है। तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि वह आमदनी बढ़ाने और गरीबों में उसका वितरण सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं भारतीय समुदाय को दुनिया में शीर्ष पर देखना चाहता हूं और भारतीय समुदाय में 35 प्रतिशत तेलुगु लोगों को पहले स्थान पर देखना चाहता हूं। हमें शून्य गरीबी वाले राष्ट्र, शून्य गरीबी वाले राज्य और शून्य गरीबी वाले जिले के लिए काम करना चाहिए। बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नायडू ने कहा कि वह राज्य और

सभी तेलुगु लोगों की तरक्की के लिए प्रार्थना करते हैं। आर्थिक असमानताओं को दूर करने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी नीतियों के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने इस दिशा में संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा की गई पहलों को याद किया। उन्होंने कहा कि सीबीएन 1.0 की शुरूआत 1995 में हुई थी। हमने सचिवालय तक सीमित शासन को लोगों के दरवाजे तक पहुंचाया। काफी विकास हुआ, जिसके नतीजे सबने देखे। दुनिया के नेता हैदराबाद आए। मैंने उन्हें आमंत्रित नहीं किया। वे खुद ही आए, और वह लोग वहां आते हैं, जहां अच्छा काम होता है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने परिवार व्यवस्था को देश की सबसे बड़ी संपत्ति बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार आपकी ऊर्जा को रिचार्ज करता है, आपको सुरक्षा और खुशी देता है। भारत की परिवार प्रणाली पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श है। जब मैं जेल में था तो परिवार ही मेरा सबसे बड़ा सहारा साबित हुआ। नायडू ने स्पष्ट किया कि किसी को निशाना नहीं बनाया जाएगा, लेकिन जिन लोगों ने गलत किया है, उन्हें कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा। एनडीए को भारी जीत मिलने को उन्होंने ऐतिहासिक जनादेश बताया। हमने इतना बड़ा जनादेश पहले कभी नहीं देखा था।

भाजपा ने पूरा किया वादा, जगन्नाथ पुरी मंदिर के चारों द्वार खुले

पुरी। ओडिशा में समुद्र तट पर स्थित विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार गुरुवार सुबह प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में खोल दिए गए। बुधवार को ओडिशा कैबिनेट ने चारों द्वारों को खोलने का प्रस्ताव पारित किया था। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि कैबिनेट मीटिंग में जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वारों को खोलने का हमने प्रस्ताव रखा था। गौरतलब है कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव घोषणापत्र में जगन्नाथ मंदिर के सभी द्वार खोलने का वादा किया था।

मध्य प्रदेश में पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा शुरू

भोपाल से जुड़े आठ शहर

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश में पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा शुरू हो गई है। गुरुवार को राजधानी भोपाल के राजाभोज अंतरराष्ट्रीय विमानतल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाकर इस सेवा की पहली उड़ान (एयर टैक्सी) को रवाना किया। इसी के साथ भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, खजुराहो और सिंगरौली एक-दूसरे से सीधे जुड़ गए। इन शहरों के बीच छह सीटर दो एयर टैक्सी संचालित होंगी। इस वायु सेवा के शुरू होने से भोपाल से इंदौर का सफर 55 मिनट में पूरा हो जाएगा। शुरूआती 30 दिन तक किराए में 50 फीसदी डिस्काउंट भी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ह्यपीएम श्री पर्यटन वायु सेवासंचालन के शुभारंभ अवसर पर भोपाल एयरपोर्ट स्थित सेवा का टिकट बुकिंग काउंटर का भी शुभारंभ किया तथा यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए। यह फ्लाइट भोपाल से जबलपुर होकर रीवा जाएगी और वहां से सिंगरौली लैंड होगी। इसके बाद इसी रूट से वापस भोपाल आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम श्री

पर्यटन वायु सेवा से प्रदेश में पर्यटन के साथ-साथ उद्योग, व्यापार, शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र को भी लाभ होगा। प्रदेश में बढ़ रही एयर कनेक्टिविटी की सौगात सभी सेक्टरों को मिलेगी और प्रदेश के विकास को नये आयाम मिलेंगे। यह नियमित एयर टैक्सी सेवा भोपाल से प्रातः 7.45 बजे चलकर प्रातः 9.15 बजे जबलपुर पहुंचेगी। इसके बाद जबलपुर से प्रातः 9.45 बजे प्रस्थान कर प्रातः 11.15 बजे रीवा पहुंचेगी। भोपाल से केवल साढ़े तीन घंटे में यात्री रीवा पहुंच जाएंगे। इसके बाद एयर टैक्सी प्रातः 11.30 बजे रीवा से प्रस्थान कर 12 बजे सिंगरौली पहुंचेगी। सिंगरौली से एयर टैक्सी की वापसी यात्रा दोपहर 12.15 बजे होगी। एयर टैक्सी दोपहर 12.45 बजे रीवा पहुंचेगी। रीवा से दोपहर 1.15 बजे प्रस्थान कर दोपहर 2.35 बजे जबलपुर पहुंचेगी।

पीएम मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली रवाना

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को इटली के लिए रवाना हो गये। प्रधानमंत्री वहां जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और विश्व नेताओं के साथ बैठक करेंगे। जी-7 अपुलीया शिखर सम्मेलन के लिए इटली की यात्रा से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर, मैं 14 जून को जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली के अपुलीया क्षेत्र की यात्रा पर जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि लगातार तीसरे कार्यकाल में मेरी पहली यात्रा जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली की है। मैं 2021 में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए अपनी इटली यात्रा को गर्मजोशी से याद करता हूं।

खांडू तीसरी बार बने अरुणाचल के सीएम

राज्यपाल ने 11वें मुख्यमंत्री के रूप में पेमा खांडू को दिलायी शपथ, 11 विधायक भी बने मंत्री

एजेंसी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में भाजपा नेता पेमा खांडू को राज्यपाल केटी परनाइक ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही राज्यपाल परनायक ने 11 विधायकों को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई। पेमा खांडू तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री और चोना मीन को फिर से उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। गुरुवार को डीके कन्वेंशन सेंटर में राज्यपाल केटी परनाइक ने सबसे पहले पेमा खांडू को अरुणाचल

उप मुख्यमंत्री बने चोना मीन

शपथ में गृह मंत्री अमित शाह समेत कई मंत्री व मुख्यमंत्री हुए शामिल

प्रदेश के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद 11 विधायकों को भी राज्यपाल ने मंत्री पद की शपथ दिलाई। पेमा खांडू के मंत्रिमंडल के कैबिनेट मंत्रियों में ब्यूराम वागे, न्यातो डुकम, गेब्रियल डी वांगशु, वांग्की लोवांग, पीडी सोना, मामा नातुंग, दासंगलू पुल, बालो राजा, केन्टो जिनी और ओजिंग टैसिंग को शामिल किया गया है। शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री खांडू ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने भरोसा कर भाजपा को चुना है।

हम मंत्रिमंडल के साथ मिलकर राज्य की जनता का भरोसा कायम रखेंगे और राज्य के विकास के लिए और राज्य को और आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मंत्रिमंडल की टीम भाजपा के संकल्प पत्र का पालन करते हुए काम करेंगे। उन्होंने राज्य के लोगों को भाजपा पर भरोसा करने और दोबारा चुनने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल का भी आभार जताया।शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर के साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्री असम के डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, मणिपुर के एन बीरेन सिंह, त्रिपुरा के डॉ. माणिक साहा, सिक्किम के प्रेम सिंह तमांग आदि प्रमुख गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

फिर नये शिखर पर पहुंचा शेयर बाजार

- सेंसेक्स 204अंक उछलकर 76,810 पर पहुंचा निफ्टी 75 अंक चढ़कर 23,398 पर बंद

मुंबई । विश्व बाजार के नकारात्मक रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, रियल्टी, इंडस्ट्रियल्स और आईटी समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार एक बार फिर ऊंचाई के नये शिखर पर पहुंच गया। सेंसेक्स 204.33 अंक उछलकर एक बार फिर 76,810.90 अंक के नये शिखर पर रहा। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 75.95 अंक चढ़कर 23,398.90 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.79 प्रतिशत की छलांग लगाकर 45,521.86 अंक स्मॉलकैप 0.89 प्रतिशत मजबूत होकर 50,678.94 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3984 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2345 में लिवाली जबकि 1539 में बिकवाली हुई वहीं 100 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 35 कंपनियां हरे जबकि 15 लाल निशान पर बंद हुईं। बीएसई में धातु, बैंकिंग, यूटिलिटीज, एफएमसीजी और दूरसंचार में 0.89 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर 15 अन्य समूहों में तेजी का रुख रहा। इससे कैपिटल गुड्स 2.05, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.01, रियल्टी 2.15, कमोडिटीज 0.55, सीडी 0.88, ऊर्जा 0.54, हेल्थकेयर 0.69, इंडस्ट्रियल्स 1.67, आईटी 1.08, ऑटो 0.87, तेल एवं गैस 0.53, टेक 0.45 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.79 प्रतिशत चढ़ गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.44, जर्मनी का डैक्स 1.03, जापान का निक्केई 0.40 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.28 प्रतिशत गिर गया। वहीं, हांगकांग के हैंगसेंग में 0.97 प्रतिशत की बढ़त रही।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 495 अंक की तूफानी तेजी के साथ 77,102.05 अंक पर खुला और लिवाली के बल पर थोड़ी देर बाद 77,145.46 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली होने से यह दोपहर से पहले 76,719.70 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। अंत में पिछले दिवस के 76,606.57 अंक के मुकाबले

चालू वित्त वर्ष में विकास दर 8 प्रतिशत रहने का अनुमान : सीआइआइ

नयी दिल्ली। प्रमुख उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने गुरुवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है लेकिन इसके लिए अगली पीढ़ी के सुधारों को मिशन मोड में आगे बढ़ाने की जरूरत है। सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान विकास दर 8 प्रतिशत को छूने के लिए तैयार है, जो लगातार चौथे वर्ष 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। यह अनुमान अन्य अनुमानों से अधिक है लेकिन पिछले वर्षों का अनुभव यह है कि भारत ने शुरूआती अनुमानों से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है।

सनी देओल ने किया 'बॉर्डर-2' का एलान

मुंबई। अभिनेता सनी देयोल सनी देओल ने आगामी फिल्म बॉर्डर-2 की घोषणा की है। सनी देयोल गदर-2 की रिलीज के बाद बॉर्डर-2 को लेकर काफी चर्चा में है। इसके साथ ही सनी लाहौर 1947 की शूटिंग कर रहे हैं। देओल की 1997 में रिलीज हुई बॉर्डर फिल्म का सीक्वल करीब 27 साल बाद आ रहा है। सनी देओल ने बॉर्डर-2 की घोषणा करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इसमें सनी की आवाज सुनाई दे रही है और वह कह रहे हैं कि 27 साल पहले एक सैनिक ने वादा किया था।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi - B	₹ 140	Hindi - B	₹ 80
Hindi Vyakaran- II	₹ 120	Hindi Vyakaran- II	₹ 120
English Grammar II	₹ 120	English Grammar II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !